सुप्रभात
रांची, गुरुवार
धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ
विश्व पर्यावरण दिवस
khabarmantra.net | ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, दशमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 320 । 05.06.2025 | * * नगर संस्करण। पेज : 12

न्यूज डायरी

नहीं रहीं प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा चक्रवर्ती

रांची। झारखंड की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती (85) अब इस दुनिया में नहीं रहीं। बुधवार को उन्होंने आखिरी सांस ली। वह कुछ वक्त से बीमार चल रही थीं। उनके निधन से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। उनके के निधन पर राज्यपाल संतोष गंगवार, सीएम हेमंत सोरेन ने शोक जताया है।

तिथि तय, दो चरणों में होगी राष्ट्रीय जनगणना

नयी दिल्ली। देश में वर्षों बाद फिर राष्ट्रीय जनगणना दो चरणों में होगी। गृह मंत्रालय ने इसकी पुष्टि कर दी है। एक मार्च 2027 से जनगणना का काम शुरू होगा। पहले पहाड़ी राज्यों लद्दाख, जम्मू कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में अक्टूबर 2026 से इसकी शुरूआत होगी। जनगणना के साथ जातिगत जनगणना को भी शामिल किया गया है।

झारखंड बंद का राज्य भर में मिलाजुला असर

रांची। सरना स्थल के पास फ्लाईओवर रैंप निर्माण के विरोध में विभिन्न संगठनों की ओर से बुधवार को झारखंड बंद का पूरे राज्य में मिलाजुला असर रहा। राजधानी में बंद समर्थकों ने सड़क जाम रखा। बाजार बंद कराया। टायर जलाकर प्रदर्शन किया। धनबाद, पलामू, जमशेदपुर समेत अन्य शहरों में बंद का आंशिक असर रहा असर रहा। लंबी दूरी के वाहन काफी कम चले।

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 12 प्रस्तावों को मंजूरी

नगर विकास के ठेके के लिए जीएसटी सर्टिफिकेट अनिवार्य

कैबिनेट का निर्णय

- कानून बन जाने से गीग वर्कर्स को कल्याण योजनाओं के साथ मिलेगी पूरी सुरक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक में 12 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की। बैठक के बाद प्रेस ब्रीफ्रिंग करते हुए वित सचिव प्रशांत कुमार ने बताया कि कैबिनेट ने झारखंड नगर पालिका संवेदक निबंधन नियमावली मंजूरी दी। अब नगर विकास के ठेके में झारखंड का जीएसटी सर्टिफिकेट होना अनिवार्य किया गया। राज्य के भीतर रहने वाले संवेदक के अलावा राज्य के बाहरी संवेदक के लिए भी इसे अनिवार्य किया गया है। ऐसे में झारखंड में नगर विकास के कार्य के लिए झारखंड का जीएसटी प्रमाण पत्र जरूरी होगा, तभी संवेदक राज्य में काम कर सकेंगे। राज्य सरकार ने इसे इसलिए अनिवार्य किया है ताकि राजस्व प्राप्ति को बढ़ाया जा सके।

गृह विभाग के अंतर्गत डॉक्टर के पद अब स्वास्थ्य विभाग के अधीन होंगे। उनकी सेवा को स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर करने की मंजूरी दी गई। ताकि बेहतर तरीके से निगरानी और कार्य किया जा सके।

कैबिनेट के अन्य फैसले में एसएमडीसी का अध्यक्ष अब विभाग के खान सचिव होंगे और प्रबंध निदेशक खान निदेशक को बनाया जायेगा। पहले के नियमों में संशोधन किया गया है।

वहीं अवैध माइनिंग पर कार्रवाई करने और जुर्माना इत्यादि लगाने के लिए राज्य सरकार ने निदेशक खान पर निदेशक सहित जिला स्तर के अधिकारियों को पर्याप्त शक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया।

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय के 35 सहायक शिक्षकों को फिर से बहाल करने की स्वीकृति दी गयी। इन्हें पहले सेवा से हटाया गया था, लेकिन कोर्ट के आदेश के अनुसार इनकी सेवा बहाल की जाएगी या इन्हें पेंशन लाभ दिया जाएगा। इससे राज्य सरकार पर 30 करोड़ रुपए का वित्तीय बोझ आएगा। इसके साथ ही सूचना जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत 506 पदों को सरेंडर किया गया और उनकी जगह 32 नये पद सृजित किये गए। इससे सरकार को 24 करोड़ 17 लाख 9 हजार 160 रुपए की वित्तीय बचत होगी।

झारखंड नगर पालिका संवेदक निबंधन नियमावली को मंजूरी

गीग वर्कर्स के लिए बनाया जायेगा कानून

राज्य सरकार ने झारखंड प्लेटफार्म गीग वर्कर्स के लिए कानून बनाने के लिए विधायक लाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इस कानून के माध्यम से जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर इत्यादि में काम करने वाले गीग वर्कर्स का संरक्षण किया जायेगा। इसके लिए झारखंड प्लेटफार्म आधारित श्रमिक कल्याण बोर्ड का गठन होगा। साथ ही गीग वर्कर्स का ऑनलाइन निबंध होगा। एक विशेष कोष भी बनाया जायेगा। इससे इनका संरक्षण किया जायेगा।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय

- गढ़वा शहरी जलापूर्ति योजना के पुनरीक्षित प्राकलन के लिए 59.71 करोड़ रुपए की मंजूरी
- पाकुड़-बरहड़वा मुख्य पथ से पश्चिम बंगाल सीमा तक 6.62 किमी सड़क के निर्माण के लिए 40.39 करोड़ रुपए की स्वीकृति
- नवनिर्मित अभियंत्रण कॉलेज (बोकारो और गोड्डा) के लिए 85-85 शिक्षकों और 125 शिक्षकेत्तर कर्मियों के पद सृजित, इससे 41.87 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर होगी एक पेड़ मां के नाम 2.0 की शुरुआत

10 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। आज विश्व पर्यावरण दिवस है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम 2.0 का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन लाइफ के विजन को आगे बढ़ाने के मकसद से ही इस मुहिम के दूसरे चरण की शुरूआत हो रही है। इसके तहत 10 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मुहिम के शुरू होने से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देशवासियों खासकर विद्यार्थियों से अपील की है कि वो इससे अधिक से अधिक जुड़े और पेड़ लगाएं।

पांच जून से 30 सितंबर तक रक्षा लक्ष्य : उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पांच जून से 30 सितंबर तक 10 करोड़ पौधे लगाए जाएं लेकिन यह अभियान सिर्फ आंकड़े के बारे में नहीं है बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे प्रेम और जिम्मेदारी की भावनाओं के प्रतीक है। यह अभियान एक ऐसे भविष्य के प्रति समर्पण है जहां प्रकृति हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा हो। केंद्रीय मंत्री ने नए लोगों से अपनी मां के नाम पेड़ लगाने, उसकी देखभाल करने और फिर उसकी कहानी सभी को सुनाने की अपील की।

संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई से

नयी दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र 21 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। मॉनसून सत्र में ऑपरेशन सिन्दूर और आपातकाल के 50 वर्ष पूरे पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार सत्र के दौरान न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव लाये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यदि प्रस्ताव लाने का निर्णय होता है, तो उसे इसी सत्र में लाया जाएगा। विपक्ष ने ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर संसद का विशेष सत्र लाने की सरकार से मांग की थी।

आरसीबी की विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ में दर्जनभर लोग मरे

50 से अधिक घायल

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गयी, जबकि हादसे में 50 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घायलों में से 27 की हालत गंभीर है। हादसे के बाद स्टेडियम में प्रशंसकों की मौजूदगी में आईपीएल की विजेता टीम को सम्मानित किया गया।

बुधवार को आरसीबी की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मौजूद थे। पुलिस ने उन्हें नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इससे भगदड़ मच गयी। मेन गेट के पास मची भगदड़ में लोगों की मौत हुई और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए।

मृतकों को 10-10 लाख मुआवजा

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार PRNO 354274 (Forest,Environment and Climate Changes) IPRD 25-26

किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा : योगेंद्र प्रसाद

- **प्लेसमेंट एजेंसियों पर करीब 50 करोड़ रुपये बकाया**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बुधवार को विभाग की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के बाद उत्पाद मंत्री ने एसीबी से जुड़े सवालों पर कहा कि किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जांच चल रही है, जो दोषी पाए जाएंगे उनपर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि प्लेसमेंट एजेंसियों पर करीब 50 करोड़ रुपये बकाया है।

बैठक में मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सभी जिलों के असिस्टेंट कमिश्नरों को राजस्व वसूली में लापरवाही न बरतने की कड़ी चेतावनी दी है। वहीं प्लेसमेंट कंपनियों पर बकाया राशि को लेकर जल्द भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है। मंत्री ने कहा कि जिन कंपनियों का बकाया है, उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने साफ किया कि उत्पाद राजस्व में किसी भी तरह की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई उत्पाद नीति लागू होने से पहले 30 जून तक राजस्व संग्रहण पर पूरी ताकत से काम करने का आदेश दिया गया है। निर्देश दिया गया कि प्लेसमेंट एजेंसियां पहले अपनी सेवा का बकाया लें और शेष राशि विभाग को जमा करें। 30 जून के बाद प्लेसमेंट एजेंसियों की पुरानी व्यवस्था समाप्त होगी और नई व्यवस्था लागू की जाएगी

झारखंड में तय समय पर होगी मॉनसून की एंट्री

उमस भरी गर्मी के लिए रहें तैयार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इस वर्ष जब दक्षिण पश्चिमी मॉनसून ने अपने निर्धारित समय 1 जून से आठ दिन पहले ही केरल में 24 मई को दस्तक दे दी तब झारखंड के लोगों को उम्मीद बंधी थी कि इस बार उन्हें मॉनसूनी बारिश का इंतजार नहीं करना होगा, लेकिन मौसम केंद्र, रांची के ताजा अपडेट के अनुसार राज्य में मॉनसूनी बारिश के लिए अभी इंतजार करना होगा। सिक्किम, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और बिहार के उत्तर पूर्वी छोर तक आकर मॉनसून ठहर सा गया है। राज्य में मानसून प्रवेश की सामान्य तिथि 10 से 12 जून है।

पहले 3 से 5 जून के बीच झारखंड में मानसून प्रवेश की थी संभावना

राज्य में मानसून प्रवेश की सामान्य तिथि 10 से 12 जून है। ऐसे में जब केरल में दक्षिणी पश्चिम मानसून ने समय से आठ दिन पहले ही दस्तक दे दी थी, तब अनुमान यह लगाया जा रहा था कि झारखंड में भी मानसून 3 से 5 जून के बीच प्रवेश कर जाएगा, लेकिन राज्य के बेहद करीब आकर मानसून ठहर सा गया है और राज्यवासियों को मानसूनी बारिश के लिए इंतजार करना होगा।

मौसम केंद्र रांची के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार 10 जून के बाद स्थिति सुधरने और मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए बेहतर कंडीशन बनने पर 10 से 15 जून के बीच झारखंड में मानसून दस्तक दे सकता है। तब तक राज्यवासियों को इंतजार करना होगा। उन्होंने बताया कि तत्काल में मानसून के आगे बढ़ने की स्थिति बनती नहीं दिख रही है। 10 जून के बाद मानसूनी हवा तेज होने की संभावना को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 10 से 15 जून के बीच किसी भी दिन राज्य में मॉनसून दस्तक दे देगा।

राष्ट्र द्रोही बयान दे रहे राहुल गांधी : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हाथों खेल रहे हैं। उन्हें अपने पद और दायित्व की मर्यादा मालूम नहीं है। उन्होंने कहा कि पद पाना और उसके अनुरूप आचरण करना दोनों में बड़ा अंतर है। उनके व्यवहार और बयानों से बार-बार ऐसा लगता है कि वे इसके काबिल नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि इसके पहले भी इन्होंने कई बार अपनी अल्प ज्ञान और छोटी सूझबूझ का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ही हैं जिन्होंने अपने पार्टी के नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कैबिनेट में लिये फैसले को चौराहे पर फाड़ दिया था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विदेशी धरती पर भारत की आलोचना करना, चीन के पक्ष में खड़े रहना, सर्जिकल स्ट्राइक का सेना से प्रमाण और सबूत मांगना, इनकी अल्पज्ञान और देश की सेना, संविधान और राष्ट्र के प्रति नफरत को बताता है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी रोज अपने बयानों से जनता को अपमानित करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस को नेस्तनाबूद करके ही दम लेंगे।

दीपिका पांडे ने वित्त मंत्री को दी विभाग की योजना और वित्तीय स्थिति की जानकारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन, रांची में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मुलाकात की। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की वित्तीय स्थिति की जानकारी साझा की और उनके जमीनी प्रभाव पर विचार-विमर्श किया। साथ ही, इन योजनाओं के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन को लेकर वित्तीय समन्वय और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई।

पर्यावरण दिवस से 15 अगस्त तक 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम चलायेगी भाजपा : बालमुकुंद

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये संकल्पित हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण दिवस 5 जून से यह कार्यक्रम प्रारंभ होकर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी 29 हजार बूथों के प्रत्येक गांव, टोले मुहल्ले में लाखों पौधे लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे जन्मदात्री मां बच्चे को जन्म देती है। पालन पोषण करती है। वैसे ही धरती मां भी हम सभी का पालन पोषण करती है। धरती को हरा भरा

बनाना, उसे बंजर होने से बचाना जीव मात्र के कल्याण के लिये जरूरी है। उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक नहीं बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। जिन्हें समाज के अन्य समस्याओं की भी चिंता रहती है। उन्होंने बताया कि पर्यावरण के संरक्षण के बिना विकसित भारत का संकल्प अधूरा होगा। उन्होंने बताया कि 5 जून को पार्टी के सभी शीर्ष नेता-पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पौधरोपण करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह साहेबगंज में वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर, डॉ प्रदीप वर्मा नामकुम के होरहाप और तुपुदाना में, विधायक सीपी सिंह लालपुर मंडल में, विधायक नवीन जायसवाल अरगोड़ा मंडल में, बालमुकुंद सहाय पहाड़ी मंदिर के पास पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मनरेगा में 15 दिनों से अधिक समय तक मजदूरी भुगतान नहीं करने पर सात कर्मियों पर जुर्माना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मनरेगा में डिलेड पेमेंट करने के आरोप में गिरीडीह जिला के डुमरी प्रखंड के खुदीसार पंचायत के सात कर्मियों को एक-एक हजार का जुमार्ना लगाया गया है। इस संबंध में गिरिडीह डीसी ने बीडीओ डुमरी को पत्र लिखकर अर्थदंड लगाने का निर्देश दिया है।

मनरेगा अधिनियम के तहत मजदूरों द्वारा कार्य किए जाने के उपरांत मस्टर रॉल के बंद होने की तिथी से आठ दिनों के अंदर निशिचत रूपव से मजदूरी का भुगतान उसके खाते में किया जाना होता है। परंतु मनरेगासॉफ्ट के एमआईएस को देखने से यह स्पस्ट होता है डुमरी प्रखंड के उक्त पंचायत में मजदूरी भुगतान 15 दिनों से अधिक समय से विलंब पर चल रहा है, एक ट्रांजेक्शन में करीब 1692 रुपये का भुगतान फंसा हुआ है। आठ से अधिक ट्रांजेक्शन विलंब से चल रहा है।

ऐसे में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी महबूब आलम, सहायक अभियंता मनरेगा, कनीय अभियंता मनरेगा, मुखिया, पंचायत सचिव, कंप्यूटर ऑपरेटर, ग्राम रोजगार सेवक हैं। इन कर्मियों के प्रखंड के नजारत में अर्थदंड की राशि जमा की जायेगी। रसीद की एक प्रति व उक्त कर्मियों से स्पष्टीकरण लेते हुए गिरिडीह डीसी को भेजा जायेगा।

कॉमरेड बास्ता सोरेन के निधन पर भाकपा माले ने जताया शोक

रांची। भाकपा, माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि कॉमरेड बास्ता सोरेन के निधन की सूचना अत्यंत दुखद है। उनके जाने से झारखंड के वामपंथी, जनपक्षीय और लोकतांत्रिक आंदोलन को गहरी क्षति पहुंची है। भाकपा, माले झारखंड राज्य कमेटी उन्हें क्रांतिकारी श्रद्धांजलि अर्पित करती है। पार्टी के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि बास्ता सोरेन 1962 से 1967 तक घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। वे उस दौर के अग्रणी आदिवासी नेता थे। इन्होंने आदिवासी समाज, श्रमिकों और किसानों के हकों के लिये आजीवन संघर्ष किया। वे केवल एक जनप्रतिनिधि ही नहीं। उनका पूरा जीवन सादगी, संघर्ष और समर्पण का प्रतीक था।

नगर निकाय चुनाव को कांग्रेस तैयार

- **प्रदेश अध्यक्ष : राकेश सिन्हा ने कार्यकर्ताओं से किया विचार विमर्श**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य में नगर निकाय चुनाव की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस ने पूरी तरह कमर कस ली है। इसके लिए बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है। साथ ही संगठन सृजन अभियान, प्रखंडों में संविधान बचाओ रैली और पेसा कानून, सरना धर्म कोड जैसे मुद्दों पर विचार विमर्श करने के लिए शुक्रवार को झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 11 से 12 बजे तक पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम,

सरयाकेला-खरसांवा और सिमडेगा जिला 12 से 1 बजे तक गुमला, खूंटी, रांची पाकुड़ और 1 से 2 बजे गढ़वा, लातेहार, पलामू, रामगढ़ के जिलाध्यक्ष जिला पर्यवेक्षक और नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत के पर्यवेक्षकों के साथ जूम मीटिंग कर संवाद स्थापित करेंगे। इसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विशेष अमंत्रित सदस्य सह झारखंड प्रभारी के. राजू एवं सचिव सह सह-प्रभारी श्रीबेला प्रसाद उपस्थित रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि इस जूम मीटिंग में प्रखंड कांग्रेस कमेटी का गठन, मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की नियुक्ति, वार्ड, कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की नियुक्ति और पूर्ण गठन के साथ प्रखण्डों में संविधान बचाओ रैली की तैयारी पेसा कानून पर राय और सरना धर्म कोड पर जन जागरण अभियान चलाने को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश संवाद स्थापित कर इसकी समीक्षा करेंगे और कार्यक्रम कैसे सफल हो इसके लिए दिशा निर्देश भी देंगे।

आज आएगा इंटर आर्ट्स का रिजल्ट

रांची। जैक बोर्ड की ओर से इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के कला संकाय (आर्ट्स) का परीक्षाफल गुरुवार को जारी किया जाएगा। परीक्षाफल को परिषद के वेबसाइट पर दोपहर 2:15 बजे से देखा जा सकता है। स्कूल प्रबंधन और विद्यार्थी भी परीक्षाफल को बोर्ड के वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। बताते चलें कि इस साल झारखंड बोर्ड 12वीं की वार्षिक परीक्षाएं 11 फरवरी से 4 मार्च के बीच आयोजित की गई थीं। इसमें आर्ट्स स्ट्रीम के करीब 1.5 लाख छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

चिकित्सा जगत में डॉ शोभा चक्रवर्ती का योगदान अविस्मरणीय : सुबोधकांत सहाय

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने जानी–मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने अपनी शोक संवेदना में कहा कि चिकित्सा जगत में डॉ शोभा चक्रवर्ती का योगदान भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ चक्रवर्ती ने अपने जीवनकाल में चिकित्सा के क्षेत्र में कई ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं जो अन्य स्त्री रोग विशेषज्ञों के लिये अनुकरणीय भी है। उन्होंने कहा कि झारखंड–बिहार ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी एक कुशल, अनुभवी स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में उनकी पहचान थी। अपनी विलक्षण प्रतिभा के कारण वह चिकित्सकों, मरीजों व आमजन के बीच काफी लोकप्रिय रहीं। वह जीवन पर्यंत स्त्री रोग विशेषज्ञों की अखिल भारतीय संस्था, प्रांतीय संगठनों व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ी रहीं।

विकास भारती का 50 जगहों पर पर्यावरण जागरूकता व नदी पूजन कार्यक्रम आज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर विकास भारती बिशुनपुर द्वारा पूरे राज्य भर में कुल 50 स्थानों पर पर्यावरण जागरूकता एवं नदी पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में संस्था द्वारा संचालित सभी परियोजनाओं के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं स्थानीय नदियों का पूजन भी किया जाएगा जिसमें सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग सम्मिलित होंगे। इससे पूर्व संस्था द्वारा डॉ भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर दिनांक- 14 अप्रैल, 2025 से लेकर 05 जून, 2025 तक के लिए प्रान्त स्तरीय पर्यावरण जागरण अभियान कार्यक्रम को चलाया जा रहा है। अभियान द्वारा जल, जंगल एवं जमीन के संरक्षण को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जंगल में आग न लगे इसके लिए सतर्क रहना, जल के प्राकृतिक श्रोतों, पुराने कुएं, तालाब एवं अन्य जल श्रोतों को सुरक्षित करना, अधिक से अधिक वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करना एवं पुराने वृक्षों को कटने से रोकना आदि विषयों के प्रति समाज को जागरूक किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत लोगों से मिलकर एवं उनके साथ बैठक कर उनके बीच पर्यावरण जागरूकता लाने निमित्त विषय सम्बंधित पोस्टर एवं पम्पलेट को बांटा जा रहा है साथ ही दीवार लेखन के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

बाल श्रम व बाल विवाह एक अपराध : राजेश सिन्हा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को ओरमांझी प्रखंड के हेन्देबिली पंचायत में डालसा टीम के द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एलएडीसी डिप्टी राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी शिला तिग्गा, किरण कुमारी, आशीष बैठा, जगमोहन मुंडा, रामजीत महतो, दीपक गंझू, मुखिया दशमी मिंज एवं राजा वर्मा, उपस्थित थे। एलएडीएस डिप्टी, राजेश कुमार सिन्हा ने बाल विवाह व बाल श्रम पर फोकस करते हुए

बोले कि अभिभावक अपने बच्चियों का विवाह 18 वर्ष के बाद ही करें, पहले उन्हें पढ़ाये, ताकि वे अपने पैरों में खड़ा हो सके। इसके अलावा उन्होंने बाल विवाह संबंधित कानून व रोकथाम के बारे में भी विचार रखे। बाल श्रम पर बोले कि छोटे बच्चों से काम करना कानुनन अपराध हैं। मजबूर बच्चों को जागरूक करें और उसे स्कूल भेजे। उन्होंने कहा कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं, जिससे आपको समय व धन की बचत होगी।

दुमका से निकली खतियानी पदयात्रा आज राजभवन पर महाधरना में बदल जायेगी

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के उपाध्यक्ष अमित मंडल ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि विगत 15 मई को संथाल परगना के दुमका से शुरू हुई खतियानी पदयात्रा गुरुवार को राजधानी के राजभवन पहुंचकर महाधरना में बदल जायेगी। पदयात्रा के अंतिम दिन केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो के नेतृत्व में गुरुवार की सुबह 10 बजे बूटी मोड़ से रैली निकाली जायेगी, जो राजभवन तक पहुंचेगी। उसके बाद धरना स्थल डॉ जाकिर हुसैन पार्क परिसर में महाधरना दिया जायेगा। महाधरना के उपरांत राज्यपाल संतोष गंगवार को मांग पत्र सौंपा जायेगा। उन्होंने बताया कि खतियानी पदयात्रा के माध्यम से खतियान आधारित स्थानीय नीति, नियोजन नीति, रोजगार नीति, उद्योग नीति, विस्थापन नीति, पुनर्वास नीति, जाति जनगणना, सरना धर्म कोड और पेशा कानून को लागू कराने के मांग की जायेगी।

जीएसटी घोटाले के आरोपी भालोटिया ने मांगी बेल

रांची। 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाला के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी जमशेदपुर के कारोबारी विक्की भालोटिया ने पीएमएलए की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। उसपर शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फर्जीवाड़े का आरोप है। इस मामले की जांच ईडी कर रही है। इस मामले में अब तक 4 आरोपियों को ईडी ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शिव कुमार देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई का कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता और मोहित देवड़ा शामिल हैं। फिलहाल सभी आरोपी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में न्यायिक हिरासत में बंद हैं।

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद लातेहार पहुंचा कुशल बिरजिया का पार्थिव शरीर

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आदेश के बाद बुधवार को लातेहार के महुआडांड़ स्थित ग्राम दैना निवासी कुशल बिरजिया का पार्थिव शरीर पहुंच गया। मालूम हो कि कुशल बिरजिया की मृत्यु 29 मई को आंध्रप्रदेश के बाबरलाजुला जिले स्थित चुराला रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन दुर्घटना में हो गई। मामले की जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने आदिम जनजाति के युवक का पार्थिव शरीर लातेहार लाने का निर्देश श्रम विभाग, लातेहार डीसी एवं श्रम विभाग अंतर्गत कार्यरत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को दिया था। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कुशल बिरजिया के परिजनों से संपर्क स्थापित कर घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। मृतक के पार्थिव शरीर को एम्बुलेंस से लातेहार लाने के लिये ष्मुख्यमंत्री झारखंड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष के अंतर्गत सहायता राशि परिजनों को प्रदान की गई थी।

बीएयू ने 6 दिनों में राज्य के 63 हजार से अधिक किसानों को किया जागरूक

- **राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के किसानों को नवीनतम कृषि एवं पशुपालन तकनीक से अवगत कराने तथा झारखंड सरकार एवं केंद्र सरकार की किसान कल्याण योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने बताया कि 29 मई से प्रारंभ हुआ यह अभियान 12 जून तक चलेगा। बीएयू के नियंत्रणाधीन

राज्य के 16 जिलों में अवस्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के नेतृत्व में 29 मई से 3 जून तक इन जिलों के 646 गांवों में 63,207 किसानों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया गया। अभियान के तहत खरीफ मौसम की मुख्य फसलों जैसे-धान, मक्का, मोटे अनाज (श्री अन्न), अरहर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, सरगुजा की खेती की उन्नत तकनीक, मिट्टी जांच का महत्व तथा मिट्टी जांच के आधार पर पोषक तत्वों का व्यवहार, फसल सुरक्षा के उपाय, फलों एवं सब्जियों की उन्नत कृषि तकनीक, गर्मी एवं बारिश के मौसम में पशु-पक्षियों की देखभाल, पोषण, प्रबन्धन एवं रोग निदान आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गयी।

इसी प्रकार प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मोटे अनाज की खेती, किसानों की स्वदेशी किस्मों एवं पद्धतियों के संरक्षण, कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन विषय पर भी विस्तृत तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी गयी। इसके अलावा केन्द्र एवं झारखंड सरकार की कृषि से संबंधित योजनाओं जैसे - प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, पारम्परिक कृषि विकास योजना, कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन, कृषि विस्तार पर उप मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड, मिलेट मिशन योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, झारखंड किसान समृद्धि योजना, बिरसा बीज उत्पादन एवं फल विस्तार योजना, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी तथा किसानों से इन योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाने का आह्वान किया गया।

कुलपति डॉ दुबे ने बताया कि अभियान के तहत 16 जिलों में 36 टीमों का गठन किया गया है। इनमें बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों के 56 वैज्ञानिक, विश्वविद्यालय के मुख्यालय, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों से 24 वैज्ञानिक, झारखंड में अवस्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों से 29 वैज्ञानिक एवं राज्य सरकार के कृषि विभाग एवं संबन्धित विभागों के जिला एवं प्रखण्ड स्तर के 78 पदाधिकारी शामिल हैं। प्रत्येक टीम प्रतिदिन 3 गाँवों में कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

विश्वविद्यालय स्तर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ रेखा सिन्हा एवं नोडल पदाधिकारी डॉ बीके अग्रवाल प्रतिदिन इस अभियान की प्रगति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। यह अभियान 12 जून तक चलेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 : प्लास्टिक प्रदूषण के अंत का लें संकल्प

बीरेंद्र प्रजापति

रांची। आज विश्व पर्यावरण दिवस है। इस अवसर पर रांची सहित पूरे राज्य में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जायेगा। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान भी चलाया जायेगा। इसके माध्यम से लोगों में धरती को बचाने के लिए पर्यावरण को स्वस्थ और बेहतर बनाने की दिशा में पहल करने का संदेश दिया जायेगा। इस बार पर्यावरण दिवस की थीम है- **'प्लास्टिक प्रदूषण का अंत'**। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के मुताबिक, प्लास्टिक प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। इसको ध्यान में रखकर इस बार की थीम फाइनल की गयी है। इसको लेकर हमें रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक के इस्तेमाल को बंद करने का संकल्प लेना होगा।

प्लास्टिक को कहें 'ना'

आमतौर पर प्लास्टिक उपलब्ध कराने वाले प्रतिष्ठानों की निगरानी आवश्यक है, जहां से वह आम जनता तक पहुंचता है जिसके बाद वही प्लास्टिक गली मुहल्लों से लेकर खेत-खलिहानों तक पहुंच जाता है। ...और यहीं से शुरू हो जाता है प्लास्टिक प्रदूषण। हालांकि राज्य सरकार को मानक से नीचे प्लास्टिक के उत्पादन पर ही रोक लगाने के लिए ठोस पहल करनी चाहिए। राजधानी रांची में इससे पहले भी मानक से नीचे ग्रेड वाले प्लास्टिक के इस्तेमाल के विरूद्ध कार्रवाई होती रही है, लेकिन इसपर पूर्णतः रोक लगाने के लिए सरकार के साथ आम जनता भी सहयोगात्मक भूमिका निभानी होगी।

जयपाल सिंह स्टेडियम में पौधरोपण आज

रांची। रांची नगर निगम आज जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में दिन के 11 बजे से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन करेगा। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण को लेकर संकल्प दुहराया जाएगा। पौधरोपण की शुरूआत निगम के प्रशासक संदीप सिंह करेंगे।

प्रकृति के इस सौंदर्य को बचाना आवश्यक

झारखंड बंद का रांची में मिलाजुला असर

हिनू, मेन रोड और कांटाटोली में बंद का पूरा असर दिखा, जबकि हरमू-डोरंडा और लालपुर में खुली रहीं दुकानें

बंद रहे शहर के प्रतिष्ठान, वाहन कम चले

झारखंड चैंबर के मुताबिक बुधवार को बंद के कारण करीब 100 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ प्रभावित

फोटो : समीर

क्यों बुलाया गया बंद : राजधानी रांची के डोरंडा-सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप विवाद पर आदिवासियों की धर्मस्थली मरांग बुरु, पारसनाथ पहाड़ गिरिडीह, लुगू बुरू ललपनिया, मुड़हर पहाड़ पिठौरिया, दिउड़ी दिरी तमाड़ एवं बेड़ो महादानी सरना स्थल को बचाने के लिए बंद का आहवान किया।

मेन रोड, लालपुर, कोकर, अरगोड़ा-कटहल मोड रोड, बिरसा चौक, कडरू, सिरमटोली चौराहा पर बंद समर्थक रोड पर बांस-बल्ली लगाकर बंद को सफल बनाने की कोशिश करते दिखे। जिला एवं पुलिस प्रशासन की ओर से बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। डोरंडा सिरमटोली फ्लाई ओवर रैंप के पास बंद समर्थक न पहुंच जाएं इसके लिए इस जगह पर पुलिस पदाधिकारी, मजिस्ट्रेट और बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती रही।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली बचाओ मोर्चा और आदिवासी बचाओ मोर्चा के द्वारा सिरमटोली रैंप निर्माण के विरोध समेत अन्य मांगों को लेकर बुधवार को आहूत झारखंड बंद का राजधानी के बाजारों में मिलाजुला असर दिखा। शहर के अधिकांश बाजारों में सुबह में दुकानें खुली रहीं। सुबह 11 बजे के बाद अलग-अलग इलाकों में बंद समर्थकों का निकलना शुरू हुआ, जिससे एहतियात के तौर पर कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद करनी शुरू कर दी। मेन रोड में सुबह कुछ दुकानें बंद थीं, लेकिन, दोपहर के समय बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ज्वेलरी शॉप्स समेत अन्य प्रतिष्ठानों पर ताले लटक गए।

क्लब रोड स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में सुबह से दुकानें बंद रहीं। हिनू में कुछ दुकानों को छोड़कर करीब तीन बजे तक सभी दुकानें बंद रहीं। हालांकि, हरमू बाजार, डोरंडा इलाके में बंद का उतना असर नहीं दिखा। इसी तरह एचबी रोड, लालपुर, क्लब रोड, कोकर समेत कई इलाकों में सुबह सामान्य दिनों की तरह दुकानें खुलीं। हालांकि बंद समर्थकों द्वारा विरोध-प्रदर्शन के बाद कई कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दी।

झारखंड चैंबर के मुताबिक, इस बंद के कारण करीब बुधवार को 100 करोड़ का लेन-देन प्रभावित हुआ। बंद के कारण कई दुकानदार और उनके कर्मी प्रतिष्ठान तक नहीं पहुंच पाए। शहर के प्रमुख मार्गों पर बंद समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के कारण कई प्रतिष्ठानों के कर्मी रास्ते में ही फंस गए। व्यवसायियों के मुताबिक, कर्मियों ने बताया कि काफी आग्रह के बाद भी बंद समर्थकों ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। इस कारण कई प्रतिष्ठान खुले रहने के बाद भी कर्मियों की अनुपस्थिति के कारण व्यापार-कारोबार प्रभावित रहा। बंद से व्यापारियों के साथ-साथ सरकार को भी राजस्व का नुकसान होता है। कच्चे माल के व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। बार-बार रांची बंद होगा तो व्यापारी कहां जाएंगे। अभी विवाह लग्न का समय है। चैंबर ने कहा कि राज्य सरकार को इसपर विचार करना चाहिए।

बंद समर्थकों का फूटा गुस्सा

सिरमटोली चौराहा पर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के बावजूद इस चौराहे के चारों रास्तों को बंद समर्थकों ने बंद कर दिया। इस वजह से कोकर, बहु बाजार, रेलवे स्टेशन, लोअर चुटिया, करमटोली जाने के लिए निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बंद समर्थकों ने मांगें पूरी होने तक चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी इलाके में शराब बेचकर आदिवासियों को तबाह और बर्बाद करना चाहती है।

हर चौराहा रहा जाम, राहगीर परेशान

रांची। बंद का असर भी रांची में सबसे ज्यादा देखा गया। राजधानी के कई चौक-चौराहों पर प्रदर्शनकारियों ने रस्सी बांधकर जाम कर दिया था। लालपुर चौक जाने और कचहरी चौक होकर जानेवालों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा। अरगोड़ा चौक से होते हुए हरमू चौक तक पहुंचने पर सिर्फ पुलिस नजर आयी। कोई प्रदर्शकारी नहीं दिखे। हरमू चौक से किशोरगंज और रातू रोड फिलाईओवर तक ना तो ट्रैफिक की शोर और ना ही कोई जाम या प्रदर्शकारी ही देखने को मिला। रातू रोड पार करते ही कचहरी चौक की तरफ बढ़ने पर चहल-पहल बढ़ रही थी। जेपीएससी कार्यालय के पास नजारा बदला हुआ था। सड़क जाम की गयी थी। वहीं जेल चौक पर काफी संख्या में प्रदर्शकारी मौजूद थे। लंबा जाम था। एक-एक कर लोग आगे बढ़ रहे थे और दूसरी ओर से मुड़कर वापस लौट रहे थे। क्योंकि वहां प्रदर्शनकारियों ने रस्सी लगा रखा था और साथ में सरना झंडा लहरा रहे थे।

आगे भी प्रदर्शन करते रहेंगे : बंद समर्थक

बंद समर्थकों ने कहा कि आदिवासियों की धार्मिक अस्मिता पर सरकार चोट कर रही है। आदिवासी लगातार सरकार से सिरमटोली सरना स्थल के मुख्य गेट के सामने से रैंप हटाने, ग्राम सभा को अधिकार देने, आदिवासी इलाकों में शराब की दुकान खोलने की नीति वापस लेने के साथ-साथ आदिवासी समुदाय के सरना स्थल, आदिवासी समुदाय की जल जंगल जमीन की रक्षा सहित कई मांगों के समर्थन में आगे भी प्रदर्शन करते रहेंगे। सिरमटोली चौराहा को जाम कर देने से रांची रेलवे स्टेशन जाने वाले लोगों को स्टेशन पहुंचने में परेशानियों का सामना करना पड़ा।

आंधी और बारिश से पेड़ गिरे, कार क्षतिग्रस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में बुधवार की दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली, जिसके बाद जमकर बारिश हुई। बारिश के बीच तेज हवाओं के चलने से कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। पेड़ गिरने की वजह से रांची में कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

हरमू बाइपास के पास एक बड़ा पेड़ जमीन पर गिर गया। पेड़ गिरने से सड़क के किनारे खड़े कई वाहन उसकी चपेट में आ गए। पेड़ की चपेट में आने से एक कार सहित कई बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गए। इससे काफी देर तक हरमू बाइपास रोड पर एक तरफ वाहनों का आना-जाना बंद रहा। जिसके बाद नगर निगम की मदद से स्थानीय लोगों ने पेड़ की डाली को काटकर उसे रास्ते से हटाय। तब जाकर सड़क पर आवागमन शुरू हो सका।

बता दें कि अभी तक झारखंड में मॉनसून की एंट्री नहीं हुई है। फिलहाल प्री मॉनसून बारिश हो रही है। राज्य में मॉनसून की एंट्री 10 से 12 जून से होने के आसार हैं। फिलहार गुरुवार से राज्य में तापमान बढ़ने की संभावना है।

बारिश ने खोली नगर निगम की पोल

सड़कों पर बहा नाली का गंदा पानी, बढ़ी परेशानी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मॉनसून के दस्तक देने से पहले ही रांची में हुई झमाझम बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी। महज एक घंटे की बारिश ने शहर की कई प्रमुख सड़कों को तालाब में तब्दील कर दिया। कांके रोड, मेन रोड, पंडरा पंचशील नगर, बड़ा तालाब रोड और कर्बला चौक जैसे मुख्य मार्ग पर नालियों का पानी उफनकर सड़कों पर बहने लगा। समय पर सफाई न होने के कारण जल निकासी बाधित हो गयी, जिससे जगह-जगह जलजमाव हो गया। कांके रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सामने सड़कों पर इतना पानी भर गया कि वाहन आधे चक्कों तक डूब गये। राम मंदिर के पास भी कुछ ऐसी ही स्थिति रही। बंद नालियों के कारण सड़क पर पानी भर गया, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो गया।

बड़ा तालाब रोड तो हर बारिश में जलभराव की समस्या से जूझने का आदी हो चुका है। यहां बारिश का पानी और नाली का गंदा पानी एकसाथ सड़क पर बहने लगा, जिससे सड़क और नाली के बीच का फर्क करना मुश्किल हो गया।

फ्लाईओवर रैंप मामले में समाधान निकालें मुख्यमंत्री : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर गंभीर भावनात्मक मुद्दों से आंख मूंद लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सिरमटोली फ्लाइओवर विवाद के संदर्भ में झारखंड के आदिवासी संगठनों ने बुधवार को पुनः बंद आहूत किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पता है कि सिरमटोली फ्लाईओवर मामले में बीते कई महीनों से आदिवासी संगठन अपनी मांग उठा रहे हैं। लेकिन, राज्य सरकार असंवेदनशील बन गई है। आदिवासी समाज को आंदोलन, प्रदर्शन केलिये बाध्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से आग्रह है कि आदिवासी समाज की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचायें बगैर हस्तक्षेप कर मामले को सुलझायें। ताकि जारी गतिरोध को समाप्त किया जा सके।

असरदार रहा बंद : बबलू मुंडा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड बंद के दौरान केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा एवं जगलाल पहान की अगुवाई में केन्द्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति के सैकड़ों कार्यकर्ता झारखंड बंद कराने सड़कों पर उतरे। केन्द्रीय सरना समिति के प्रधान कार्यालय लाइन टैंक रोड पीडब्ल्यूडी क्वार्टर होते हुए लाइन टैंक रोड चडरी एचबी रोड होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंच कर दुकानदारों से शांतिपूर्वक बंद करने की अपील की। इसके साथ ही साथ अल्बर्ट का चौक पर धरने के तौर पर सड़कों पर बैठ गये। इसी दरम्यान जिला प्रशासन के द्वारा सभी बंद समर्थकों की गिरफ्तारी दी गई।

बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड में अबुआ सरकार नहीं है, झारखंड में बबुआ सरकार है। हेमंत सोरेन सरकार ने साढ़े पांच के कार्यकाल में आदिवासी समाज को गर्त में भेजने का काम किया है।

सरना आदिवासी विरोधी है राज्य सरकार : आजसू पार्टी

- आदिवासी आस्था से खिलवाड़ बंद करे राज्य सरकार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार सरना आदिवासी संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को संरक्षित करने में विफल रही है। झामुमो-कांग्रेस की सरकार सरना आदिवासी विरोधी है, इसलिए बार बार सिरम टोली सरना स्थल के सामने रैंप निर्माण का विरोध होने के बावजूद उनकी मांगों तथा भावनाओं को उपेक्षित किया जा रहा है। राज्य सरकार आदिवासियों की आस्था से खिलवाड़ बंद करे। आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड बंद की सफलता के लिए सरना आदिवासी संगठनों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आजसू आरंभ से ही आदिवासी संगठनों की मांगों का नैतिक समर्थन कर रही है। अगर राज्य सरकार चाहती तो सिरम टोली रैंप विवाद का समाधान कर सरना स्थल का मार्ग बाधित होने से बचाया जा सकता था। लेकिन राज्य सरकार ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के निर्देशों के बावजूद रैंप निर्माण नहीं रोका गया। राज्य सरकार हिटलरशाही पर उतर आई है।

डॉ भगत ने कहा कि यह सरकार लगातार सरना आदिवासियों के धार्मिक स्थलों, जमीन, संस्कृति और अस्तित्व पर प्रहार कर रही है, जिससे स्पष्ट होता है कि इसकी नीयत और नीति दोनों में खोट है। डॉ भगत ने कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों को हक नहीं देना चाहती, जिसका प्रमाण है पेसा कानून लागू नहीं करना। कल ही लापुंग में जमीन रक्षा के लिए आयोजित पड़हा समिति की बैठक में आए आदिवासियों पर पुलिस ने लाठी-गोली चलाई और उल्टा आरोप आदिवासियों पर मढ़ दिया गया।

मौलाना आजाद कॉलेज के लिए हर संभव मेरा सहयोग रहेगा : प्रदीप वर्मा

- आपसी मतभेद भुलाकर कॉलेज के उत्थान के लिए आगे आएं : डीएसडब्ल्यू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा का नागरिक अभिनंदन समारोह मौलाना आजाद कॉलेज में बुधवार को किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने कहा कि मुझे मौलाना आजाद कॉलेज आने में देर हो गई। मुझे पहले आना था। मौलाना आजाद हमेशा शिक्षा पर काम किए हैं। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद कॉलेज के लिए हर संभव मेरा सहयोग रहेगा। वहीं झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल खान ने कहा कि मौलाना आजाद कॉलेज रांची ही नहीं, झारखंड की एक ऐतिहासिक धरोहर है।

वहीं रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहू ने कहा कि मौलाना आजाद कॉलेज लगातार विकास की ओर बढ़ रहा है। कॉलेज प्रबंधन से हमारे गुजारिश हैं कि वह आपसी मतभेद भुलाकर कॉलेज के विकास पर ध्यान दें।

वहीं मौलाना ओबैदुल्लाह कासमी ने मौलाना आजाद की जीवनी और कैसे वे रांची में नजरबंद किए गए पूरी जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ परवेज अख्तर ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्तार अहमद अध्यक्ष शासी निकाय मौलाना आजाद कॉलेज ने किया।

इस मौके पर इम्तियाज अली सचिव मौलाना आजाद कॉलेज, डॉ परवेज अख्तर प्रिंसपल मौलाना आजाद कॉलेज, कॉलेज के बड़ा बाबू परवेज अहमद, इलियास मजीद, डॉक्टर शाहिद, महमूद आलम, एस अली, अशरफ हुसैन, अनवर अली, मो. फारूक, कलीम खान, शीला देवी, राजू खान, इमरान हसन बाबू, मोहम्मद नदीम, लतीफ, अरशद, मो. आलम, मो. हैदर, नदीम इकबाल, परवेज आलम, मो. सगीर, मो. रियाज, मोहम्मद गुड्डू, अफरोज खान समेत कॉलेज के सभी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

खबर एक नजर में

संजय सेठ से मिला गुरू नानक सेवक जत्था

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली में गुरु नानक सेवक जत्था के 170 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण इस तीर्थयात्रा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में श्री हेमकुंट साहिब यात्रा कर रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, रातू रोड का प्रतिनिधित्व करता है। हर साल आयोजित होने वाली यह यात्रा उत्तराखंड में श्री हेमकुंट साहिब के पवित्र तीर्थस्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने में सिख समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रमाण है। इसमें उमेश मुंजाल, रमेश टेहरी, भरत गाबा, वीरू सिंह, समीर सिंह, गगन गिरधर, निखिल गिरधर, कौशिक अरोड़ा शामिल थे।

लचर विद्युत व्यवस्था को लेकर अबुआ अधिकार मंच ने एसडीओ को सौंपा मांग पत्र

रांची। डूंगरी ग्राम के अमरूद बागान तुपुदाना इलाके में लचर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था से परेशान ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर अबुआ अधिकार मंच का एक प्रतिनिधिमंडल मंच के सदस्य विपिन कुमार यादव के नेतृत्व में बुधवार को विद्युत विभाग के एसडीओ पंकज कुमार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ को इस गंभीर समस्या से अवगत कराते हुए एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपते हुए उन्हानेंने बताया कि डूंगरी ग्राम के अमरूद बागान क्षेत्र की लगभग 300 की आबादी पिछले चार वर्षों से बिजली की उपेक्षा झेल रही है। क्षेत्र में एक भी बिजली का खंभा नहीं है, जिससे ग्रामीण बांस-बल्लियों के सहारे अस्थायी रूप से बिजली की तारों को खींच कर बिजली उपयोग कर रहे हैं। इस तरह की व्यवस्था न केवल असुरक्षित है बल्कि जान-माल के लिए खतरे का कारण भी बन चुकी है, विशेषकर बारिश के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। प्रतिनिधि मंडल में विपिन कुमार यादव, गौरव कुमार, अपर्ण, विक्रम, के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद ।

जेटीयू में नशा मुक्ति अभियान को लेकर दी गयी ट्रेनिंग

रांची। झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डेटीयू) कैंपस में भारत/झारखंड सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए छात्र-छात्राओं के बीच जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नोडल पदाधिकारी/मास्टर ट्रेनर डॉ राम सिंह, सहायक प्राध्यापक, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा अपने विश्वविद्यालय परिसर में नशा मुक्ति अभियान से संबंधित गठित कोषांग के सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग दी गयी। प्रशिक्षण उपरांत सभी ने मादक पदार्थों से होने वाले दुस्प्रभाव को जाना और अपने क्षेत्र में हो रही प्रभाव से बचाने का फैसला लिया। इस मौके पर डॉ प्रवीर कुमार, डॉ रमेश मुर्मू, अभिषेक कुमार, संधिता कुमारी, बासुमती मुंडा, कुंदन कुमार एवं अन्य छात्र-छात्राओं उपस्थित थे।

स्पाईन की सर्जरी के लिए अब झारखंड से बाहर जाने की जरूरत नहीं

- पंडरा के वीणा हॉस्पिटल में अब स्पाईन और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के मरीजों को अब स्पाईन की सर्जरी के लिए दिल्ली-बॉम्बे या कोयंबटूर जाने की जरूरत नहीं है। उन्हें अब रातू स्थित पंडरा में उनके ही शहर में पीजीआई चंडीगढ़ में स्पाईन सर्जरी के क्षेत्र में अपने तजुर्बे का लोहा मनवा चुके ऑर्थोपेडिक स्पाईन सर्जन डॉ अमित कुमार की सेवा मिलेगी। जी हां, पंडरा स्थित वीणा हॉस्पिटल में अब ऑर्थोपेडिक और स्पाइन सर्जन डॉ अमित कुमार एवं डॉ सीमा सिंह के अलावा दो और डॉक्टर भी सेवा दे रहे हैं। यहां, अब, कंसलटेंट फिजिशियन के रूप में डॉ रितु राशि और लेप्रोस्कोपिक सर्जन के रूप में डॉ अजीत कुमार अपनी सेवा दे रहे हैं।

वीणा हॉस्पिटल के संचालक डॉ अमित कुमार ने बताया कि वीणा हॉस्पिटल में हर स्वास्थ्य समस्याओं का हल है। यहां स्पाईन की सर्जरी से लेकर लेप्रोस्कोपिक सर्जरी तक की व्यवस्था है। वहीं इस स्त्री विशेषज्ञ के रूप में टीएमएच में अपनी सेवा दे चुकीं डॉ सीमा सिंह अब मरीजों को अपनी सेवा दे रही हैं। वहीं, फिजिशियन के रूप में डॉ रितु राशि अपनी सेवा दे रही हैं।

बताते चलें कि वीणा हॉस्पिटल में डॉ अमित कुमार से ईलाज कराने मरीज न सिर्फ रांची एवं आसपास से आते हैं, बल्कि गुमला, लोहरदगा, पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा के अलावा बिहार के औरंगाबाद और गया जी समेत झारखंड-बिहार के अन्य शहरों से भी आते हैं।

संत जेवियर्स कॉलेज एनएसएस इकाई ने पौधरोपण अभियान चलाया

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज रांची के एनएसएस इकाई द्वारा पर्यावरण दिवस के पूर्व संध्या पर बुधवार को पौधारोपण अभियान चलाया गया । एनएसएस समन्वयक डॉ अनिर्बान गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने शहर के विभिन्न इलाकों में हरियाली को बचाने का संकल्प लेते हुए पौधारोपण किया। एनएसएस समन्वयक ने कार्यक्रम शुरूआत होने के पहले बताया कि प्रकृति हमें उपहार और आशीर्वाद दोनों देती है। इसलिए हमें निष्ठापूर्वक होकर पर्यावरण को बचाने के लिए संकल्पबद्ध होना चाहिए। स्वयंसेवकों ने भी रांची के इलाकों में फलदार और छायादार पेड़ों के लिए पौधे लगाए। मौके पर डॉ जूलियस आईंद, आकाश गिरी, रिमशाह हसीब, सिदरा नदीम, आकाश महतो सहित अन्य स्वयंसेवक ने पौधारोपण अभियान में भाग लिया।

रातू पुलिस ने बालू लदे तीन हाइवा को किया जब्त

रातू। पुलिस ने 3 जून की देर रात काठीटांड़ चौक से अवैध बालू लेकर आ रहे तीन हाईवा को जब्त कर लिया। लेकिन, चालक गाड़ी छोड़ फरार हो गये। जानकारी के मुताबिक, गश्ती दल को गुप्त सूचना मिली कि बुढ़मू के छापर नदी से अवैध बालू लदे और तिरपाल ढंके कई हाईवा चौक की ओर से आ रही है। तीनों हाईवा जेएच 02 बीडी 3120, जेएच 07 एम 7784 एवं जेएच 01 ईएफ 2072 को रोक वैध कागजात दिखाने को कहा गया। इस बीच अंधेरे का लाभ उठाकर तीनों रफू-चक्कर हो गये। थानेदार रामनारायण सिंह ने बताया कि इनमें से एक हाईवा को रांची के रॉकी साहू नामक व्यक्ति भाड़े में लेकर चलाता है, जो बालू की कालाबाजारी में संलिप्त है। उन्होंने जानकारी दी कि मामले को सीओ रवि कुमार की ओर से थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

रातू : केईसी कंपनी के कर्मचारी ने की आत्महत्या

रातू। थाना क्षेत्र के झखराटांड स्थित पंचदीप कुमार के मकान में बतौर किरायेदार 45 वर्षीय उपेंद्र कुमार राय ने बुधवार को दिन के करीब 11 बजे छत के ऊपर लगे लोहे में रस्सी को फांसी का फंदा बना उस पर झूल आत्म हत्या कर ली। मृतक केईसी टावर कंपनी के कर्मचारी और गिरिडीह जमुआ लताकी निवासी बजरंग प्रसाद राय के पुत्र थे। उपेंद्र 15 फरवरी से यहां रह रहे थे। पंचदीप ने बताया उनकी पत्नी बिहार में शिक्षिका है। किसी बात को लेकर फोन पर हमेशा उनसे नोंक-झोंक होता था। मृतक के भाई प्रवेश कुमार राय के बयान पर रातू थाने में यूडी केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि उपेंद्र राय डिप्रेशन में रहते थे। सुबह भी पत्नी से बकझक हुयी थी। इसके बाद उन्होंने छत में चढ़ लोहे में रस्सी बांध फांसी लगा ली। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतार पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया है। थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

न्यू ऑक्सफोर्ड स्कूल, बुढ़ीबागी में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

ठाकुरगांव। न्यू ऑक्सफोर्ड स्कूल बुढ़ीबागी में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन, शिक्षकों के लिए व्यवसायिक विकास, विषय विशिष्ट, शिक्षक संवाद कौशल, अभिभावकों के साथ संबंध, पर्यावरण शिक्षण, शिक्षण के नवाचार, भाषा विकास, गणित का आनंद, बच्चों के नैतिक मूल्यों और अखंडता, पर आयोजित किया गया मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राशिद इकबाल ने कहां की शिक्षकों की मेहनत और समर्पण के लिए हम प्रशंसा व्यक्त करते हैं और आपको याद दिलाते हैं कि आपकी भूमिका विद्यालय के लिए महत्वपूर्ण है। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को नए शिक्षण विधियां और तकनीक के बारे में जानकारी प्रदान करना होता है। मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद थे।

बेड़ो के ग्रामीणों ने बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द्र के साथ मनाने का लिया निर्णय

- नरकोपी थाना में शांति समिति की हुई बैठक आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बकरीद पर्व को लेकर बुधवार को नरकोपी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक एएसआई विश्वजीत पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

मौके पर एएसआई विश्वजीत पाठक ने शांति व्यवस्था बहाल करने में जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं से सहयोग की अपील की। उन्होंने बकरीद के पर्व को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।

वहीं थाना प्रभारी नागेश्वर साव ने कहा कि बकरीद पर्व के दौरान शांति व्यवस्था हर हाल में बनाये रखना पुलिस की प्राथमिकता है। वहीं पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों पर खास नजर रखी जा रही है।

उन्होंने कहा वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से चाक चौबंद व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले को चिन्हित कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्र में विशेष सशस्त्र बल तैनात रहेंगे।

मौके पर एएसआई राम नगीना, राजेंद्र सिंह, मंगरा उरांव, मनेश्वर उरांव, रेमनी उरांव, हबीब अंसारी, जमरुद्दीन अंसारी, रियाजुद्दीन, नेजाम अंसारी, तबारक अंसारी, महबूब अंसारी, सज्जाद अंसरी, शमीम अंसरी, अलीम अंसारी समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

ओरमांझी में बाइक दुर्घटना में दो घायल

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के ओरमांझी में एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड के एंगल से टकरा कर दुर्घटना ग्रस्त हो गई। जिससे बाइक में सवार युवक युवती घायल हो गए। बुधवार को दोपहर 12 बजे हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि सफेद रंग की नई बजाज पल्सर बाइक जेएच012एन-5507 में सवार हो रामगढ़ के 26 वर्षीय युवक अंचेष राज बहेरा व रांची की 20 वर्षीय युवती अंजलि कुमारी रांची से रामगढ़ की ओर जा रहे थे। जैसे ही बाइक शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी के पास पहुंची। बाइक का संतुलन बिगड़ गया और फोरलेन सड़क के किनारे लगी साइन बोर्ड से जा टकराई और दोनों सड़क के एक लाइन से दूसरी लाइन पर फेका गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को उपचार के लिए सीएचसी ओरमांझी ले जाया गया। दोनों को काफी चोट आई थी। दोनों हेलमेट पहने हुए थे। जिसके कारण दोनों की जान बच गई। वहीं सड़क पर मेंटेनेंस का कार्य कर रहे एनएचआई के कर्मियों ने बताया कि बाइक युवती चला रही थी। वहीं युवक ने बताया कि वह खुद बाइक चला रहा था। हेलमेट नीचे आंख पर आ जाने से दिखाई नहीं दिया।

झारखंड बंद पूरी तरह सफल रहा : लक्ष्मीनारायण मुंडा

रांची। विभिन्न आदिवासी संगठनों के आवाहन पर बुधवार को आहूत झारखंड बंद पूरी तरह सफल रहा है। ये बाते प्रेस वयान जारी कर आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा। उन्होंने कहा कि इस बंदी ने साबित कर दिया है कि आदिवासी समुदाय हेमंत सोरेन सरकार के आदिवासी विरोधी नीतियों के खिलाफ हैं तथा सरकार की तानाशाही मनमानी निरंकुशता का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। आगे उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली स्थित रैंप, पारसनाथ पहाड़, लूगू बुरु, दिउड़ी दिरी, सुतियांबे मुड़हर पहाड़, नगड़ी में जबरन जमीन अधिग्रहण,पेसा कानून इत्यादि को देखा जाए तो स्पष्ट होगा कि यह सरकार घोर आदिवासी विरोधी है।

रैयत विस्थापित मोर्चा का खलारी अंचल कार्यालय के समक्ष धरना 10 को

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया द्वारा दस जून को खलारी अंचल कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना दिया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए मोर्चा के एरिया प्रवक्ता सह खलारी प्रखंड अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग विभाग के विधायक प्रतिनिधि रामलखन गंझु ने बताया कि खलारी प्रखंड क्षेत्र में जमीन संबंधित समस्याओं को देखते हुए अंचल कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना का आयोजन किया गया है। इसको लेकर खलारी प्रखंड के सभी गांव में बैठक कर धरना में भारी संख्या में आने की अपील की जा रही है। धरना के माध्यम से अंचल में ग्रामीणो की समस्याओं को लेकर प्रमुखता से आवाज उठाया जाएगा।

चन्द्रशेखर प्रसाद की इलाज के दौरान मौत, कायस्थ महासभा ने हमला की कड़े शब्दों में की भर्त्सना

रांची। मंगलवार को रात्रि 10 बजे के करीब रवि स्टील रातू थाना के अंतर्गत चन्द्रशेखर प्रसाद शिक्षक के बेटे की कुछ लड़कों से मामूली झड़प हुई और विवाद बढ़ गया। यह देख चन्द्रशेखर प्रसाद अपने बेटे को बचाने के लिए आए पर प्रतिवाद में उन पर ही ईंट से प्रहार किया गया। जिससे उनकी हालत बिगड़ी और उन्हें इलाज के लिए मेडिका अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव डॉ. ए.के. लाल ने कहा कि महासभा इस घटना की कड़े शब्दों में भर्तसना करता है और शोकाकुल परिवार को हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर रातू थाना प्रभारी से बात की गई और जल्द से जल्द सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार करने की अपील की गई।

प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा चक्रवर्ती के निधन पर चिकित्सा जगत में शोक की लहर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शोभा चक्रवर्ती का निधन हो गया है। उनके निधन से चिकित्सा जगत में शोक की लहर है। डॉ शोभा चक्रवर्ती ने 85 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। झारखंड की जानी-मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थीं। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। हाल ही में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी उनसे मिलने पहुंचे थे।

पूरा जीवन चिकित्सा सेवा को किया समर्पित

डॉ शोभा चक्रवर्ती ने अपना पूरा जीवन महिलाओं की स्वास्थ्य सेवा को समर्पित कर दिया था। रांची में वे एक विश्वसनीय नाम थीं। करीब सात साल पहले उन्हें हार्ट अटैक आया था। इसके बाद उन्हें मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार के बाद वे फिर से अपने चेंबर में नियमित रूप से मरीजों को देखने लगी थीं। बातचीत के क्रम में वह अक्सर कहा करती थीं कि मरीजों से मिले बिना उनका मन नहीं लगता। बताते चलें कि डॉ शोभा चक्रवर्ती झारखंड की नंबर वन स्त्री रोग विशेषज्ञ थीं। वह रिम्स के गाइनोलॉजिस्ट विभाग की एचओडी भी रही थीं। उनके निधन पर वीणा हॉस्पिटल के संचालक और ऑर्थोपेडिक सपाईन सर्जन डॉ अमित कुमार, गायंकोलॉजिस्ट सीमा सिंह, डॉ कुसुम प्रसाद, डॉ विमलेश कुमार सिंह, डॉ अनंत सिन्हा और डॉ श्याम सिडाना समेत अन्य अन्य चिकित्सकों ने शोक जताया है।

शोभा चक्रवर्ती के निधन पर सीएम और राज्यपाल ने जताया शोक

रांची। राजधानी की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ शोभा चक्रवर्ती के निधन पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और सीएम हेमंत सोरेन शोक जताया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का दुखद समाचार मिला। डॉ शोभा जी ने अपना पूरा जीवन महिला स्वास्थ्य की सेवा में समर्पित किया था। उनका चले जाना चिकित्सा जगत के लिए अपूर्ण क्षति है। वहीं, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। चिकित्सा जगत में उनके अमूल्य योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। उनका जाना समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहन संवेदनाएं। ॐ शांति!

मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने जताया शोक

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने डॉ शोभा चक्रवर्ती के निधन का समाचार पर अत्यंत दुख प्रगट किया है।

रांची की वरिष्ठ और प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञ के रूप में उन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की और अनगिनत जीवन को छुआ। उनका समर्पण, संवेदनशीलता और चिकित्सकीय उत्कृष्टता सदैव स्मरणीय रहेगी।

जंगली हाथियों ने स्कूल का दरवाजा तोड़कर मध्याह्न भोजन का चावल खाया

सिकिदिरी। सिकिदिरी थाना क्षेत्र के कुच्चू पंचायत के सिंदरीतोपा में मंगलवार की रात दो जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। मंगलवार की रात करीब नौ बजे दो जंगली हाथियो ने विधालय के मेन गेट को तोड़ कर अंदर प्रवेश किया। किचेन शेड के दरवाजा को तोड़कर अंदर में रखे बच्चों के मिड डे मिल का एक बोरा चावल खाकर बर्बाद कर दिया। घटना की सूचना पाकर जेएलकेएम केन्द्रीय सचिव बालेश्वर बेदिया एवं वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष बुधराम बेदिया ने घटनास्थल पर जाकर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने वन विभाग से उचित मुवाअजा देने की मांग की। सूचना मिलने पर वनरक्षी कृष्ण कुमार महतो भी घटनास्थल पहुंचकर ग्रामीणों के बीच पटाखा का वितरण किया। मौके पर बुधराम बेदिया, अशकर बेदिया, बुद्धेश्वर बेदिया, नागेश्वर बेदिया, सुरज बेदिया, करमू बेदिया, पाडू बेदिया आदि उपस्थित थे।

रांची बंद को लेकर सड़कों पर उतरे समर्थक, आगजनी कर लगाया जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। रांची सिरमटोली फ्लाई ओवर रैंप विवाद को लेकर बुधवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा बुधवार को बुलाया गया रांची बंद का असर प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में दिखा। जहां बंद समर्थकों ने महावीर चौक बेड़ो व बेड़ो से गुजरने वाली रांची गुमला मुख्य मार्ग को केशा मोड़ के समीप जाम कर दिया गया है वहीं रांची गुमला फोर लाइन को जरिया फ्लाई ओवर में सड़क पर टायर जलाकर जाम कर दिया गया है। वहीं बंद समर्थकों ने आने-जाने वाले वाहनों को रोक दिया और जमकर नारेबाजी किया। वहीं बेड़ो थाना पुलिस को घटना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर तैनात कर दिया गया। गुमला लोहरदगा रोड सहित मुख्य चौक चौराहों की दुकानें बंद रही। वहीं जो दुकानें खुली हुई थी उसे बंद समर्थकों ने बंद कराया। इधर डीएसपी अशोक कुमार राम व थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान के नेतृत्व में बेड़ो थाना पुलिस के द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया। बेड़ो से गुजरने वाली वाहनों का परिचालन बंद रहा। प्रशासन की सख्ती के बावजूद भी बंद समर्थकों ने आगजनी कर कई जगहों पर टायर जलाकर थाना क्षेत्र में सड़क को जाम किया।

जलाकर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करते।

आगे भी प्रदर्शन करते रहेंगे : बंद समर्थक

बंद समर्थकों ने कहा कि आदिवासियों की धार्मिक अस्मिता पर सरकार चोट कर रही है। आदिवासी लगातार सरकार से सिरमटोली सरना स्थल के मुख्य गेट के सामने से रैंप हटाने, ग्राम सभा को अधिकार देने, आदिवासी क्षेत्रो में शराब की दुकान खोलने की नीति वापस लेने के साथ-साथ आदिवासी समुदाय के सरना स्थल, आदिवासी समुदाय की जल जंगल जमीन की रक्षा सहित कई मांगों के समर्थन में आगे भी प्रदर्शन करते रहेंगे। वहीं सड़कों को जाम कर देने से आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

आदिवासी समाज ने बंद का किया समर्थन

पिस्कानगडी। रांची गुमला राजमार्ग पर नगडी थाना क्षेत्र के नारो बाजार के समीप आदिवासी समाज के लोगों ने बंद का समर्थन करते हुए प्रदेश सरकार के विरोध में नारेबाजी कर सड़क जाम किया। चक्काजाम सुबह नौ बजे बंद समर्थक सड़क पर उतर हेमन्त सोरेन हाय हाय का नारा लगाते हुए सड़क जाम कर दिये। मौके पर आदिवासी समाज के लोगों ने कहा राज्य की राजधानी रांची में स्थित केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली की रैम्प हटाया जाये एवं अन्य मांगों को लेकर संपूर्ण झारखंड बन्द किया गया है।

सड़क जाम में वाहनों की लगी लंबी लाइन

ओरमांझी में जाम से सड़क पर वाहनों की लंबी कतार।

ओरमांझी। आदिवासी संगठनों द्वारा घोषित जाम के समर्थन में प्रखंड क्षेत्र के आदिवासी समाज के लोग सड़क पर उतरे व रांची रामगढ़ सड़क जाम कर दिया। सुबह 10 :30 बजे शास्त्री चैक ओरमांझी पर उतरे, थोड़ी देर की जाम में ही एनएच-20 सड़क पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। बाद में पहुंची ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा जामकर्ताओं को समझा-बुझा कर जाम खोलवाया। जिसके बाद वाहनों की आवगमन सामन्य हो गई।

समर्थकों ने कुंबाटोली में प्रदर्शन कर की नारेबाजी

सड़क जाम करते समर्थक।

यह है प्रमुख मांगें

सिरमटोली सरना स्थल से अविलंब रैंप निर्माण हटाने व धार्मिक स्थल की कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गयी है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आदिवासी समाज की आस्था से खिलवाड़ करने वाले बख्से नहीं जायेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाले दिनों में आंदोलन की गति तेज की जायेगी।

- सामान्य रही यातायात सुविधा
- बंद से मुक्त रहा आवश्यक सेवा

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। आदिवासी आस्था के प्रतीक सिरमटोली सरनास्थल पर प्रशासन की ओर से जबरन रैंप निर्माण कराये जाने को लेकर आहूत झारखंड बंद का मिला-जुला असर रहा। सरकारी और गैर सरकारी कार्यालय, बैंक, चौक-चौराहे की व्यवसायिक प्रतिष्ठान, एसएनएल फैक्ट्री, दुकानें और पेट्रोल पंप खुले रहे। हालांकि, समर्थकों ने जुलूस निकाल बंद कराने की कोशिश की। आवश्यक सेवा को इससे मुक्त रखा गया। सड़कों पर यातायात की सुविधा सामान्य रही। लेकिन, एसीएस की अगुआई में समर्थकों की ओर से प्रदर्शन कर कुंबाटोली स्थित राष्ट्रीय राज मार्ग को अवरुद्ध कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गयी।

प्रदर्शन में थे शामिल

अमन उरांव, पूनम उरांव, नमुन उरांव, अभय उरांव, कृष्णा उरांव, बादल उरांव, राज खलखो, बबली उरांव, आनंद उरांव, निशांत उरांव, सचिन मिंज, विशाल उरांव, रूपा उरांव, अंकित उरांव, प्रकाश मुंडा, सत्यनारायण, विकास उरांव, बीरेंद्र उरांव सुमित उरांव, बाबू उरांव, दिलीप उरांव, रोहित खलखो, अमित तिग्गा, रमेश मुंडा व रोहित खलखो आदि।

सट्टेबाजी में मारपीट के दौरान घायल वृद्ध की मौत

- रिटायर्ड शिक्षक थे सीएस प्रसाद
- विवेकानंद कॉलोनी की घटना

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के झिरी स्थित विवेकानंद कॉलोनी में बीती रात करीब 10 बजे आईपीएल के फाइनल में सट्टेबाजी को लेकर हुयी मारपीट में घायल 60 वर्षीय चंद्रशेखर प्रसाद की मेडिका में इलाज के दौरान मौत हो गयी। वह सेवानिवृत्त शिक्षक थे। तीन माह पूर्व पंडरा मवि से उनकी सेवानिवृति हुयी थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गये। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया है। मामले को लेकर मृतक की पत्नी के बयान पर रातू थाने में दो के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है। थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये छापेमारी की जा रही है।

जानें क्या है मामला

मंगलवार की रात आरसीबी व पंजाब के बीच आईपीएल का फाइनल मैच था। मुहल्ले के युवकों में सट्टेबाजी चल रही थी। जैसे ही पंजाब की हार हुयी, आरसीबी समर्थकों का दूसरे गुट से झड़प हो गयी। बीच-बचाव में आये श्री प्रसाद पर युवकों ने हमला कर दिया। चोट उनके सीने में लगी और वह बेहोश हो गये। परिजन उन्हें मेडिका ले गये, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। वह पहले से ही दिल के मरीज थे।

मुहल्ले में पसरा मातम

मृतक के परिवार में पत्नी और दो पुत्र हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी बार-बार बेहोश हो रही थी। पीड़ित परिवार के क्रूदन से माहौल गमगीन था। मुहल्ले में मातमी सन्नाटा है। पड़ोसी युवकों के हरकत की आलोचना और घटना की चौतरफा निंदा की जा रही है।

पति और सौतन ने मिलकर की पहली पत्नी की हत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

मृतिका अनवरी खातून।

घटनास्थल में मौजूद ग्रामीण एसपी व पुलिस अधिकारी।

पिस्कानगड़ी। नगडी थाना क्षेत्र के बसिला गाँव में बीती रात 26 वर्षीय महिला की उसके पति और उसकी सौतन ने निर्मम तरीके से पिटाई करते हुए तेजधार चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। महिला की हत्या सूचना से पूरे नगडी थाना क्षेत्र में सनसनी फैल गया। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुँचे वरीय ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार, डीएसपी अरविंद कुमार एवं पुलिस कर्मी। स्थानीय बुद्धिजीवी के समझाने के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। महिला के पिता ने अपनी बेटी की हत्या के विरुद्ध पति सहित 5 लोगों के विरुद्ध हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी के अनुसार शादी के एक साल बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते रहते थे। बीती रात मृत्तिका अनवरी खातून के साथ पति महबूब अंसारी और दुसरी पत्नी गजला परवीन के किसी बात को लेकर जमकर बहस हुई इसके बाद पति महबूब अंसारी ने तेजधादार चाकू से गला रेतकर हत्या कर दि। इधर मृत्तिका के पिता जिब्राइल अंसारी ने प्राथमिकी में दामाद महबूब अंसारी दूसरी पत्नी गजाला परवीन, देवर मकसूद अंसारी, देवर सहबूब अंसारी, पिता मुमताज अंसारी पर प्राथमिकी दर्ज कर शीघ्र गिरफ़्तारी कर दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की हैं।

घटनास्थल पर उपस्थित ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि घटना में शामिल सभी लोगों की 24 घंटे के अंदर ढूंढ कर सलाखों के पीछे भेजेगी।

थाना दिवस के मौके पर भूमि विवादों का होगा समाधान : राजू

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। थाना परिसर अनगड़ा में बुधवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें भूमि विवादों से संबंधित मामलों का समाधान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल अधिकारी राजू कमल ने की। उन्होंने कहा कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य है कि ग्रामीण स्तर पर उत्पन्न भूमि विवादों का त्वरित, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण समाधान हो, ताकि आम जनता को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटना पड़ें। अंचल अधिकारी राजू कमल ने जानकारी दी कि अब प्रत्येक माह के पहले बुधवार को थाना दिवस का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा। इस अवसर पर भूमि विवाद से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई की जाएगी और दोनों पक्षों को बुलाकर समाधान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। थाना दिवस के मौके पर अनगड़ा प्रखंड क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा और समाधान की दिशा में सहयोग देने की बात कही।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे न्यायिक प्रक्रिया आमजन तक सुलभ होगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आग्रह किया कि थाना दिवस की पूर्व सूचना दी जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

पत्नी से कहासुनी के बाद पति ने की आत्महत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के कोनका ग्राम में एक युवक ने फांसी लगाकर इहलीला समाप्त कर लिया। घटना दिन के लगभग 10 बजे का बताया जाता है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि मृतक विनेश गंझू लगभग (32 वर्ष) पिता स्व बलदेव गंझू को सुबह लगभग 9 बजे गांव में ही घूमते देखा गया। उसके बाद घर में वापस आकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। लगभग 11:30 बजे तक घर का दरवजा एक भी बार नही खोलें जाने के बाद मृतक के बड़े भाभी ने अपने घरवालों से कहा कि घर का दरवाजा बहुत देर से बंद है। तो घर के सदस्यों ने जब घर के वेंटिलेटर खिड़की से देखा गया तो पाया कि मृतक स्टॉल गमछा से एंगल के सहारे फाँसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। वही मृतक के परिजनों ने बताया कि कुछ दिनों से पत्नी से बकझक सुना गया था। उसके बाद मंगलवार रात्रि को पत्नी किरण देवी लगभग (28 वर्ष) अपने बच्चों के साथ लेकर भाग गयी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटना स्थल पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल करते हुए पोस्टमार्टम के लिए राँची रिम्स भेज दिया गया।

मां वैष्णो देवी मंदिर में स्थापना दिवस पर श्रद्धा का सैलाब, कलाकारों ने बांधा समा

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। माता वैष्णो देवी मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा ने पूरे गांव को भक्तिमय बना दिया। सुबह मंदिर प्रांगण से आरंभ हुई कलश यात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश रखे, भजन कीर्तन और ढोल-नगाड़ों के साथ बड़े तालाब तक की पदयात्रा की। तालाब पर वैदिक मंत्रों के बीच जल भराई हुई, फिर वहीं से यात्रा पूरे गांव के गलियों और चौक-चौराहों से होकर मंदिर लौटी। रास्ते भर 'जय माता दी' के नारे गूंजते रहे। शाम होते ही मंदिर में महाआरती का आयोजन हुआ। रात्रि में आयोजित जगराते में एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिनमें उपस्थित श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में तीन घायल, दो रिम्स रेफर

खबर मन्त्र संवाददाता

निशांत खलखो।

राखी उरांव।

कार्तिक उरांव।

बेड़ो। इटकी व बेड़ो थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम लगभग साढ़े पांच बजे हुई दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक व दो स्कूटी सवार युवक घायल हो गए। पहली घटना बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो मांडर पथ पर केशा सेमरा मोड़ के समीप हुई। जिसमें भंडरा भौंरो मलंग टोली गांव निवासी 22 वर्षीय राखी उरांव पिता चोटवा उरांव बाइक से असंतुलित होकर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना रांची गुमला मुख्य मार्ग पर इटकी पलमा गांव के समीप हुई। जिसमें अज्ञात वाहन की चपेट में आने से रांची सपरोम गांव निवासी 25 वर्षीय निशांत खलखो पिता मार्शल खलखो और लोहरदगा इचाक झांवा टोली गांव निवासी 24 वर्षीय कार्तिक उरांव पिता बलेश्वर उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इटकी पुलिस के एएसआई सुनील कुमार मुर्मू ने पुलिसकर्मियों व स्वजनों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डा सनल सोनू बरवार ने तीनों घायलों का प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल राखी उरांव व निशांत खलखो को बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। वहीं घायल के स्वजनों ने बताया कि राखी नारी से अपने घर भंडरा जा रहा था। वहीं निशांत अपने घर से लोहरदगा जा रहा था। इधर घटना की जानकारी मिलने पर बेड़ो थाना के एएसआई अक्षय कुमार सिंह बेड़ो सीएचसी पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

धनबाद डिवीजन के नए डीआरएम ने किया खलारी रेलवे स्टेशन दौरा

रनिंग रूम प्रबंधन प्रणाली का किया उद्घाटन, विशेष कार्यों का निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। धनबाद डिवीजन रेल मंडल के नए मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने बुधवार को खलारी रेलवे स्टेशन का दौरा किया। यह उनका पदभार ग्रहण के बाद खलारी का पहला दौरा था, जिसमें उन्होंने खलारी रनिंग रूम में लगाए गए रनिंग रूम प्रबंधन प्रणाली का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन के दौरान डीआरएम अखिलेश मिश्र के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें अपर मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार, वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक अंजय तिवारी, वरीय मंडल विद्युत अभियंता रजत कुमार सिंह, वरीय मंडल विद्युत सामान्य संजीव कुमार, वरीय संकेत एवं दूरसंचार अभियंता रजनीश पांडेय, आरपीएफ कमांडेंट तथा अन्य पदाधिकारी शामिल थे। इस संबंध में डीआरएम अखिलेश मिश्र ने कहा दौरे का मुख्य उद्देश्य डिवीजन के विभिन्न कार्यों से परिचित होना और विशेष कार्यों के निरीक्षण को बताया। इस दौरान उन्होंने खलारी रनिंग रूम इंचार्ज सुबोध कुमार से भी मुलाकात की। सुबोध कुमार ने बताया कि रनिंग रूम को अपग्रेड करते हुए इसमें नया रनिंग रूम मैनेजमेंट सिस्टम लगाया गया है, जिसका उद्घाटन पंडित बृजराज दुबे द्वारा विधिवत पूजन के साथ किया गया। यह प्रणाली रनिंग रूम की सभी गतिविधियों को ऑनलाइन ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे इसे कहीं से भी मॉनिटर किया जा सकता है। इस दौरे के दौरान प्रभारी स्टेशन अधीक्षक जॉन सोरेंग ने बताया कि डीआरएम का पिछला निरीक्षण धनबाद से टोरी तक निर्धारित था, जिसके बाद खलारी, राय, बरकाकाना होते हुए यह निरीक्षण धनबाद में समाप्त हुआ। नए डीआरएम के इस दौरे से खलारी रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में रेलवे सेवाओं के बेहतर प्रबंधन की उम्मीद जताई जा रही है।

जिला प्रशासन, लोहरदगा

होमी जहांगीर भाभा कोचिंग सेंटर, लोहरदगा
(अभियांत्रिकी/मेडिकल प्रवेश परीक्षा तैयारी हेतु)

के तत्वाधान् में आगामी 10 जून (मंगलवार) एवं 11 जून (बुधवार) को 11 बजे से वर्ग 10वीं, 11वीं, 12वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं हेतु एक कैरियर कांउसिलिंग सत्र का आयोजन टॉउन हॉल, लोहरदगा में आयोजित किया गया है, जिसमें परंपरागत् कैरियर विकल्प के साथ-साथ आधुनिक कैरियर विकल्पों से संबंधित जानकारियों को साझा किया जाएगा।

उक्त कैरियर काउंसिलिंग में आप सादर आमंत्रित है।

उपायुक्त, लोहरदगा

PR 354221 (Lohardaga)25-26*D

कार्यपालक पदाधिकारी का कार्यालय
नगर पंचायत कोडरमा

अति अल्पकालिन ई - निविदा आमंत्रण सूचना संख्या - 07/2025-26 दिनांक 03.06.2025

क्रम सं0	वार्ड सं0	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
सड़क परिवहन मद						
1	12	Construction of PCC Road From Vijay Pasi Chapakal to Water Tank, Ward No-12	170890 0.00	34200.00	5000.00	3 Months
नागरिक सुविधा मद						
2	12	Construction of Rcc Drain From Vijay Pasi Chapaka to Hose of Sonu Sinha Culver. Ward No-12	214405 0.00	42900.00	5000.00	3 Months

A	Date of Publication of Tender on website	05-06-2025 (10:00 AM)
B	Last Date / Time for receipt bid on online	12-06-2025 (05:00 PM)
C	Date of opening Tender	13-06-2025 (11:00 AM)
D	Name & Address of office inviting tender	Executive Officer Nagar Panchayat Koderma
E	Helpline No.	+91-9229932626

Note :-
- Only E-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website- http://jharkhandtenders.gov.in
- E-procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, रांची का आदेश ज्ञापांक - 120 दिनांक - 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रांची का पत्रांक 05/विविध (e-tender)-12/2023/न0वि0-4847 (अनु0) दिनांक - 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

ह0/-
प्रशासक
नगर पंचायत कोडरमा

PR 354215 (Urban Development) 25-26 (D)

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(मत्स्य प्रभाग)
कार्यालय : मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, शालीमार, राँची

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची का ज्ञापांक 268 दिनांक 11.02.2025 के आलोक में "मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण" योजनान्तर्गत नये रंगीन मछली इकाईयों (महिला लाभुकों) को प्रति इकाई हेतु पूर्व से निर्धारित कुल मो0 20,000/- (बीस हजार) रू0 प्रति इकाई एवं पूर्व संचालित रंगीन मछली इकाईयों (महिला लाभुकों) को पूर्व से निर्धारित कुल मो0 10,000/- (दस हजार) रू0 प्रति इकाई की दर निर्धारित है एवं "मत्स्य विपणन योजना" अन्तर्गत सुयोग्य लाभुकों को एक्वेरियम शॉप/दुकान सज्जा हेतु पूरक सामग्री दिया जाना है। लाभुकों को दिये जाने वाले पूरक सामग्रियो के क्रय हेतू इच्छुक आपूर्तिकर्ताओ से निम्नलिखित रूप से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

Group "A"

Sl. No.	Item	Description	Sl. No.	Item	Description
1	Mild Steel Rack Three Chamber (24 Gauge)	Good Quality	4	Aquarium Glass	(I) (36"x15") inch - 03 Pcs. (II) (15"x15") inch - 02 Pcs. (Thickness 6mm with Polish)
2	Fiber Tank	Circular (3x1.5) Feet Base Thickness 3mm Wall Thickness 2mm	5	Aquarium Glass	(I) (24"x12") inch - 03 Pcs. (II) (12"x12") inch - 02 pcs (Thickness 5mm with Polish)
3	Quarantine Aquarium	380 A (Electrical)	6	Aquarium Glass	(I) (18"x12") inch - 03 Pcs. (II) (12"x12") inch - 02 Pcs. (Thickness 4mm with Polish)

Group "B"

SL. No.	Item	Description	SL No.	Item	Description
1	Plankton Net	Mesh size 50µ - 100µ, , Length 24", Diameter 12"	19	Magnetic Air Blower	35 Watt. Air Pressure 65L/Min
2	Hand Net (Big)	10" inch	20	Diamond Glass Cutter	Good Quality
3	Hand Net (Small)	4" inch	21	Silicon Adhesive	280 ml
4	Ornamental Floating Fish Feed	Per Kg	22	Adhesive Gun	Good Quality
5	Power Filter	15 Watt.	23	Plastic Tub	Dia 18" inch
6	Air Pump	Double Nozzle	24	Power Filter	25 Watt.
7	Syphon Pipe	With Key	25	Artificial Plant	12" inch
8	Thermostat	200 Watt.	26	Aquatic Plant	01 Variant
9	Methylene Blue	120 ml	27	Color Stone	Good Quality
10	Malachite green	30 ml	28	Poster	12" inch
11	Universal Indicator Solution	pH 4 – 11 (100 ml)	29	Poster	15" inch
12	Air Pipe	50 Mtr./Roll	30	Led Tube Light	2 Feet
13	Connector (+)	100 Pcs./Packet	31	Led Tube Light	3 Feet
14	Connector (-)	100 Pcs./Packet	32	Air Stone	Small
15	Connector (T)	100 Pcs./Packet	33	Air Stone	Medium
16	Controller	100 Pcs./Packet	34	Air Stone	Big
17	Carry Bag	Cotton Good Quality	35	Fish Tank Magnetic Aquarium cleaner	Rectangular
18	Portable battery air pump with battery	Model SB – 960 (with safety design)	36	Digital Temperature Meter	Good Quality

निविदा की शर्तें :-

1. निविदादाताओं को दो अलग-2 मुहरबंद लिफाफों में तकनीकी एवं वित्तीय बीड समर्पित करना आवश्यक है। अग्रधन की राशि तकनीकी बीड के साथ संलग्न किया जाएगा।
2. निविदादाताओं को बिक्री कर/GST अधिनियम के अन्तर्गत निबंधित होना आवश्यक है।
3. विगत दो वर्षों का आयकर रिर्टन/Current 03 माह का GST Return संलग्न करना आवश्यक है।
4. निविदादाता किसी भी केंद्रीय/राज्य सरकार द्वारा Bankrupt एवं Black Listed नहीं होने संबंधी शपथ-पत्र 10/- रू0 का Stamp Paper, Notary द्वारा सत्यापित कराते हुये जमा करना होगा।
5. निविदा के साथ अग्रधन के रूप में मो0 10000.00 (दस हजार) रू0 मात्र का डिमांड ड्राफ्ट सहायक मत्स्य निदेशक, अनुसंधान राँची (ASSISTANT DIRECTOR OF FISHERIES RESEARCH, RANCHI) के नाम से जमा करना होगा।
6. किसी सरकारी उपक्रम/संस्थान में कार्य करने का अनुभव प्रमाण पत्र कम से कम एक वर्ष का दस्तावेज संलग्न करें।
7. पूरक सामग्रियों की आपूर्ति राज्यादेश में प्राप्त भौतिक लक्ष्य के आधार पर संख्या निर्धारित करते हुये आपूर्तिकर्त्ता को आदेश निर्गत की जायेगी। कार्यालय आदेश निर्गत की तिथि से 21 दिनों के अन्दर निश्चित रूप से मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, शालीमार, राँची में पहुँचाकर करनी होगी। परिवहन हेतु कोई भी अतिरिक्त राशि अलग से देय नहीं होगा।
8. निविदा दिनांक 17.06.2025 को 11:30 बजे पूर्वाहन् तक राँची के मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, शालीमार, राँची के कार्यालय में प्राप्त की जाएगी। निविदा दिनांक 17.06.2025 को 11:30 बजे पूर्वाहन् में सहायक मत्स्य निदेशक, अनुसंधान राँची के कार्यालय कक्ष में निविदाओं के निष्पादनार्थ गठित समिति के समक्ष खोला जाएगा। निविदा खोलने के समय निविदादाता या उसके प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।
9. आमंत्रित निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत, अस्वीकृत या रदद् करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

नोट : निविदा जमा का स्थान : मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, शालीमार, राँची।
निविदा खोलने का समय : दिनांक 17.06.2025 को 11:30 बजे पूर्वाहन्

ह0/-
सहायक मत्स्य निदेशक (अनु0)
मत्स्य अनुसंधान केन्द्र, राँची

PR 354276 Fish (25-26)_D

कोरोना संकट

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं। स्वास्थ्यकर्मी कोविड-19 की सबसे अग्रिम पंक्ति में रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, कुल मामलों में से 4.12 प्रतिशत मामले स्वास्थ्यकर्मियों में दर्ज हुए और भारत में 90 से अधिक डॉक्टर अपनी जान गंवा चुके थे। हालांकि रोजाना छह लाख पीपीई किट का उत्पादन शुरू हुआ, फिर भी गुणवत्ता और वितरण संबंधी समस्याएं बनी रहीं। शहरी इलाकों की घनी आबादी और अस्वच्छ परिस्थितियां सामाजिक दूरी का पालन करना मुश्किल बना देती हैं। 2020 का लॉकडाउन प्रवास, बेरोजगारी, और खाद्य संकट का कारण बना। कोरोना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और सर उठा सकता है यह बात प्रमाणित हो रही है। भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित कोविशील्ड प्रमुख रही। हालांकि बूस्टर डोज की कम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की समस्या आज भी बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और पोस्ट-कोविड देखभाल पर जोर दिया। हालिया दिशा-निर्देशों में सतर्कता और संतुलन की रणनीति को प्रमुखता दी गई है। 2021 के बजट में वन हेल्थ कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जो मनुष्य, पशु और पर्यावरण की संयुक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को महत्व देता है। मसलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में जूनोटिक महामारियों की आशंका को समुचित रूप से शामिल नहीं किया गया। कोरोना महामारी ने लैंगिक असमानता को और गहराया। महिलाओं को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा और देखभाल का बोझ भी अधिक पड़ा। स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के न्यूनतम 2.5 फीसद तक बढ़ाना समय की मांग है। वैक्सीन वितरण और वेरिएंट निगरानी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत की तैयारी को सुदृढ़ कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यो को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

पर्यावरण संरक्षण में आपका एकल प्रयास भी प्रकृति के लिए वरदान

सबसे पहले अपने शहर रांची पर लगे शर्मनाक तमगे की बात करते हैं। 2021 में रांची देश के सबसे कम हरियाली वाले राज्यों की राजधानी में सबसे ऊपर थी। यानि पटना, कोलकाता, भुवनेश्वर में रांची से ज्यादा हरियाली थी। आज साल 2025 में मुझे नहीं पता कि ये तस्वीर बदली है या नहीं, पर मेरा मानना है कि इन चार सालो में कोई सुधार नहीं हुआ है। आंकड़ों में भले हम कह लें कि झारखंड में वनों का फैलाव बढा है और आज झारखंड के 33 प्रतिशत भूभाग पर वन हैं, पर जानकारों से पूछिये तो एक निराश करने वाला आंकड़ा सामने आयेगा कि, हरियाली बढ गयी होगी? पर राज्य में सघन वनों का तेजी से विनाश हुआ है। यहां यह समझना जरूरी है कि हरियाली में पार्कों, बगीचे, घर के आगे पीछे लगे फल या सजावटी पेड़ पौधे य भी शामिल हैं, पर पशु पक्षियों, जैव विविधता को संजो कर रखने वाले सघन और प्राकृतिक वनों को हम लीलते जा रहे हैं।

कैंपा कानून पर कितना अमल हुआ?

जिसका पूरा नाम है प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण

आमजन को वनों और उसके सुदृढिकरण के कई नियम कानूनों की जानकारी भी नहीं है। प्रत?येक राज?य को कैंपा फंड के मद में एक बड़ी राशि प्राप?त होती है इस फंड का उपयोग वन भूमि के नुकसान की भरपाई करना, वनों की गुणवत्ता में सुधार करना, जैव विविधता का संवर्धन करना और वन्यजीव आवास में सुधार करना है। इसे अगर हम आसान शब?दों में समझें तो जब वन भूमि को गैर-वनीय कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है, तो उपयोगकर्ता एजेंसियों को भरपाई के लिये उतने वनरोपण की लागत का भुगतान करना पड़ता है. यह राशि कैम्पा फंड में जमा की जाती है और फिर इसका उपयोग प्रतिपूरक वनरोपण और अन्य वन संरक्षण गतिविधियों के लिए किया जाता है। इसपर कितना अमल होता है? इससे आम जन अनभिज्ञ है।

एक महीने पहले रांची के एक प्रमुख समाचार पत्र में ये खबर देखी कि चार सौ करोड़ रुपए वृक्षारोपण पर खर्च करके भी राज्य में वनों और हरियाली में कोई वद्धि नहीं हुई है। आखिर अरबो रुपए खर्च कहां हो रहे हैं? दरअसल पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के नाम पर खर्च होने वाले अरबो रुपए भ्रष?टाचार और लापरवाही की भेंट चढ जाते हैं। आप अपने आस पास देखें हर साल या किसी दिवस पर सैकड़ो पेड़ पौधे समूह में लगाये जाते हैं, पर दो तीन महीने के बाद वहां एक भी पौधा नहीं दिखेगा। सभी देख रेख के अभाव में सूख जाते हैं, मवेशी खा जाते हैं और उसकी फेंसिंग उखाड़ लिये जाते हैं। कई बार तो युकलिप्टस और अकेसिया जैसे विदेशी खतरनाक पौधों को लगाया जाता है जो जमीनी जलस्त्रोंतो को खत्म कर डालते हैं।

- मनोज कुमार शर्मा

> एक प्रमुख समाचार पत्र में ये खबर देखी कि चार सौ करोड़ रुपए वृक्षारोपण पर खर्च करके भी राज्य में वनों और हरियाली में कोई वद्धि नहीं हुई है। आखिर अरबो रुपए खर्च कहां हो रहे हैं? दरअसल पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के नाम पर खर्च होने वाले अरबो रुपए भ्रष?टाचार और लापरवाही की भेंट चढ जाते हैं। आप अपने आस पास देखें हर साल या किसी दिवस पर सैकड़ो पेड़ पौधे समूह में लगाये जाते हैं, पर दो तीन महीने के बाद वहां एक भी पौधा नहीं दिखेगा।

पर्यावरण को बचाना और संरक्षित करना सिर्फ सरकार की जिम्मेवारी नहीं होती है। इसमें आमजन की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से झारखंड में नदियों, पहाड़ों, वनों और तालाबों के अतिक्रमण की दर बहुत ज्यादा है। रांची के आस पास के कई तालाब भूमाफियाओं और अतिक्रमणकारियों के द्वारा लुप्त कर दिये गये, कुछ गलत नीतियों के कारण सूख गये। रांची में दर्जनों कॉलोनियां ऐसी हैं जो किसी नदी या बरसाती नाले को गायब कर बसी हुई हैं।

सड़क निर्माण ने लील लिये सैकड़ो साल पुराने वृक्ष

राज्स में हरियाली को सबसे ज्यादा नुकसान सड़क निर्माण से पहुंचा है। चाहे वह रांची टाटा मार्ग हो या कोई और। विकास के लिये सड़क निर्माण आवश्यक है और इसके लिये हजारो घने और विशाल पेड़ काटे गये हैं। इन विशाल वृक्षों को बचाने के लिये जापान से करोड़ो रुपए की मशीनें आयीं थी जो इन वृक्षों को उखाड़ कर किसी नयी जगह पर शिफ्ट कर देती हैं, पर इस काम में ईमानदारी नहीं बरती गयी। उखाड़े गये विशाल वृक्षों को जानबूझ कर कीमती लकड़ी के लिये सूखा दिया गया।

झारखंड राज्य निर्माण के बाद विकास और निर्माण के नाम पर बेतहाशा पर्यावर्णीय क्षति पहुंचाई गयी है। एक आंकड़े के अनुसार राज्य में पांच दर्जन बड़े पहाड़ गायब हो चुके हैं। छोटी नदियों और नालों के अतिक्रमण और लुप्त होने की तो कोई गिनती ही नहीं है। संवारने के नाम पर किसी ने भी ठोस कदम नहीं उठाया। आज हरमू नदी का उदाहरण हमारे सामने है। करोड़ो फूंक कर भी यह नाला ही रह गया।

प्रायः विश्व पर्यावरण दिवस एक रस्मि आयोजन बन कर रह जाता है। आज सेमिनार, कार्यशाला, आयोजन होते हैं, पर्यावरण बचाने के लिये चिंतन किया जाता है, एक्सपर्ट आंकड़ों को प्रस्तुत करने, डराने और भयावह स्थिति के बारे में बताते हैं, लेकिन पर्यावरण बचाने के लिये ठोस प्रयास न के बराबर दिखता है। आइये हम बिना शोर और दिखावे के एकल प्रयास करें पर्यावरण बचाने का। अगर ऐसा हर कोई करें तो यह सामूहिक प्रयास बन जायेगा और वास्तव में पर्यावरण संरक्षण संभव हो पायेगा।

(लेखक पर्यावरण न्यूज ग्रीन रिवोल्ट के संपादक और पर्यावरण विषय के विशेषज्ञ हैं। रांची विवि पत्रकारिता विभाग से भी जुड़ें हैं।)

लेटर टू एडिटर

तम्बाकू उन्मूलन जरूरी

हाल ही में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया है। दरअसल, दुनियाभर में तम्बाकू सेवन से हर साल लगभग 80 लाख और भारत में 13.35 लाख लोगों की मौत होती है। देश की युवापीढ़ी इस नशे की दलदल में धंसती जा रही है। आज अपराध की जड़ में नशा है। इसलिए तम्बाकू उन्मूलन के लिए खासकर युवाओं को जागरूक करना आवश्यक है। इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराना चाहिए। **- मुकेश कुमार रांची**

चुनावी पर असर

बिहार में वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं और सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुटे हैं। लेकिन राष्ट्रीय जनता दल की पारिवारिक कलह ने उसकी छवि को प्रभावित किया है। लालू प्रसाद यादव ने अपने पुत्र तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार दोनों से निकालने की घोषणा की है।

- रविकांत सिंह, रांची

ट्वीट

झारखण्ड की सुप्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शोभा चक्रवर्ती जी के निधन का दुःखद समाचार मिला। डॉ शोभा जी ने अपना पूरा जीवन महिला स्वास्थ्य की सेवा में समर्पित किया था। उनका चले जाना चिकित्सा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

- हेमंत सोरेन, सीएम

गुरुद्वारा बंगला साहिब, नई दिल्ली में गुरु नानक सेवक जत्था के 170 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह प्रतिनिधिमंडल आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण इस तीर्थयात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्री हेमकुंट साहिब यात्रा कर रहा है।

- संजय सेठ केन्द्रीय रक्षा राज मंत्री

वन में वृक्षों का संरक्षण राखियां बाध कर करने का समय : डॉ कौशल

पर्यावरण दिवस

सत्येन्द्र मिश्र

विश्व पर्यावरण दिवस पांच जून पर पर्यावरणविद ने वन वृक्षों पर राखियां बांधते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण, भीषण गर्मी, जल संकट और जलवायु परिवर्तन नहीं रुका तो तबाह हो जाएगी अगली पीढ़ी

सरकार को जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए वाष्प चिमनी व वाष्प साइलेंसर की करनी होगी व्यवस्था : डॉ कौशल

छतरपुर अनुमंडल के ग्राम पंचायत डाली बाजार के कौशल नगर में मोहनलाल खुर्जा पार्वती देवी पार्क व पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को 52 वां और वन राखी मूवमेंट के 48 वां स्थापना दिवस पर प्रकृति, पर्यावरण और प्राण बचाने के लिए विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने कार्यक्रम की शुरूआत कन्या पूजन एवं पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ की ।

पर्यावरणविद डॉ कौशल ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाते हुए कहा कि भीषण गर्मी, बढ़ती प्रदूषण, जल संकट, और जलवायु परिवर्तन को रोकना है तो देश में जितने भी उद्योग धंधे है उन सभी उद्योगों व गाड़ियों में लगी चिमनी को सरकार को क्रमशः वाष्प चिमनी व वाष्प साइलेंसर बनाने की व्यवस्था करना होगा। क्योंकि जनसंख्या विस्फोट के कारण गाड़ियां की संख्या बेतहाशा बढ़ रहे हैं । केवल पौधा लगाने से प्रदूषण दूर नहीं होगा। प्रदूषण पैदा करने वाले यंत्र को भी सरकार को रोकना होगा। उन्होंने लोगों से अपना धर्म के साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को जीवन में उतारने की बाते कही है। तभी हम जलवायु परिवर्तन रोक पाएंगे नहीं तो गर्मी के दिनों में बाढ़ बरसेगी और बरसात में आसमान के तारे दिखेंगे।

उन्होंने कहा कि जहां जंगलों की बेतहासा कटाई हुई हैं वहां विनाश हुआ है। कोरोना काल इसका गवाह है। दिल्ली और महाराष्ट्र में अर्थ के लिए हो रहे अनर्थ का ही परिणाम है कि वहां बेकाबू गर्मी, जल संकट और प्रदूषण बेतहासा बढ़ा है। जिसका खामियाजा लोग भुगत रहे हैं।

वन राखी मूवमेंट के अगुआ डॉ कौशल किशोर ने वन बचाने वाले सभी पर्यावरण प्रेमी महिलाओं को अंग वस्त्र , मिठाइयां,और फलदार पौधा देकर उन्हें सम्मानित किया ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में पंचायत डाली बाजार के पूर्व उप मुखिया अफजाल अंसारी, सुचित कुमार जायसवाल, जुबेर अंसारी, श्रीनाथ राम, धर्मदेव यादव, बचेष यादव, रामजन्म यादव, अवधेश राम, ने भी अपना विचार व्यक्त किया। मौके पर मुख्तार अंसारी , लक्ष्मण राम, इसराइल अंसारी ,धनेश्वर विश्वकर्मा, चांदनी विश्वकर्मा, रेणु यादव, शांति कुमार,अनीता देवी, पांनवा देवी आदि उपस्थित थी।

(ब्यूरो प्रमुख खबर मन्त्र हिन्दी दैनिक मेदनीनगर)

जन्म दिन पर रक्तदान-महादान की प्रेरणा देती सुभिक्षा

प्रेरणा

मुरलीधर

जन्मदिवस पर रक्तदान

आज का युवा अपने जन्मदिन को मनाने में सिर्फ अपने खुशियों को अहमियत नहीं देते बल्कि दूसरों को भी खुशियां बांटने में अपना पूरा सहयोग करते हैं।

इसकी एक मिशाल सुभिक्षा ने भी की है, अपने 18वें जन्मदिवस पर रामप्यारी हस्पताल में भर्ती एक जरूरतमंद मरीज को रक्तदान करके पेश की।सुभिक्षा ने सिर्फ रक्तदान ही नहीं किया बल्कि सभी युवाओं को एक प्रेरणा भी दी है कि सभी स्वस्थ युवा जो भी 18 वर्ष के हो चुके हैं, उन्हें रक्तदान करना चाहिए। आपका रक्तदान सिर्फ किसी की जीवन रक्षा ही नहीं करता बल्कि एक पूरे परिवार की खुशियों को बरकरार रखता है।

रक्तदान अपने लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है, की भी स्वस्थ मनुष्य प्रत्येक 90 दिनों के बाद यदि चाहें तो रक्तदान कर सकते हैं।

सुभिक्षा के पिता भी अब तक 54 बार रक्तदान कर चुके है और उन्हीं से प्रेरणा पाकर इन्होंने भी अपने 18 वर्ष की सीमा को पार कर रक्तदान जैसा पुनीत कार्य किया।

सुभिक्षा ने 92% मार्क्स के साथ अभी 12 वीं भी साइंस की परीक्षा में प्राप्त किया है ये कपिलदेव कडरू की छात्रा रही हैं, भविष्य में मेडिकल के क्षेत्र में रिसर्च की तैयारी भी कर रही हैं, ये भविष्य में वैज्ञानिक बन रिसर्च के क्षेत्र में जाना चाहती हैं।

इनके पिता भी समय समय पर जरूरतमंदों को रक्तदान करते रहे हैं।इन्होंने रक्तदान के लेकर अपने 20 से अधिक मित्रों की सहायता से एक यूनिर्वसल डोनर के नाम के एक रक्तदाता समूह का भी निर्माण किया है जिसके प्रतीक सदस्य समय समय पर जरूरतमंदों को रक्तदान करती है और लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित भी करती है। इस ग्रुप का हर सदस्य कम से कम 15 से 20 बार रक्तदान कर चुका है। जीवन के लिये रक्त और रक्त के लिये रक्तदान एक महादान है और यह एक प्रेरणा का सराहनीय है।

राजधानी रांची के स्मार्ट सिटी धुर्वा स्थित कचड़ा संरक्षण के लिए प्रयास जारी है इसके लिये लगाया गया बॉक्स। सौजन्य अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

हजारीबाग के अस्तित्व पर संकट

मास्टरप्लान नहीं बना तो विनाश तय!

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। झारखंड का ऐतिहासिक और शांत शहर हजारीबाग आज विकास की अराजक दौड़ में अपनी आत्मा खोता जा रहा है। कभी हरियाली और पहाड़ियों के बीच बसा यह शहर अब बदहाली, ट्रैफिक जाम, संकरी गलियों और जलनिकासी के संकट में कराह रहा है। वजह साफ है, मास्टरप्लान की अनुपस्थिति। शहर का फैलाव बिना किसी नियोजन के हुआ, नतीजा अव्यवस्था और अराजकता। कोर्रा, नूरा, ओकनी, कदमा, हुरहुरू और खजांची मोहल्ला जैसे इलाके अब बदसूरत बन चुके हैं। टेढ़ी-मेढ़ी सड़कें, मकानों की भीड़, हवा-रोशनी का टोटा और गलियों में बजबजाती नालियाँ , यह सब हजारीबाग के वर्तमान की सच्ची तस्वीर है।

बरसात में हाल और बदतर हो जाता है। टूटी-फूटी, जाम पड़ी नालियाँ सड़क का पानी घरों तक पहुँचा देती हैं। मच्छरों की भरमार और बीमारियाँ जैसे डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड आम हो चुकी हैं। नगर निगम की अनदेखी और प्रशासन की उदासीनता ने शहर को बीमार बना दिया है। गलियाँ इतनी तंग हैं कि न फायर ब्रिगेड घुस सकती है, न एंबुलेंस। आपात स्थिति में जान बचाना भी एक चुनौती है। क्या यही है 21वीं सदी का शहरी जीवन? मास्टरप्लान ही इसका समाधान है। यह एक दीर्घकालिक योजना होती है जो शहर के समग्र विकास के लिए जमीन उपयोग, सड़क, सीवरेज, हरियाली, स्वास्थ्य और यातायात जैसे बिंदुओं पर विस्तृत खाका खींचती है।

अवैध निर्माण पर रोक, ट्रैफिक नियंत्रण, जलनिकासी की व्यवस्था और खुले स्थानों की व्यवस्था, सब कुछ मास्टरप्लान के जरिए संभव है। बोकारो, रांची, जमशेदपुर जैसे शहर जहां नियोजन से भविष्य गढ़ रहे हैं, वहीं हजारीबाग नियोजन के अभाव में धंसता जा रहा है।

प्रशासनिक सुस्ती और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी साफ झलकती है। समाधान की राह अब जनता से होकर जाती है। जब तक नागरिक संगठित होकर मास्टरप्लान की माँग नहीं करेंगे, तब तक सरकार आँखें मूँदे रहेगी। यह वक्त है चेतने का।

क्योंकि अगर अभी नहीं चेते, तो हजारीबाग आने वाले वर्षों में एक 'शहर' नहीं, एक 'कब्रगाह' बनकर रह जाएगा। मास्टरप्लान कोई विकल्प नहीं है। हजारीबाग के सांसद, विधायक व नेतागण के साथ अगर हजारीबाग के उपायुक्त ने इस मामले पर ध्यान दिया तो शहर का कायाकल्प हो सकता है।

स्पीड न्यूज

वरिष्ठ नागरिक मंच की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा पंचायत भवन में बुधवार को वरिष्ठ नागरिक मंच की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता अशोक कुमार चौहान एवं संचालन आरपी राणा ने किया। बैठक की शुरूआत राष्ट्रीय गान से की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्या को रखते हुए मंच से समाधान हेतु आग्रह किया। जिस पर मंच ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। अशोक चौहान ने अपना मोबाइल नंबर साझा करते हुए कहा कि कभी भी दिन हो या रात आप संपर्क कर सकते हैं। बैठक में चैतन्या एकेडमी कोचिंग के निदेशक आशीष खत्री एवं संस्था के कॉर्डिनेटर एवं मोटीवेटर रामेश्वर प्रसाद उपस्थित थे। खत्री ने कहा कि अब कोययांचल के रामगढ़ में भी चैतन्या एकेडमी कोचिंग का शाखा खोल दिया गया है। जिसमें आईआईटी एवं जेईई, नीट आदि की तैयारी कराई जायेगी। खत्री ने आश्वासन दिया कि कोई भी गरीब विद्यार्थी पैसे के अभाव में आगे की तैयारी नहीं कर सकता है वैसे विद्यार्थि की अनुशंसा वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष के द्वारा की जाएगी तो वैसे विद्यार्थि को मुफ्त में शिक्षा दी जाएगी। मौके पर अशोक चौहान, आरपी राणा, केपी मुखर्जी, प्रवीर चटर्जी, सुबोधकांत सहाय, सुरेश महतो, बालकिशन राम, प्रो. रामानुज सिंह, विशेश्वर सिंह, कृष्णा सिंह अन्य मौजूद थे।

रामगढ़ डीसी से मिले संतोष यादव

भुरकुंडा (रामगढ़)। राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव ने बुधवार को रामगढ़ जिले के नवनियुक्त उपायुक्त फैज़ हक अहमद मुमताज से मुलाकात की। इस अवसर पर संतोष यादव ने उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया। मुलाकात के दौरान पतरातू प्रखंड से संबंधित विभिन्न जनहित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजद नेता ने क्षेत्र की समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा, जिस पर उपायुक्त मुमताज ने सकारात्मक पहल और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस मुलाकात को जनसेवा और प्रशासनिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सेवानिवृत कर्मी को दी गयी विदाई

भुरकुंडा (रामगढ़)। सीसीएल के ओल्ड वर्कशॉप में बुधवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में ईएंडएम विभाग के लाइन मजदूर परदेशी केवट को सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभिनव कुमार और संचालन अफजल ने किया। समारोह में मुख्य अतिथि ईएंडएम के प्रोजेक्ट इंजीनियर अभिनव कुमार ने सेवानिवृत्त कर्मी परदेशी केवट को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद सहकर्मियों ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र सहित कई उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। मौके पर मुख्य अतिथि अभिनव कुमार ने कहा कि सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा होता है, हर कर्मी को एक न एक दिन इस रास्ते से गुजरना ही पड़ता है। उन्होंने परदेशी केवट के सुखद जीवन और स्वस्थ शरीर की कामना करते हुए विदाई दी। मौके पर माईन अ मैनेजर कमर फहीम, मैनेजर अविनाश चंद्रा, आरके सिंह, मैनेजर अभिषेक, मैनेजर रमेश कुमार, आकिब, अफजल हुसैन, योगेंद्र ठाकुर, प्रेम माहेश्वरी, विवेक शमशुल, धानेश्वर पासवान, अनिल कुमार, जाफर, निसार, मुरला बेदिया, नंददेव नोनिया, शरीफ सहित दर्जनों कर्मी मौजूद थें।

डीसी से मिले जिप अध्यक्ष व सदस्य

रामगढ़। रामगढ़ जिला के नये उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज से जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी के नेतृत्व में सभी जिला परिषद सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात से पहले सभी ने बुके देकर बधाई दी। साथ ही डीसी से विकास कार्य में सहयोग मांगी। वही डीसी ने विकास कार्य में हर संभव मदद करने की आश्वाशन दिया। मौके पर जिप उपाध्यक्ष रीता देवी, पार्षद धनेश्वर उर्फ.डीएम महतो, जलेश्वर महतो, सरस्वती देवी, कुमारी रेखा सोरेन, जलेश्वर महतो, दयामंती देवी, राजाराम प्रजापति, भोला तुरी, सुनीता देवी, तापेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

उपमुखिया ने किया पौधरोपण

टाटीझरिया। टाटीझरिया प्रखंड के बेडम के उपमुखिया मनोज कुमार ने पुत्री तनु कुमारी का पहला जन्मदिन फलदार और छायादार पौधों का वितरण और पौधरोपण कर मनाया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस समय बारिश का मौसम आ गया है। इसमें अधिक से अधिक फलदार व छायादार पौधों का रोपण कर क्षेत्र को हरा-भरा बनाएं। इस दौरान उन्होंने 30 लोगों के बीच आम, लीची, गम्हार, नींबू के पौधों का वितरण किया। बेटी के द्वारा भी पांच पौधे लगाए गए। उपमुखिया मनोज कुमार ने लोगों को संदेश देते हुए कहा कि वृक्षों से हमें छाया के साथ फल भी मिलते हैं और वृक्ष हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

हिंदू धर्म का कर्त्तव्य रक्षा करना

हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में शामिल हुए मनीष जायसवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। सांसद मनीष जयसवाल मंगलवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत रोमी गांव पहुंचे, जहां मां सर्व सिद्धिदात्री देवी मंडप के जीर्णोद्धार अवसर पर आयोजित शिवशक्ति सह हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में भाग लिया। उन्होंने यज्ञ मंडप पर माथा टेक कर संपूर्ण क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। यह धार्मिक अनुष्ठान 3 जून से शुरू हुआ है, जिसमें कथा, प्रवचन, भंडारा और जागरण के कार्यक्रम शामिल हैं, तथा 5 जून को हवन के साथ पूर्णाहुति होगी।

सांसद के आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने फूलमालाओं व चुनरी के साथ उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने सनातन धर्म की महत्ता बताते हुए कहा कि हिन्दू धर्म की रक्षा करना हर हिन्दू का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने रोमी ग्रामवासियों की धर्मनिष्ठा की सराहना की। इस अवसर पर वे ग्राम कठौतिया के भाजपा कार्यकर्ता सुभाष यादव से भी मिले, जो हाल ही में पैरालिसिस का शिकार हुए हैं। सांसद ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और बेहतर इलाज की व्यवस्था का आश्वासन दिया। उन्होंने सुभाष यादव की जीवटता और संगठन के प्रति समर्पण को प्रेरणास्पद बताया। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा, मंडल अध्यक्ष जीवन मेहता, यज्ञ समिति के अजय राणा सहित कई स्थानीय नेता व ग्रामीण मौजूद थे।

सोशल मीडिया के अफवाह फैलाने पर होगी कार्रवाई: पुलिस

बरकट्ठा। बकरीद को लेकर बरकट्ठा थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सीओ श्रवण कुमार झा और संचालन समाजसेवी दर्शन सोनी ने की। बैठक में मुख्य रूप से बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी, थानाप्रभारी गौतम कुमार उरांव मौजूद थे। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार के गाइड लाइन को मानते हुए त्योहार मनाना चाहिए। कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पूर्व मुखिया बसंत साव, मोइन अंसारी, इस्त्रायल अंसारी, केदार साव, मुखिया शंकर रविदास, उपप्रमुख प्रतिनिधि उत्तिम महतो, अर्जुन राणा, जीवन यादव, कासिम अंसारी, इंद्रजीत प्रसाद, रामखेलावन यादव, पंसस यूसुफ अंसारी व अन्य मौजूद थे।

दूध मटिया से मिल रहा जंगल बचाने का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/टाटीझरिया। जहां एक ओर पूरे देश में पर्यावरण दिवस पर महज औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं, वहीं हजारीबाग जिले के टाटीझरिया प्रखंड स्थित दूध मटिया गांव ने असल संरक्षण का उदाहरण पेश किया है। कभी उजड़ चुका यह जंगल आज हराभरा है वो भी सिर्फ ग्रामीणों की जागरूकता और सामूहिक प्रयास से। हर वर्ष 7 अक्टूबर को यहां पर्यावरण मेला आयोजित होता है, जिसकी शुरूआत 1995 में पर्यावरणविद महादेव महतो ने की थी। इस दिन महिलाएं पेड़ों को राखी बांधती हैं, सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं और जंगल से कुछ भी तोड़ना पाप माना जाता है। पर्यावरण दिवस से ठीक पहले यह संदेश और प्रासंगिक हो जाता है कि प्रकृति की रक्षा केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि जन-सहभागिता से संभव है। 6 अक्टूबर को 25 किमी की साइकिल यात्रा होती है, जिसमें बच्चे, युवा और वृद्ध तक शामिल होते हैं। यह यात्रा लोगों में जंगल और पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाती है। आज जब देश-प्रदेश में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, दूध मटिया हमें सिखाता है कि एकजुटता और संवेदनशीलता से उजड़े जंगलों को भी फिर से जिंदा किया जा सकता है। इस पर्यावरण दिवस पर हमें दूध मटिया से सीख लेकर हर गांव-शहर में ऐसी पहलकदमी शुरू करनी होगी।

बकरीद को लेकर भुरकुंडा ओपी में शांति समिति की हुयी बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। बकरीद को लेकर क्षेत्र में शांति, सौहार्द और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को भुरकुंडा ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता ने की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों ने भी भाग लिया। बैठक में विधि-व्यवस्था बनाए रखने, भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त निगरानी रखने तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। ओपी प्रभारी गुप्ता ने सभी समुदायों से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से हर संभव व्यवस्था की जाएगी ताकि पर्व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके। उन्होंने कहा कि सभी पर्व-त्योहार आपसी भाईचारगी और प्रेम का संदेश देता है। हमसबों को आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। बैठक में एसआई अभिनाश कुमार, डीके केसरी, एएसआई सुनील मुंडा प्रेमचन्द यादव, चमन लाल, राजेश सिन्हा, संतन सिंह, जगतार सिंह, मुस्लिम अंसारी, जानकी ठाकुर, पप्पू यादव, मेराज अंसारी, शमीम अख्तर, मो. सरफराज सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री रोजगार योजना की दी गयी जानकारी

रोजगार को बढ़ावा देने के लिए जेएसएस ने जवाहरनगर में सफल प्रशिक्षुओं के साथ की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) रामगढ़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत पतरातू प्रखंड अंतर्गत भुरकुंडा क्षेत्र में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों के साथ बुधवार को जवाहर नगर पंचायत भवन में बैठक का आयोजन किया गया। कहा गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना और प्रतिभागियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीची), मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (सीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और मुद्रा ऋण योजना की जानकारी दी गई। इस दौरान स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र के विशेषज्ञ ने योजनाओं के तहत मिलने वाली सहायता और आवेदन की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उपस्थित लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ के निदेशक आकाश शाह, लेखाकार विभूति, फील्ड समन्वयक देवेश कुमार सहित ब्यूटीशियन ट्रेनर खुशबु ठाकुर और कंप्यूटर ट्रेनर प्रीति मिश्रा मौजूद रहीं। मौके पर निदेशक आकाश शाह ने कहा कि जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ केवल प्रशिक्षण ही नहीं देता, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने की दिशा में कार्य करता है। बैठक में यह भी घोषणा की गई कि जेएसएस रामगढ़ शीघ्र ही सफल लाभार्थियों के लिए उद्योग आधार (उद्यम) पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू करेगा, जिससे उन्हें कानूनी पहचान मिलने के साथ-साथ सरकारी लाभ लेने में भी आसानी होगी। विशेषज्ञों ने बताया कि स्वरोजगार ही आज के समय की आवश्यकता है और सरकार की योजनाएं ऐसे युवाओं को मजबूत आर्थिक आधार देने में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि समुदाय आधारित दृष्टिकोण अपनाकर अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है। जन शिक्षण संस्थान रामगढ़ की यह पहल स्थानीय समुदाय में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

एक नजर में

कटकमसांडी में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने 10 योजनाओं का किया शिलान्यास

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को कटकमसांडी प्रखंड के पूर्वी मंडल में एक दिवसीय विकास यात्रा के तहत लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से 10 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। कार्यक्रम की शुरूआत छड़वा डैम स्थित मां काली मंदिर में पूजा-अर्चना से हुई। विधायक ने गदोखर और कृष्णा नगर में सामुदायिक भवनों के सौंदर्यीकरण, दूभिया तालाब में सीढ़ियों के निर्माण, खुटरा, सुलमी, कंसार, बेलरगड्डा, कंचनपुर में पीसीसी पथ, असधीर में सीढ़ी निर्माण जैसे कार्यों की नींव रखी। उन्होंने मृतक परिवारों से मिलकर संवेदना जताई और विवाह समारोह में शामिल होकर आशीर्वाद भी दिया। पबरा, रोमी, हेदलाग, गोविंदपुर गांवों में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहाँ ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और कई मुद्दों का समाधान मौके पर ही किया गया। संगठनात्मक बैठक में कार्यकताओं से संवाद कर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया। भव्य स्वागत के बीच विधायक ने कहा, जनता का स्नेह और विश्वास मेरी असली पूंजी है, मैं विकास की रौशनी हर कोने तक पहुँचाने को प्रतिबद्ध हूँ। मौके पर कई जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

पासिंग परेड में 622 अग्निवीरों ने लिया हिस्सा

रामगढ़ । रामगढ़ छावनी स्थित पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के स्थित किलाहरी ड्रिल स्क्वायर में बुधवार को ऐतिहासिक कार्यक्रम में पांचवे बैच के 622 अग्निवीर रिकुट्स ने 31 सप्ताह के कठिन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के समापन पर पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया। परेड का निरीक्षण पंजाब रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर साजेश बाबु पीजी ने की। उन्होने इस स्मरणीय अवसर पर अग्निवीरों और उनके अविभावकों को बधाई दी। उन्होने ट्रेनिंग स्टाफ और इंस्ट्रक्टर के अथक प्रयासों की भी सराहना किया जिन्होने इन युवाओं को सक्षम, जिम्मेदार और भविष्य के दूरदर्शी सैनिकों के रूप में ढालने के लिए बेहतर प्रयास करते हुए उनमें कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण जैसे मूल्यों को स्थापित किया। समारोह के अंत में अग्निवीरों ने संविधान और राष्ट्र के प्रति निष्ठा, राष्ट्रीय सुरक्षा, वर्दी का सम्मान और भारतीय सेना की समृद्ध परम्पराओं को बनाए रखने की शपथ ली। सम्मान और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में सभी माता. पिता को पारंपरिक गौरव पदक प्रदान किया गया। जिन्होंने स्वेच्छा से अपने बच्चों को देश की सेवा करने की अनुमति दी और उन्हे प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले अग्निवीर जवानों को मुख्य अतिथि ने मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने फोरलेन किया जाम

कुजू। आदिवासी संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर आदिवासी संघर्ष मोर्चा के बैनर तले झारखंड बंदी के तहत बुधवार सुबह करीब 6 बजे से 8 बजे तक नयामोड़ फोरलेन सड़क को कर दिया। सड़क जाम होने से सड़क के दोनों छोर पर वाहनों की लंबी कतारें लग गयी। जिससे आने-जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम कर रहे संघर्ष मोर्चा के लोगों ने कहा कि यह बंद आदिवासी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, जमीन विवाद और विकास योजनाओं से जुड़ी आपत्तियों के खिलाफ किया जा रहा है। संगठनों ने संयुक्त मोर्चा बना कर सिरम टोली फ्लाइओवर रैंप विवाद, लुगु बुरु, पारसनाथ पहाड़, दिउरी दिरी तमाड़ और बेड़ो महदानी सरना स्थल जैसे मुद्दों को उठाकर विरोध प्रकट करते हुए इन स्थलों को बचाने की मांग की है। बाद में कुजू पुलिस ने आदिवासी संगठनों के नेताओं को समझा कर करीब 2 घंटे बाद जाम हटाया। इस दौरान मोर्चा ने सरकार के नाम विभिन्न मांगों को लेकर पत्र सौपा। वही नेताओं ने कुजू पुलिस को स्वतः गिरफ्तारी दिया, जिसके बाद पुलिस ने सभी को ओपी लाकर कागजी प्रक्रिया के बाद छोड़ दिया। गिरफ्तारी देने वालों में प्रकाश मुंडा, पवन कुमार करमाली, शत्रुघ्न बेदिया, अमरदीप मुंडा, विक्रम कुमार, श्याम करमाली, ज्ञानी मुंडा, ओम प्रकाश करमाली, अनिल अगरिया, चंद्रदीप कुमार, महेंद्र करमाली, रणधीर कुमार शर्मा, शिवा मुंडा शामिल थे।

बरही में बकरीद को लेकर फ्लैग मार्च

बरही। बरही में बकरीद पर्व शांतिपूर्वक व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर बरही पुलिस - प्रशासन द्वारा मंगलवार शाम को फ्लैग मार्च किया गया। जो बरही थाना से निकल कर बरही चौक के चारों प्रमुख मार्गों व टोला मोहल्ला में भ्रमण किया। फ्लैग मार्च में एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल, बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर आभाष कुमार समेत कई एसआई एवं पुलिस जवान शामिल थे। मौके पर पुलिस अधिकारियों ने बकरीद त्योहार को शांति पूर्वक मनाने की अपील की। वहीं कहा कि पुलिस आपके साथ हमेशा खड़ी है। पुलिस असामाजिक व शरारती तत्वों पर विशेष निगाह रखेगी।

विकास की मांग और पर्यावरण

"

पर्यावरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण उपागम सोशल इकोलॉजी का है। यह विचारधारा भौतिक पर्यावरण को फर्स्ट नेचर एवं संस्कृति को सेकंड नेचर का दर्जा देती है। फर्स्ट नेचर से सेकंड नेचर पैदा होता है। पर्यावरण की समस्याएं अंततः सामाजिक प्रश्नों के समाधान द्वारा हल होती हैं। मनुष्य सचेतन प्रकृति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो अपनी चेतना, बुद्धिमता एवं सामाजिकता का उपयोग प्रकृति की सेवा और रक्षा के लिए कर सकने में समर्थ है। दरअसल प्रकृति का दमन, मनुष्य की आंतरिक प्रकृति के दमन के बाद ही संभव है।

अभिषेक कुमार

यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेंस ऑन द ह्यूमन एनवायरनमेंट के प्रथम दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा द्वारा 1972 में विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 1974 से प्रत्येक वर्ष एक विशेष थीम को आधार बनाकर यह मनाया जाता है और 1987 से इसका कोई मेजबान देश चुने जाने की परंपरा रही है। इस वर्ष का मेजबान देश कनाडा है। जैसी कि परिपाटी है इस दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता लाने के लिए प्रयास किए जाते हैं। बावजूद बढ़ते प्रचार के, लोगों में बढ़ती जागरूकता के और विश्व स्तर पर गंभीरता से होते दिखते प्रयत्नों के, पर्यावरण पर संकट गहराया है। कई बार ऐसा भी बोध होता है कि लोग तो पर्यावरण को बचाना चाहते हैं किंतु विभिन्न देशों की सरकारें इस संबंध में दोहरा मापदंड अपनाती हैं।

मार्च 2017 में जब नैनीताल हाइकोर्ट ने गंगा नदी और अन्य प्राकृतिक संरचनाओं को एक जीवित इकाई का दर्जा दिया तो गंगा न्यूजीलैंड की वानकुई नदी के बाद यह दर्जा पाने वाली केवल दूसरी नदी बनी। यह फैसला हम लोगों के लिए आश्चर्य का विषय हो सकता है लेकिन हमारे लिए यह जानना रोचक होगा कि क्रिस्टोफर स्टोन जो साउदर्न कैलिफोर्निया

विश्वविद्यालय के प्राध्यापक थे 1972 में ही न्यायालय से वृक्षों और प्राकृतिक संरचनाओं हेतु कम से कम कारपोरेशन के दर्जे की मांग कर चुके थे जो न्यायालय द्वारा एक नजदीकी फैसले में जजों के बहुत थोड़े बहुमत द्वारा तकनीकी कारणों से नामंजूर कर दी गई थी तथापि स्टोन के विचारों का ससम्मान उल्लेख फैसले में किया गया। लगभग इसी वर्ष में नेपाल के शेरपाओं की हिमालय पर्वत श्रृंखला के कतिपय पर्वतों को पवित्र मानकर उन पर आरोहण न करने की परंपरा से प्रभावित होकर कुछ स्कॅंडिनेवियन बुद्धिजीवियों ने डीप इकोलॉजी की अवधारणा दी जिसके अनुसार प्रकृति अपने अंतस्थ मूल्य के कारण महत्वपूर्ण है न कि मनुष्य के लिए उपयोगिता के कारण। डीप इकोलॉजी के समर्थक प्रचलित पर्यावरणीय विमर्श को शैलो इकोलॉजी की संज्ञा देते हैं जो विकसित देशों के नागरिकों की सुख सुविधा के लिए प्रदूषण नियंत्रण व संसाधनों के प्रबंधन पर आधारित है।

प्रायोगिक दृष्टि से देखें तो वैश्विक स्तर पर पर्यावरण से सम्बंधित मामलों में विकसित देशों का बोलबाला रहा है। यही कारण है कि इस विचार का जन्म हुआ कि स्वच्छ पर्यावरण उच्च प्रतिव्यक्ति आय वाले खाते पीते लोगों की विलासितापूर्ण आवश्यकता है। इकोलॉजिकल फुटप्रिंट के द्वारा किसी देश द्वारा उपभोग किए जा रहे जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र एवं उसके लिए उपलब्ध जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र का अनुपात ज्ञात किया जा सकता है। इसके माध्यम से यह तथ्य सामने आता है कि विकसित देश अपने क्षेत्र में उपलब्ध जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र की तुलना में बहुत अधिक जैविक उत्पादक क्षेत्र का उपयोग कर रहे हैं। इनकी तुलना में अविकसित एवं विकासशील देशों द्वारा उपभोग किए जा रहे और उपलब्ध जैविक उत्पादक क्षेत्र में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। स्वयं हमारे ही देश में उद्योगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने हेतु सड़कों व रेल मार्गों के निर्माण के लिए, उद्योगों को बिजली देने के लिए हाइड्रो पावर उत्पादनार्थ विशाल बांधों के निर्माण के नाम पर,पर्यटन उद्योग हेतु अधोसंरचना विकास के लिए, कोयले पर आधारित विद्युत उत्पादन और इस्पात संयंत्र हेतु हजारों वर्ष पुराने वन पारिस्थितिक तंत्र को मूर्खतापूर्ण ढंग से बड़ी निर्ममतापूर्वक उजाड़ दिया गया है। इन उद्योगों में महंगी प्रदूषण नियंत्रण तकनीकी का उपयोग मुनाफे के लालच में नहीं किया जाता, प्रदूषण नियंत्रण संस्थाएं या तो भ्रष्टाचार की शिकार हैं या राजनीतिक दबाव के आगे विवश हैं। फलतः इंडस्ट्रियल वेस्ट बिना उपचारित किए नदियों में प्रवाहित हो रहा है, फ्लाई ऐश को रिहायशी और कृषि क्षेत्रों में बड़ी बेरहमी के साथ डंप किया जा रहा है। भयानक कुहरा दिल्ली और उत्तर भारत की नियति है तो बंगलोर की झील विषैला झाग उगल रही है। उत्तराखंड में वनों के विनाश के बाद आई बाढ़ से हमने कुछ सीखा हो ऐसा नहीं लगता। गर्मी के मामले में छत्तीसगढ़ राजस्थान को मात दे रहा है। प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध होने की कीमत चुकाता यह धान का कटोरा घटते वन क्षेत्रों, उजड़ती कृषि भूमि और नीचे जाते भूजल स्तर के साथ घायल और क्षत-विक्षत पारिस्थितिक तंत्रों का समूह बन कर रह गया है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में वन और वनवासियों की आहुति दे विकास का यज्ञ जारी है।

पर्यावरणविद जानते हैं कि हजारों साल लगते हैं तब कोई

पर्यावरण की रक्षा और हमारा दायित्व

जीवीएस शास्त्री

प्रकृति के साथ अनेक वर्षों से की जा रही छेड़छाड़ से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को देखने के लिए अब दूर जाने की जरूरत नहीं है। विश्व में बढ़ते बंजर इलाके, फैलते रेगिस्तान, कटते जंगल, लुप्त होते पेड़-पौधे और जीव जंतु, प्रदूषणों से दूषित पानी, कस्बों एवं शहरों पर गहराती गंदी हवा और हर वर्ष बढ़ते बाढ़ एवं सूखे के प्रकोप इस बात के साक्षी हैं कि हमने अपनी धरती और अपने पर्यावरण की ठीक से देखभाल नहीं की। अब इसके होने वाले संकटों का प्रभाव बिना किसी भेदभाव के समस्त विश्व, वनस्पति जगत और प्राणी मात्र पर समान रूप से पड़ रहा है। आज दुनियाभर में अनेक स्तरों पर यह कोशिश हो रही है कि आम आदमी को इस चुनौती के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया जाए, ताकि उसके अस्तित्व को संकट में डालने वाले तथ्यों की उसे समय रहते जानकारी हो जाए और स्थिति को सुधारने के उपाय भी गंभीरता से किए जा सके। भारत के संदर्भ में यह सुखद बात है कि पर्यावरण के प्रति सामाजिक चेतना का संदेश हमारे धर्मग्रंथों और नीतिशतकों में प्राचीनकाल से रहा है। हमारे यहां जड़ में, चेतन में सभी के प्रति समानता और प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव सामाजिक संस्कारों का आधार बिंदु रहा है। वर्ष 1984 में शताब्दी की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना भोपाल गैस त्रासदी के बाद तो समाचार पत्रों में पर्यावरणीय खबरों का प्रतिशत यकायक बढ़ गया। पर्यावरण की अनदेखी मानव सभ्यता पर कालिख पोत रही हैं । इस दिशा में भागीरथी प्रयास जरूरी है। भागीरथ प्रतीक है उच्चतम श्रम का, मनुष्य के श्रम के पसीने का। मनुष्य के श्रम का पसीना गंगाजल से भी ज्यादा पवित्र है। गंगा और भागीरथ के मिथक से ही इसे समझा जा सकता है। भागीरथ जब अपने श्रम

से गंगा को धरती पर लाये तो गंगा का नाम हो गया भागीरथी, भागीरथ का नाम गंगाप्रसाद नहीं हुआ। इस प्रकार अधिक परिश्रमी और असाध्य कार्य के लिए प्रतीक हो गया भागीरथी प्रयास। पर्यावरण के क्षेत्र में भी संरक्षण के भागीरथी प्रयासों की आवश्यकता है। सर्वप्रथम यह हमारा सामाजिक दायित्व है कि हम स्वयं पर्यावरण हितैषी बनें जिससे पर्यावरण समृद्ध भारत बनाया जा सके।

प्रकृति और मनुष्य के गहरे अनुराग के कारण दोनों के साहचर्य से प्रकृति का संतुलन बना रहता है। पिछले हजारों वर्षो से चले आ रहे प्रकृति संतुलन में पिछले एक शताब्दी में आये व्यापक बदलाव के लिए उत्तरदायी कारणों की खोज जरूरी है। मनुष्य के प्रकृति के साथ प्रेममूलक संबंधों में आ रही गिरावट और बढ़ती संवेदनशीलता के दायरों से बाहर निकलकर पुनः प्रकृति की ओर लौटने के लिये हमें हमारी परंपराओं, शिक्षाओं और संस्कृति की समृद्ध विरासत की ओर लौटना होगा।

औद्योगिक विकास से बढ़ता प्रदूषण और हम

डॉ मेरी ग्रेस

निश्चित रूप से टीवी खोलते ही कई चैनलों पर पर्यावरण की समस्याओं पर विशेषज्ञों के विचार एवं विवाद सुनाई देंगे। आखिर, पर्यावरण दिवस भी कोई चीज है और चूंकि इसको लेकर जितना शोर-शराबा होगा, व्यक्ति उतना ही पर्यावरण प्रेमी कहा जायेगा, इसलिए शोर खूब मचेगा, पर प्रश्न उठता है कि क्या वाकई पर्यावरण दिवस पर सिर्फ शोर से स्थिति में सुधार आ जायेगा? बीते कुछ सालों में मनुष्य ने बहुत प्रगति की है और अपने रहन-सहन को बेहतर बनने के लिए अंधाधुंध प्रकृति की अवहेलना भी की है, जिसका परिणाम ये हुआ है कि मनुष्य तथा अन्य वन-जीवों को अपने जीवन के प्रति संकट का सामना करना पड़ रहा है। मामला कई बार तो इस कदर खतरनाक दिखता है कि व्यक्ति तो व्यक्ति, देश और सम्पूर्ण विश्व के नेता भी कई बार इस पर गम्भीर चिंता जताते हैं, सम्मेलन करते हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात! प्रदूषित पर्यावरण का प्रभाव पेड़ पौधों एवं फसलों पर पड़ा है। अक्सर ही असमय बरसात तथा सूखा फसलों को बुरी तरह से बर्बाद कर देते हैं। पानी के सारे श्रोत सूख रहे हैं या उनमें घुले रसायनों की वजह से पीने योग्य नहीं रह गए हैं और ऐसे में मानव जीवन पर संकट की चर्चा और उससे निकले समाधान पर कार्यान्वयन होना ही चाहिए। समुद्र तटों पर स्थित महानगरों को अब भयंकर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे इसके किनारों पर बसे महानगरों के डूबने का खतरा नजर आता है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है और यह नजारा पृथ्वी के हर एक कोने में देखने को मिल जाता है, वह चाहे नेपाल हो, पाकिस्तान हो, अमेरिका हो, चीन हो या फिर अपना देश भारत ही क्यों न हो! सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं की वजह से आज सांस लेना दूभर हो गया है।

इस औद्योगिक विकास के युग में संसार के सभी विकासशील और विकसित देशों में हजारों लाखों फैक्टरियां दिन-रात चलती रहती हैं जिनसे निकलने वाला धुआं और विषैले पदार्थ हमारे पर्यावरण को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। प्रदूषण की वजह से ही सूर्य की खतरनाक किरणों से रक्षा करने वाली ओजोन परत में छेद बढ़ता ही जा रहा है। पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ गया है कि मार्च-अप्रैल के महीने में ही तापमान 50 के आंकड़े को छूने को बेताब हो जा रहा है। अभी जून का महीना चल रहा है, और क्या दिन, क्या रात, आपको गर्मी से त्राहिमाम, त्राहिमाम के अतिरिक्त कुछ और सुनाई न देगा! हालांकि, इन समस्याओं के प्रति कई पर्यावरणविद सचेत हैं तो हमारे पर्यावरण को बचाने के लिए तथा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए साल में एक दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' स्थापित किया गया था। ये लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जाता है तथा यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा चलाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ाना तथा प्रकृति और पृथ्वी की रक्षा करने के साथ-साथ पर्यावरण को और बेहतर बनाना है। इस मौके पर विश्व भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, लेकिन बेहद दुख की बात है कि ये आयोजन सिर्फ आयोजन तक ही सीमित रह जाते हैं। जन-मानस भी इसके प्रति दायित्व नहीं समझ पा रहे तो तमाम संस्थाओं के कागजी कार्यक्रमों पर सवाल तो उठते ही हैं। अगर हम ठान लें कि हमें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कुछ करना है तो हमें इसके लिए ज्यादा मेहनत करने की जरुरत भी नहीं है। बस रोजमर्रा के कामों को करते हुए हम ये काम व्यक्तिगत स्तर पर भी आसानी से कर सकते हैं।

> हालांकि, बढ़ती जनसंख्या का पर्यावरण के ह्रास से सीधा सम्बन्ध है, इसलिए सरकार को भी इन मामलों की तरफ कड़ाई से ध्यान देना चाहिए। साथ ही साथ, बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई इत्यादि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विकसित और विकासशील देशों के बीच ग्रीन हाउस उत्सर्जन को लेकर हमेशा ही विवाद रहा है और अभी हाल ही में इसको लेकर कई सम्मेलन भी हुए है, जिस पर काफी हद तक सहमति भी बनी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे इसके किनारों पर बसे महानगरों के डूबने का खतरा नजर आता है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है और यह नजारा पृथ्वी के हर एक कोने में देखने को मिल जाता है, वह चाहे नेपाल हो, पाकिस्तान हो, अमेरिका हो, चीन हो या फिर अपना देश भारत ही क्यों न हो!

हमारी छोटी-छोटी, समझदारी भरी पहल पर्यावरण को बेहद साफ-सुथरा और तरोताजा कर सकती है, इस बात में दो राय नहीं। जैसे, जब भी हम बाजार जाते हैं तो प्लास्टिक के थैलों के बजाय हम घर से कपड़े का थैला ले जाएं या कागज का थैला प्रयोग करें जिससे बेवजह प्लास्टिक का कचरा फैलने से बचेगा।

हालांकि, बढ़ती जनसंख्या का पर्यावरण के ह्रास से सीधा सम्बन्ध है, इसलिए सरकार को भी इन मामलों की तरफ कड़ाई से ध्यान देना चाहिए। साथ ही साथ, बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई इत्यादि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विकसित और विकासशील देशों के बीच ग्रीन हाउस उत्सर्जन को लेकर हमेशा ही विवाद रहा है और अभी हाल ही में इसको लेकर कई सम्मेलन भी हुए है, जिस पर काफी हद तक सहमति भी बनी है।

देखना दिलचस्प होगा कि विश्व भर के देश और उनका नेतृत्व इन मामलों पर क्या रुख अपनाता है तो व्यक्तिगत स्तर पर नागरिक इसके प्रति क्या कदम उठाते हैं। कम से कम हर व्यक्ति यथासम्भव प्लास्टिक इस्तेमाल न करने की कसम ही खा ले, फिर तो पर्यावरण दिवस की सार्थकता जरूर होगी, अन्यथा हर साल की भांति खानापूर्ति तो चल ही रही है!

(प्राचार्या,उर्सूलाइन इंटर कॉलेज रांची)

ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे

रितू चौधरी

आधुनिक युग में वायु प्रदूषण, जल का प्रदूषण, मिट्टी का प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, विकरणीय प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, समुद्रीय प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, नगरीय प्रदूषण, प्रदूषित नदियां और जलवायु बदलाव तथा ग्लोबल वार्मिंग के खतरे लगातार दस्तक दे रहे हैं। ऐसी हालत में इतिहास की चेतावनी ही पर्यावरण दिवस का सन्देश लगती है। पिछले कुछ सालों में पर्यावरणीय चेतना बढ़ी है। विकल्पों पर गंभीर चिंतन हुआ है तथा कहा जाने लगा है कि पर्यावरण को बिना हानि पहुंचाए या न्यूनतम हानि पहुंचाए टिकाऊ विकास सम्भव है। यही बात प्राकृतिक संसाधनों के संदर्भ में कही जाने लगी है।

कुछ लोग उदाहरण देकर बताते हैं कि लगभग 5000 साल तक खेती करने, युद्ध सामग्री निर्माण, धातु शोधन, नगर बसाने तथा जंगलों को काट कर बेवर खेती करने के बावजूद अर्थात विकास और प्राकृतिक संसाधनों के बीच तालमेल बिठाकर उपयोग करने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास नहीं हुआ था। तो कुछ लोगों का कहना है कि परिस्थितियां तथा आवश्यकताओं के बदलने के कारण भारतीय उदाहरण बहुत अधिक प्रासंगिक नहीं है।

हकीकत में समाज तथा व्यवस्था की अनदेखी और पर्यावरण के प्रति असम्मान की भावना ने ही संसाधनों तथा पर्यावरण को सर्वाधिक हानि पहुंचाई है। उसके पीछे पर्यावरण लागत तथा सामाजिक पक्ष की चेतना के अभाव की भी भूमिका है। इन पक्षों को ध्यान में रख किया विकास ही अंततोगत्वा विश्व पर्यावरण दिवस का अमृत होगा।

डायनासोर यदि आकस्मिक आसमानी आफत के शिकार हुए थे तो हम अपने ही द्वारा पैदा की आफत की अनदेखी के शिकार हो सकते है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह अपेक्षा करना सही होगा कि रेत में सिर छुपाने के स्थान पर अपने अस्तित्व की रक्षा के लिये स्वच्छ तकनीकों को आगे लाया जाना चाहिए, गलत तकनीकों को नकारा जाना चाहिए या सुधार कर सुरक्षित बनाया जाना चाहिए। उम्मीद है, कम-से-कम भारत में जमीनी हकीकत का अर्थशास्त्र उसकी नींव रखेगा। शायद यही इतिहास का भारतीय सबक होगा।

(लेखिका पर्यावरण विषयों पर लेखन करती है और संरक्षण का कार्य करती है।)

विश्व पर्यावरण दिवस पर लें ये पांच संकल्प, धरती बन सकती है स्वर्ग

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है ताकि लोगों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा सके। बढ़ता प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग, जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं आज हमारे अस्तित्व को चुनौती दे रही हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम सिर्फ बातें न करें, बल्कि छोटे-छोटे कदम उठाकर बड़ा बदलाव लाएं। इस पर्यावरण दिवस पर हमें पांच सरल लेकिन प्रभावशाली संकल्प लेने चाहिए, जो न सिर्फ पृथ्वी को बचाएंगे, बल्कि इसे फिर से स्वर्ग बना सकते हैं। अगर हर नागरिक यह पांच संकल्प भी पूरी ईमानदारी से अपनाए तो आने वाली पीढ़ियों को एक हरी-भरी और स्वच्छ धरती दी जा सकती है। यहां पर्यावरण को बचाने के लिए पांच संकल्पों के बारे में बताया जा रहा है जो हर नागरिक को लेना चाहिए।

पेड़ लगायें

पेड़ हमारे सबसे बड़े जीवनदाता हैं। वे ऑक्सीजन देते हैं, प्रदूषण कम करते हैं और तापमान नियंत्रित करते हैं। हर साल कम से कम 5 पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना धरती के लिए एक अनमोल तोहफा होगा। पर्यावरण दिवस के मौके पर लोग पौधे तो लगा देते हैं लेकिन अगले दिन उन्हें भूल जाते हैं। अपने लगाएं पौधे की जिम्मेदारी लें।

प्लास्टिक से दूरी

सिंगल यूज प्लास्टिक नदियों और जानवरों के लिए जानलेवा है। संकल्प लें कि प्लास्टिक या पॉलिथिन का उपयोग कम करेंगे। कपड़े या जूट के बैग का इस्तेमाल करें। बाजार जाते समय जूट या कपड़े का बैग लेकर जाएं। यह छोटा सा कदम प्लास्टिक प्रदूषण को काफी हद तक कम कर सकता है।

बिजली-पानी की बबार्दी रोकें

बिजली बचाना मतलब ऊर्जा बचाना, और पानी बचाना मतलब जीवन बचाना। नल खुला न छोड़ें, अनावश्यक लाइट्स और उपकरण बंद करें। यह न सिर्फ पर्यावरण के लिए अच्छा है बल्कि आपके बिल के लिए भी। घर के सदस्यों और अन्य को भी बिजली-पानी के दुरुपयोग के बारे में जागरूक करें।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें

हर छोटी दूरी के लिए गाड़ी का इस्तेमाल ना करें। गाड़ियों से प्रदूषण बढ़ता है। इसे रोकने के लिए पैदल चलें, साइकिल चलाएं या सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। इससे वायु प्रदूषण कम होगा और सेहत भी बेहतर रहेगी।

कचरे की रीसाइक्लिंग

गीला और सूखा कचरा अलग करें। जैविक कचरे से खाद बनाएं और रीसायक्लिंग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। यह हमारे कूड़ा प्रबंधन की सबसे जरूरी और प्रभावी पहल है।

विश्व पर्यावरण दिवस आज होगा पौधरोपण

छोटे पेड़ की छाव ने बताया पर्यावरण का महत्व

ओरमांझी। विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरूवार को प्रखंड मुख्यालय में पौधरोपन कर पर्यावरण संरक्षण व पेड़ों का महत्व बताया जाएगा। इसके अलावे देशभर में भी विश्व पर्यावरण दिवस बनाए जाएगें। सिर्फ विष्व पर्यावरण दिवस पर ही नही, हमें अपने जीवन में पर्यावरण व पंड़ों का संरक्षण का महत्व समझना होगा। तभी विष्व पर्यावरण दिवस जैसे कार्यक्रमों का महत्व है। गर्मी के दिनों में कड़ाके धूप में जब एक पेड़ का छाव मिल जाते है, तो छाव से मिले सुकून पेड़ो का महत्व का एहसास करती है। धरती पर जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण क्यो महत्वपूर्ण है। स्कूलों में हुई गर्मी छुट्टी से पूर्व ओरमांझी के एक स्कूल में लंच के समय छोटे-छोटे बच्चों को आसमा के निचे गर्मी से बच्चने के लिए एक छोटे से पेड़ की छाव में दुबकते देख जीवन में पर्यावरण व पेड़ों महत्व का एसास कराती है। स्कूल परिसर में दर्जनों पोधे लगाए गए हैं।

स्पीड न्यूज

अब पांच रुपये में मिलेगा भरपेट भोजन

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में जरूरतमंदों को मात्र 5 रुपये में भरपेट भोजन उपलबध कराने के लिए बुधवार से श्री बालाजी अन्नपूर्णा चलंत मध्यान भोजन कार्यक्रम आरंभ हुआ। चलंत वाहन की व्यवस्था विधायक सरयू राय ने अपने विधायक निधि से की है जबकि भोजन वितरण और भोजन की व्यवस्था स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट कर रहा है। कदमा स्थित मां रंकिणी मंदिर के समक्ष पूजा अर्चना करने के उपरांत विधायक सरयू राय और पारडीह काली मंदिर के महंत विद्यानंद सरस्वती ने हरि झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महंत विद्यानंद सरस्वती कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। सरयू राय ने बताया कि प्रत्येक दिन दोपहर में मात्र 5 रुपये देकर भोजन परोसा जा रहा है, जिसमें भात, दाल, सब्जी और अचार की व्यवस्था है।

जूनियर डॉक्टरों ने मांगा अपने वजीफे में इजाफा

जमशेदपुर। मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, जमशेदपुर के जूनियर डॉक्टरों ने झारखंड सरकार से सीनियर रेजिडेंट, जूनियर रेजिडेंट, इंटर्न और एक्सटर्न डॉक्टरों के वजीफे (स्टाइपेंड) में बढ़ोतरी की मांग करते हुए एक पत्र स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को सौंपा है। 'जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जेडीए)' के बैनर तले भेजे गए इस ज्ञापन को राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव को संबोधित किया गया है।

हृदय घोष और राकेश ने वापस लिया नामांकन

जमशेदपुर। 4 जून को जुस्को श्रमिक यूनियन के चुनाव प्रक्रिया के तहत नामांकन पत्र वापसी का सुबह 9 बजे से लेकर शाम 3 बजे तक कार्यक्रम हुआ। इस अवधि में एग्जीक्यूटिव कमिटी मेंबर में दो नामांकन पत्र वापसी के लिए आवेदन दिया गया। पहला हृदय कुमार घोष, कांस्टीट्यूएंसी नंबर 05 (विभाग यूटिलिटी बिलिंग) एवं दूसरा राकेश बहादुर कांस्टीट्यूएंसी नंबर 10 (विभाग आरपीएच)।

आमजन की सुविधा को हेल्पलाइन नंबर जारी

सरायकेला। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करने की दिशा में जिला प्रशासन, सरायकेला-खरसावां द्वारा हेल्पलाइन नंबर : 06597-234008 संचालित किया जा रहा है। कोई भी नागरिक अपनी किसी भी प्रकार की समस्या, शिकायत अथवा जनहित से जुड़ी आवश्यक सूचना/जानकारी कार्यालय अवधि में इस हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से जिला प्रशासन के संज्ञान में ला सकते हैं। यह हेल्पलाइन जिला प्रशासन एवं नागरिकों के बीच एक प्रभावी संवाद सेतु के रूप में कार्य करेगा।

जिला परिषद मद से नाली निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

चांडिल। प्रखंड क्षेत्र के डोबो फुटबॉल मैदान से भीष्म सिंह के घर तक जिला परिषद मद से करीब पांच लाख की लागत से पांच सौ फिट पक्की नाली निर्माण कार्य का ईचागढ़ के विधायक सविता महतो एवं चांडिल के जिप सदस्य पिंकी लायेक ने भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। जिप सदस्य पिंकी लायेक ने संवेदक को ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर ओम प्रकाश लायेक, काबलु महतो, रत्नीवाला सिंह सरदार, हरेंद्र नाथ सिंह सरदार, चिंतामणी माहली, सन्तोष महतो, कालीपद प्रामाणिक भी थे।

नहीं रहे सीपीआई के पूर्व विधायक बास्ता सोरेन, पैतृक गांव में हुआ अंतिम संस्कार

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर/घाटशिला। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और आईसीसी वर्कर्स यूनियन के पूर्व महासचिव कामरेड बास्ता सोरेन अब नहीं रहे ।उनका निधन मंगलवार-बुधवार रात एक बजे जमशेदपुर में हो गया। 92 वर्षीय कामरेड बास्ता सोरेन वर्ष 1962 से 1967 तक घाटशिला विधानसभा के विधायक रहे वर्ष 1962 से 1965 तक आईसीसी वर्कर्स यूनियन के महासचिव भी रहे थे। छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के साथ-साथ आदिवासी भाषा संस्कृति और भारतीय संविधान की विस्तृत जानकारी रखने वाले कामरेड बास्ता सोरेन के निधन से लोग काफी आहत हैं।

उनके निधन की खबर सुनने के बाद बहरागोड़ा के पूर्व विधायक देवीपदो उपाध्याय पहुंचे और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किया। इस दौरान वह काफी भावुक हो गए और अपने आंसुओं को रोक नहीं पाए। उन्होंने शोक संतृप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। कामरेड बास्ता का का पार्थिव शरीर बुधवार सुबह आईसीसी वर्कर्स यूनियन कार्यालय मऊभंडार पहुंचा। उनकी पुत्रवधू एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉक्टर सुनीता देवदूत सोरेन और पुत्र डॉक्टर देवदूत सोरेन ने अपने अश्रुपूरित नेत्रों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कामरेड बास्ता के पार्थिव शरीर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के साथ-साथ भाजपा और आईसीसी वर्कर्स यूनियन से जुड़े लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

कामरेड वास्ता सोरेन की फाइल फोटो।

श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में बहरागोड़ा के पूर्व विधायक देवी पदो उपाध्याय पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश सारंगी आईसीसी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष बी एन सिंह देव, महासचिव ओम प्रकाश सिंह,एटक नेता अंबुज ठाकुर, शशि कुमार, रविदास, भुनेश्वर तिवारी, संतोष दास, अरिंदम मुखर्जी, महमूद अली, निर्मला शुक्ला, रूपा सरकार, शेखर मलिक, ज्योति मलिक, दुलाल हासदा ,कांग्रेसी नेता काल्टू चक्रवर्ती, विक्रम कुमार, साहित्यकार वीरेंद्र नाथ आदि शामिल थे।

स्मृति शेष : बहुत याद आयेंगे आदर्श मूल्य के संवाहक कामरेड वास्ता सोरेन

अरविंद विद्रोही

जमशेदपुर। कामरेड बास्ता सोरेन की आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर मन विचलित हो उठा है।

मानस पटेल पर अनेक संवेदनशील घटनाओं की तस्वीर उभर कर आंखों की समक्ष तैरने लगी। कैसे किस रूप में उन्हें अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर मन का बोझ हल्का करूं समझ नहीं पा रहा। 1962 के विधानसभा के चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने घाटशिला विधानसभा से चुनाव लड़ा और विजय प्राप्त की। फिर दोबारा चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हुए। उनका कहना था नए लोगों को प्रकाश में लाया जाए। यह थी वास्ता जी की दूर दृष्टि और त्याग की भावना। आर्थिक तंगी के कारण नौंवी क्लास से अधिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके किंतु स्वाध्याय के बल प्रकाढ विद्वानों में उनका नाम शुमार हो गया ।वे माझी परगना संगठन के फाउंडर थे और इस संगठन के माध्यम से सामाजिक कामों में संलग्न रहे। इसे कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है जब वे कम्युनिस्ट की विचारधारा से जुड़े तो उनकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर कायम हो गयी। आदिवासी संस्कृति और उनके ऐतिहासिक संघर्ष का गहन अध्ययन बास्ता सोरेन जी ने किया था। आदिवासी संस्कृति के अध्याता होने के कारण कई एक कमेटी में उनकी सक्रिय भूमिका थी। 1972 में वे मास्को यात्रा पर गए थे और बहुत कुछ अपने संस्मरण में उन्होंने लिखा भी है।

कॉमर्स स्टेट टॉपर रश्मि और साइंस के सेंकेड टॉपर अंकित को उपायुक्त चंदन कुमार ने किया सम्मानित

रश्मि और अंकित कुमार को सम्मानित करते डीसी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर/चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम के डीसी चंदन कुमार ने चाईबासा समहरणालय में आयोजित एक सादे समारोह में इंटरमीडिएट कॉमर्स में 95.20% प्राप्त कर झारखंड स्टेट टॉपर रश्मि कुमारी, इंटरमीडिएट साइंस में 95.20% प्राप्त कर झारखंड के सेकेंड स्टेट टॉपर अंकित कुमार को सम्मानित किया। डीसी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि इन मेधावी छात्रों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। साथ ही जिले का नाम रोशन करने हेतु उन्हें शुभकामनाएं दी। डीसी ने आगे लिखा, आप दोनों छात्र निरंतर आगे बढ़े यही कामना करता हूं।

एक नजर में

एनसीपी का प्रतिनिधिमंडल नये डीसी से मिला

जमशेदपुर। बुधवार को एनसीपी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता डॉ पवन पांडेय एनसीपी युवा मोर्चा के नेतृत्व में जमशेदपुर के नवनियुक्त डीसी कर्ण सत्यार्थी से मिला, और उन्हें एनसीपी पार्टी की ओर से पुष्प गुच्छ एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्टी की ओर से डॉ पवन पांडेय ने आग्रह किया कि शहर के गैर कंपनी इलाकों में पेयजल आपूर्ति को निर्बाध रूप से संचालित कराने का आग्रह किया। गर्मी के मौसम में शहरी क्षेत्रों में खासकर गैर कंपनी इलाकों में पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। कई फ्लैटो की कालोनियों और बस्तियों में पेयजल आपूर्ति के लिए परिवारों को निजी व्यवस्था पर निर्भर होना पड रहा है लोग जो पानी खरीद कर पंप के सहारे टंकियों में रोज भरवां रहें हैं। जो कि काफी तकलीफदेह साबित होती हैं। इसलिए इस पर प्रशासन कि ओर से जल्द से जल्द सकारात्मक पहल होनी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में अनवर हुसैन जितेन्द्र मिश्रा मोहम्मद रिजवान तेजपाल सिंह टोनी सौरव ओझा शैलेन्द्र झा मिंटू प्रसाद मुख्य रूप से शामिल थे।

छह महीने से नहीं मिला है वरिष्ठ नागरिकों का पेंशन, जल्द भुगतान करे सरकार : संघ

जमशेदपुर। बुधवार सिंहभूम केन्द्रिय वरिष्ठ नागरिक समिति की बैठक केन्द्रीय अध्यक्ष शिव पूजन सिंह की अध्यक्षता में गांधी घाट पार्क साकची पर हुई जिसमें वरिष्ठ नागरिकों ने खेद प्रकट किया कि राज्य सरकार से वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली 1000 रुपये प्रतिमाह पेंशन करीब 6 महीने से बन्द है। दूसरी तरफ जो सरकार द्वारा सार्वजनिक आयुष्मान कार्ड और 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों। को आयुष्मान कार्ड बनाया गया है।आज उस कार्ड पर किसी अस्पताल में इलाज नहीं हो रहा है तो फिर पेंशन और आयुष्मान कार्ड की घोषणा कर आम जनता को गुमराह करने से सरकार की क्या मानसिकता है? इस सम्बन्ध में केन्द्रीय अध्यक्ष 5 जून को पेंशन के असिस्टेंट डायरेक्टर और सिविल सर्जन पूर्वी सिंहभूम से मिलकर इस सन्दर्भ में बात करेंगे। अगर इस पर अविलंब कारवाई नहीं हुई तो सभी बुजुर्ग उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हो जायेंगे। गरीबों असहायों का मसीहा बनने वाली सरकार की क्या मानसिकता है कि बुजुर्ग असहाय हो गये है। अब चन्द दिनों के मेहमान रह गये है कि बुजुर्गों की रेलवे सुविधा तो बन्द कर ही दिया गया है। अब पेंशन और आयुष्मान की सुविधा बंद कर दिया दिया गया है। सभी ने सरकार की रवैया पर खेद जताया। बैठक में कैलाश प्रसाद रिचर्ड पसायन जे एन अग्रवाल दिनेश प्रसाद प्रभु दयाल लाल विशम्बर साहू विशम्बर शर्मा इत्यादि मौजूद थे।

मुसाबनी बाजार के सैकड़ों दुकानदारों के भविष्य को लेकर उपायुक्त से मिले कांग्रेसी

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में मुसाबनी बाजार के दुकानदारों के पुनर्वास करने के मामले को लेकर जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से मिलकर दुकानदारों के मामले को मांग पत्र के माध्यम से रखा। जिलाध्यक्ष श्री दुबे ने उपायुक्त महोदय से कहा कि मुसाबनी बाजार के सड़क को चौड़ीकरण करने का कांग्रेस पार्टी समर्थन करती है, परन्तु सड़क चौड़ीकरण के नाम से किसी भी परिस्थिति में दुकानदारों को नही उजाड़ा जाए। ये सभी दुकानदार बहुत ही साधारण एवं गरीब थे। सुरदा माइंस के बंद हो जाने के कारण अधिकांश लोगों की स्थिति खराब हो गई थी। ये सभी साधारण दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे है। बच्चों को किसी तरह पढा रहें है। वर्तमान में अंचल अधिकारी के द्वारा सीमांकन की गई है। यदि इनकी दुकान टुट जाती है, तो इनके समक्ष जीवन यापन का घोर संकट आ जाएगी। इस परिस्थिति में मानवता को देखते हुए सहानुभूतिपूर्वक संज्ञान लेने की जरूरत है। उपरोक्त विषय को जिलाध्यक्ष ने क्रमवार उपायुक्त महोदय के समक्ष रखा। इस विषय पर उपयुक्त महोदय ने कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि जनहित में गंभीरता-पूर्वक संज्ञान लिया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, प्रदेश सचिव राकेश कुमार तिवारी, सुखदेव सिंह मल्ली, एल बी सिंह, सामंता कुमार, रजनीश सिंह, राकेश साहू, अरूण कुमार सिंह, गुलाम सरबर, मो. शब्बीर ऊर्फ लालबाबू, शिल्पी चक्रवर्ती, बबलू नौशाद, बिरेंद्र पाण्डेय, सन्नी सिंह, मो सलीम, हरिहर प्रसाद, रंजन सिंह सहित कांग्रेसजन शामिल रहे।

हरिश्चंद्र विद्या मंदिर, कांड्रा के परिसर में काटे गये पेड़ों की जांच करेंगे अंचल अधिकारी

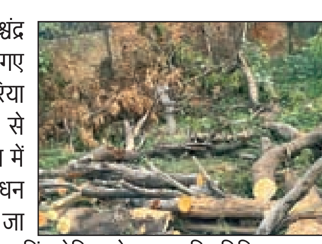

गम्हरिया। कांड्रा स्थित हरिश्चंद्र विद्या मंदिर परिसर से काटे गए इमारती पेड़ों के मामले को गम्हरिया अंचल अधिकारी ने गम्भीरता से लिया है। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए सीओ द्वारा विद्यालय प्रबंधन को नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। अंचलाधिकारी कुमार अरविंद बेदिया ने बताया कि विभिन्न माध्यमों से उन्हें सूचना मिली है कि स्कूल परिसर में लगे कई पेड़ों को काटा गया है जो एक गंभीर मामला है।इसको लेकर प्रबंधन को नोटिस किया जाएगा। साथ ही, वन विभाग के अधिकारियों को भी इससे अवगत कराया जाएगा। गौरतलब है कि करीब 3 एकड़ भूभाग में स्थापित हरिश्चंद्र विद्या मंदिर परिसर में कई एक इमारती पेड़ लगाए गए थे, जिसे प्राचार्य जेडी महतो द्वारा तथाकथित ट्रस्ट की आड़ में कटवा दिया गया है और रातोंरात उसे गायब भी कर दिया गया। इसको लेकर कांड्रा वासियों में काफी नाराजगी व्याप्त है।

धातकीडीह आदिवासी टोला में विधायक-सांसद ने किया सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

सांसद जोबा माझी और विधायक सुखराम उरांव शिलान्यास करते।

खबर मन्त्र ब्यूरो

बंदगांव, पश्चिमी सिंहभूम। बंदगांव प्रखंड के भालुपानी पंचायत अंतर्गत धातकीडीह आदिवासी टोला में धातकीडीह कुम्हार बांध पुलिया से लेकर चमरूडीह तक पीसीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा। बुधवार को सिंहभूम की सांसद जोबा माझी और चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर योजना का शिलान्यास किया। इस मौके पर सांसद जोबा माझी ने कहा यहां सड़क निर्माण की मांग ग्रामीणों द्वारा वर्षों से किया जा रहा था, जो अब पूरी होने जा रही है। उन्होंने कहा हमारी कोशिश है कि सभी गांव की सड़कें का निर्माण हो जाये, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतें ना हो। उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य है कि सभी गांव की सड़कें को मुख्य सड़क से जोड़ा जाये जिसको लेकर गांव गांव में सड़कें का निर्माण किया जा रहा है। विधायक सुखराम उरांव ने कहा चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी गांव की सड़कें को मुख्य सड़क से जोड़ने का कार्य युद्व स्तर पर चल रहा है। उन्होंने कहा जिन गांवों में सड़क के अलावे अन्य समस्या है तो लिखित रूप से दें।

कन्नौजिया महापरिवार ने किया नये उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी का अभिनंदन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर में राष्ट्रीय कन्नौजिया सोनार महापरिवार की ओर से पूर्वी सिंहभूम जिले के नये उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर गर्मजोशी से स्वागत व अभिनन्दन किया गया। प्रतिनिधि मंडल के द्वारा शहर की विभिन्न समस्या को लेकर उपायुक्त महोदय को एक ज्ञापन दिया गया जिसमें सुरक्षा को ध्यान रखते हुए ज्वेलर्स को सरलतापूर्वक आर्म्स लाईसेंस मुहैया कराने की मांग की गई। यह भी कहा गया कि सोनार समाज एवं पुलिस प्रशासन के मध्य अविश्वास बना रहता है, इसे दूर करने हेतु केन्द्रीय शांति समिति एवं सद्भावना समिति में सोनार समाज के लोगों को सदस्यता प्रदान की जानी चाहिए। यह भी कि बाजार के अंदर मुख्य द्वार के सड़क पर फुटपाथ एवं ठेला आदि के कारण रास्ता पूरा जाम हो जाता है। कभी भी कोई दुर्घटना होने पर आकस्मिक बचाव दल का बाजार में प्रवेश करना मुश्किल होता है।

लौहनगरी की हरित जीवनधारा को स्टील कैसे बना रही है सस्टेनेबिलिटी के नये आयाम

1. जुगसलाई मकडम कभी स्लैग का ऊंचा पहाड़ था, आज हरियालीयुक्त टापू बन चुका है। 2. सीआरएम बारा संयंत्र परिसर में बना आकर्षक तालाब। 3. जुबिली पार्क में बना सोलर ट्री, पार्क को आवश्यक बिजली उपलब्ध करवा रहा।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक ओर जहां पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है, वहीं जमशेदपुर की कहानी एक अलग ही मिसाल पेश करती है। भारत का पहला योजनाबद्ध औद्योगिक नगर होने के साथ-साथ, जमशेदपुर न केवल इस्पात उद्योग की आधारशिला रही है, बल्कि यह एक ऐसे दूरदर्शी संगठन – टाटा स्टील – के साथ कदम से कदम मिलाकर विकसित हुई है, जिसने शहर के विकास में अहम भूमिका निभाई है। झारखंड के दिल में, जहाँ कभी धुएं की चिमनियां नजर आती थीं, अब हरियाली, सोलर पैनल, पुनरुद्धार की गई झीलें और बिना कचरे वाले मोहल्ले एक नई कहानी कह रहे हैं – कि औद्योगिक प्रगति और पारिस्थितिक जिम्मेदारी न केवल एक-दूसरे के अनुकूल हैं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़े हुए भी हैं। जून माह को जब पूरी दुनिया सस्टेनेबिलिटी माह के रूप में मना रही है, तब जमशेदपुर एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरता है – यह दिखाने के लिए कि जब सस्टेनेबिलिटी को केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मूल सिद्धांत माना जाए, तो क्या कुछ संभव हो सकता है। टाटा स्टील, जो एक सदी से अधिक की औद्योगिक विरासत के साथ खड़ी है, आज एक नया अध्याय लिख रही है – जो कार्बन न्यूट्रलिटी, कचरे के पुनः उपयोग, जैव विविधता संरक्षण, और सामुदायिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है। टाटा स्टील की पर्यावरणीय यात्रा के केंद्र में उसका प्रमुख जमशेदपुर प्लांट है, जो दशकों से नवाचार का केंद्र रहा है। साल 2021 में, टाटा स्टील ने यहां कार्बन कैप्चर यूनिट (सीसीयू) स्थापित की, जो ब्लास्ट फर्नेस से प्रतिदिन 5 टन सीओ2 को सीधे कैप्चर करने में सक्षम है। यह स्टील उद्योग के लिए वैश्विक स्तर पर पहली पहल थी और यह टाटा स्टील की लीनियर से सर्कुलर कार्बन इकॉनमी की ओर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। नवीकरणीय ऊर्जा पर टाटा स्टील का फोकस भी बेहद प्रेरणादायक है। टाटा पावर के सहयोग से कंपनी 41 मेगावॉट का सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट विकसित कर रही है, जिसमें से लगभग 22 मेगावाट की क्षमता जमशेदपुर को रूफटॉप, ग्राउंड-माउंटेड और फ्लोटिंग सोलर इंस्टॉलेशन के जरिए बिजली देगी।

जीत के जश्न में भगदड़ पर आरोप-प्रत्यारोप

राजीव शुक्ल बोले -हादसे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, वीसीसीआइ सचिव ने कहा, बेहतर योजना बनानी चाहिए थी

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गयी। कई अन्य घायल हो गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। वहीं इस घटना के बाद आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। हालांकि बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने की अपील की है। वहीं कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार लोगों से शांति की अपील की है।

पीएम मोदी ने घटना पर दुख जताया : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया। पीएमओ द्वारा एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा गया, 'बेंगलुरु में हुई दुर्घटना बहुत ही दुखद है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है. मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द स्वस्थ हों।

शिवकुमार बोले-----------

-

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा, 'मैंने पुलिस कमिश्नर और सभी से बात की है। अस्पताल जा रहा हूं। मैं उन डॉक्टरों को परेशान नहीं करना चाहता जो मरीजों की देखभाल कर रहे हैं। अभी सटीक संख्या नहीं बताई जा सकती। हम लोगों से शांत रहने की अपील करते हैं। हमने

कार्यक्रम छोटा कर दिया था। कार्यक्रम 10 मिनट में ही खत्म हो गया। हम सब कुछ सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं। लाखों लोग आये थे। भगदड़ जैसी स्थिति पर भाजपा के आरोपों पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, 'वे आरोप लगाने के लिए वहां हैं और हम सुरक्षा के लिए हैं।

राजनीतिकरण नहीं हो : राजीव शुक्ल : बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'सरकार ने भगदड़ या ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए रोड शो रोक दिया था, लेकिन, यह अनुमान नहीं था कि स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच जायेगी। सभी को मिलकर डैमेज कंट्रोल पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना किसी भी राज्य में हो सकती है। इसके लिए सत्ताधारी पार्टी को दोष नहीं देकर इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। भीड़ अधिक होने की वजह से घटना हुई। फ्रैंचाइज ने भी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी भीड़ आयेगी। यह घटना अचानक हुई। मृतकों के परिवारों को अधिक से अधिक मदद देने की कोशिश की जा रही है।

कर्नाटक विधान परिषद के सदस्य हरिप्रसाद बीके ने ट्वीट किया, 'बेंगलुरु में आरसीबी क्रिकेट टीम की विजय परेड के दौरान मची भगदड़ में महिलाओं सहित 11 से अधिक लोगों की मौत की घटना बेहद चौंकाने वाली और खेदजनक है। भगदड़ में घायल हुए कुछ लोगों की हालत गंभीर है। सरकार को उन्हें उचित उपचार मुहैया कराने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। मृतकों के प्रति मेरी संवेदनाएं और उनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

यह सुरक्षा में चूक है : नारायणस्वामी: कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी चालावाड़ी नारायणस्वामी ने कहा, 'यह त्रासदी सरकार की वजह से हुई, उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि कितने लोग आयेंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी। यह सुरक्षा में चूक है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा, 'राज्य सरकार को इस त्रासदी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। राज्य सरकार ने बिना किसी पूर्व तैयारी के विजय रैली निकालने की जल्दबाजी की जिससे त्रासदी हुई। राज्य सरकार ने कभी पूर्व तैयारियों की परवाह नहीं की। उन्हें प्रचार में अधिक रुचि थी। कुछ लोग आईसीयू में हैं। मैंने कुछ पीड़ितों से बात की, अंदर कोई पुलिस नहीं थी, कोई एम्बुलेंस सुविधा नहीं थी।

बीसीसीआई सचिव ने निकाला गुस्सा : बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि आयोजकों को आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न की बेहतर योजना बनानी चाहिए थी। लाखों लोगों ने पूरे शहर को जाम कर दिया। जब आरसीबी की टीम सेलिब्रेशन करने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंच रही थी तो उससे पहले ही फैंस की भीड़ बेकाबू हो गई। देवजीत सैकिया ने कहा कि आरसीबी की जीत का जश्न ठीक से आयोजित नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'आयोजकों को आरसीबी के आईपीएल जीतने के जश्न की बेहतर योजना बनानी चाहिए थी।' इसका मतलब है कि आयोजन करने वालों को और सावधानी बरतनी चाहिए थी। ताकि ऐसी दुखद घटना न होती।

अचानक मची भगदड़ : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब फैंस सम्मान समारोह स्थल पर उमड़ पड़े तो भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गयी। सामने आये वीडियो/तस्वीरों में पुलिस घायलों और बेहोश हुए लोगों को एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाती दिख रही है। कुछ ऐसे लोग नजर आ रहे हैं जो बेहोशी की हालत में थे और आसपास के लोगों द्वारा उन्हें कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया जा रहा था। पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि एक ही समय पर बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

... तुमने मुझे 18 साल इंतजार कराया : कोहली

इंतजार के लायक भी था यह खास पल

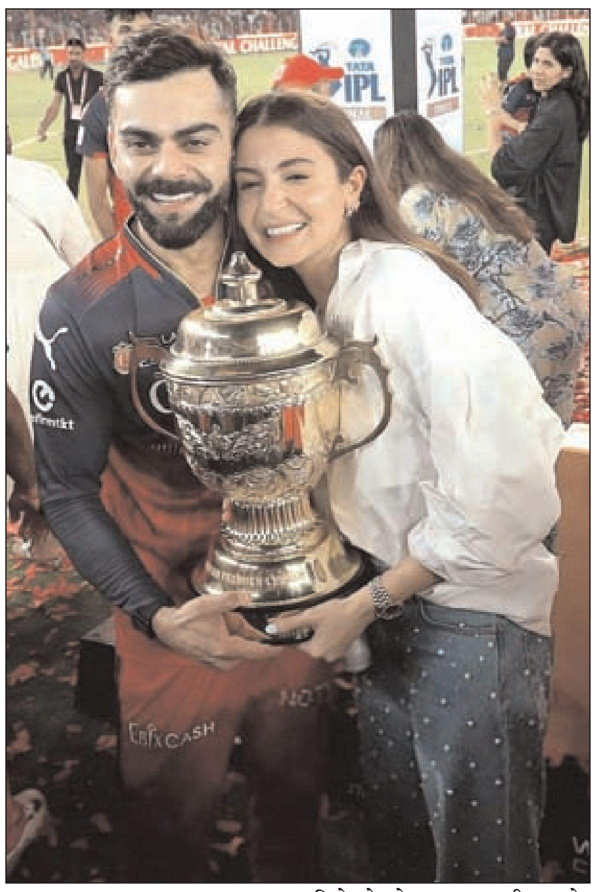

एजेंसी

बंगलुरु। अठारह साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल ट्रॉफी जीतने का जश्न मैदान पर उमड़े आंसुओं और अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मनाने के बाद विराट कोहली ने अपना हाल ए दिल सोशल मीडिया पर भी साझा करते हुए लिखा कि यह पल इंतजार के लायक था। कोहली ने कहा, जहां तक आईपीएल ट्रॉफी का सवाल है तो .. तुमने मुझे तुम्हे थामने और जश्न मनाने के लिये 18 साल तक इंतजार कराया लेकिन यह पल इंतजार के लायक था। कोहली ने पंजाब किंग्स पर फाइनल में छह रन से मिली जीत के बाद इंस्टाग्राम पर लिखा, इस टीम ने यह सपना सच कर दिया। इस सत्र को मैं कभी नहीं भुला सकूंगा। हमने पिछले ढाई महीने में इस सफर का पूरा मजा लिया। उन्होंने कहा , यह आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिये है जिन्होंने खराब से खराब समय में भी टीम का साथ नहीं छोड़ा । यह बरसों की निराशाओं और दिल टूटने के सिलसिले के लिये है । यह टीम के लिये खेलते समय एक ही पल के योगदान के लिये है।

वहीं उन्होंने इंस्टाग्राम स्टेटस पर दक्षिण अफ्रीका और आरसीबी के पूर्व धुरंधर एबी डिविलियर्स के साथ तस्वीर साझा की है जिसमें उन्होंने आईपीएल ट्रॉफी को थामा हुआ है। इस तस्वीर पर कैप्शन में उन्होंने लिखा ,समान रूप से तुम्हारी भी बिस्कोटी (दोनों एक दूसरे को प्यार से यही बुलाते हैं)। वहीं दूसरे स्टेटस में आरसीबी के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के साथ ट्रॉफी को थामे हुए तस्वीर डाली है । इसमें कैप्शन में लिखा है, शानदार प्रदर्शन पार्टनर। अब जाओ और असली काम करो और डाइपर्स बदलने के लिये तैयार हो जाओ। इंग्लैंड के क्रिकेटर साल्ट हाल ही में पिता बने हैं । आरसीबी के 29 मई को पहला क्वालीफायर जीतने के बाद वह अपनी पत्नी के पास रहने के लिये स्वदेश लौट गए थे और फाइनल मैच की सुबह ही लौटे । कोहली और साल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में 664 रन की साझेदारी की । साल्ट ने इस सत्र में 387 रन बनाये जबकि कोहली के नाम 657 रन रहे ।

कार तो मिली पर चला नहीं पायेंगे वैभव

नयी दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी को सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन अवॉर्ड के तौर पर टाटा कर्व कार मिली है लेकिन उसे वो चला नहीं पायेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन के समापन के दौरान खिलाड़ियों के उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए अलग-अलग केटेगरी में अवार्ड मिले।

इसी कड़ी में वैभव सूर्यवंशी को भी एक साख अवार्ड हासिल हुआ। इसी कड़ी में उन्हें पुरस्कार के तौर पर चमचमाती टाटा कर्व कार मिली। वैभव सूर्यवंशी अभी 14 साल के हैं। उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है। वो अभी ड्राइविंग लाइसेंस बनवा भी नहीं सकते हैं, क्योंकि भारत में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष हैं। ऐसे में वैभव को कार चलाने के लिए और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अभी इंतजार करना होगा। सूर्यवंशी आईपीएल इतिहास में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने।

कुलदीप यादव ने कानपुर की वंशिका से की सगाई

लखनऊ। भारतीय टीम के गेंदबाज कुलदीप यादव ने बुधवार को लखनऊ में सगाई कर ली है। कुलदीप ने कानपुर की ही रहने वाली वंशिका से सगाई की है। वंशिका कानपुर के लाल बंगला की रहने वाली हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं और उनके पिता एलआईसी में अधिकारी हैं। कुलदीप और वंशिका की सगाई लखनऊ स्थित होटल में हुई, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह भी शामिल हुए। 14 दिसंबर 1994 को कुलदीप यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हुआ। वह नौ साल की उम्र तक यहीं रहे। इसके बाद पढ़ाई और प्रशिक्षण के लिए पिता परिवार सहित कानपुर शिफ्ट हो गए थे। लेकिन कुलदीप ने अपनी जन्मभूमि से कभी दूरी नहीं

बनाई। कानपुर के इस हीरो ने बेहद संघर्ष और मेहनत के दम पर टीम इंडिया में न सिर्फ जगह बनाई बल्कि अब सीमित ओवर क्रिकेट में भारतीय टीम की जान बन चुके हैं। कुलदीप पहले एक तेज गेंदबाज बनने की ख्वाहिश रखते थे। लेकिन उनके कोच ने उन्हें बताया कि वह तेज गेंदबाज की बजाय एक श्रेष्ठ स्पिन गेंदबाज बन सकते हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी गेंदबाजी की स्टाइल बदली। कुलदीप यादव को शेन वॉर्न और वसीम अकरम दुनिया में सबसे बेहतर गेंदबाज लगते हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीते तीन कांस्य पदक

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त संस्था इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ म्यू थाई एसोसिएशन आईएफएमए द्वारा अंटालिया टर्की में आयोजित सीनियर वर्ल्ड म्यू थाई चैंपियनशिप में भारत के म्यू थाई खिलाडियों ने तीन कांस्य पदक जीते। राजस्थान के साहिल ने दो कांस्य पदक एक टीम और एक व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता। राजस्थान के ही आदित्य देवन्दा, छत्तीसगढ़ की टिकेश्वरी साहू और अरुणाचल की पनि मंजू जोराम ने एक-एक कांस्य पदक जीता। अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने प्रदेश की पनि मंजू जोराम सहित पदक जीतने वाले म्यू थाई खिलाडियों को बधाई

करंट की चपेट में आने से युवती झुलसी, स्थिति गंभीर

चंदवा। प्रखंड के बोदा ग्राम निवासी इम्तियाज अंसारी की पुत्री रुकसार प्रवीण बुधवार को विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गई। इस घटना मे उसका चेहरा, सिर व हाथ जल गया है। परिजनों ने आनन-फानन में उसे निजी क्लिनिक में ले गये जिसके बाद बेहतर इलाज हेतु रांची रेफर किया गया। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि रुकसार परवीन पास के ही एक घर की छत पर कपड़ा सुखाने गई थी। कपड़ा सुखाने के दौरान वह छत के ही ऊपर से गुजरे विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गई जिससे उक्त हादसा हुआ। परिजनों ने बिजली विभाग की लचर व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है।

धनबाद डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने किया टोरी जंक्शन का औचक निरीक्षण

अधर में लटके एफओबी का लिया जायजा, निर्माण को गति देने को लेकर पहल का दिया भरोसा

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। धनबाद रेल मंडल के डीआरएम अखिलेश मिश्रा बुधवार को विशेष सैलून यान से सीआईसी सेक्शन अंतर्गत टोरी जंक्शन पहुंचे, यहां उन्होंने अधिकारियों की टीम के साथ जंक्शन परिसर का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण के क्रम में उन्होंने रनिंग रूम, चल रहे निर्माण कार्य, टोरी जंक्शन में यात्री सुविधाओं की जानकारी ली व सुविधाओं को दुरुस्त करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

निरीक्षण के क्रम मे उन्होंने अधिकारियों के साथ जंक्शन के पश्चिमी छोर पर विगत एक वर्ष से अधिक समय से अधर में लटके फुट ओवर ब्रिज का जायजा लिया।

मांग पत्र सौंपते झाविस के लोग व फुट ओवर ब्रिज का जायजा लेते डीआरएम

इस दौरान उन्होंने ने एसएस रंजीत कुमार एवं निर्माण विभाग के अधिकारियों से उन्होंने निर्माण में हो रही देरी से संबंधित जानकारी ली। डीआरएम श्री मिश्रा ने भरोसा दिया कि एफओबो निर्माण को गति देने को संजीदगी के साथ पहल करेंगे। निरीक्षण पर आए डीआरएम श्री मिश्र को झारखंड विकास समिति के रवि डे, सत्येंद्र यादव, प्रमोद साहू व अलौदिया मुखिया प्रतिनिधि संदीप टोप्पो ने 9 सूत्री मांग पत्र सौंपा, जिसमें टोरी रेलवे फाटक पर आरओबी निर्माण, पश्चिमी छोर पर रुके फुट ओवर ब्रिज निर्माण को पूर्ण करने, वर्तमान फुट ओवर ब्रिज का विस्तार करने, अधूरे पड़े अंडरपास को पूर्ण करने या फिर नया अंडरपास निर्माण करने, टोरी शिवपुर रेलखंड पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू करने, रांची-टोरी भाया लोहरदगा चलने वाली मेमू ट्रेन का फेरा बढ़ाने, रेलवे अस्पताल की व्यवस्था को सुदृढ़ करने, एंबुलेंस की व्यवस्था करने समेत अन्य मांगे शामिल थे।

समिति की ओर से आए मांगो को नोट करते हुए तत्काल पहल करने की बात भी डीआरएम ने कही। डीआरएम ने कहा कि आरओबी यहां के लिए काफी महत्वपूर्ण है, मामला कहां लटका हुआ है, इस पर के संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात करेंगे। डीआरएम के आगमन के मौके पर नाट्य मंडली की टीम के द्वारा के नुक्कड़ नाटक माध्यम से यात्रियों को यात्रा के दौरान यातायात नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर जागरूक भी किया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से फाटक बंद होने के बाद रेलवे लाइन ना क्रॉस करने, ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करने, रेलवे ट्रैक की चाभी को न खोलने, एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफॉर्म जाने के लिए फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करने के लिए यात्रियों को प्रेरित किया।

बालूमाथ में 24 घंटा से बिजली बाधित, उपभोक्ता परेशान

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र में पिछले 24 घंटा से बिजली बाधित है। जिस कारण उपभोक्ता काफी परेशान नजर आ रहे हैं। बिजली विभाग उपभोक्ता ने बताया कि मंगलवार की शाम हल्का आंधी तूफान आया था जहाँ बालूमाथ से कुडू के बीच में 33 हजार का जर्जर तार होने से वह बराबर फाल्ट हो जाता है। जिस कारण 24 घंटा से बिजली बाधित है। वहीं बिजली बाधित होने से प्रखंड क्षेत्र के 71 गांव के लगभग 80 हजार आबादी अंधेरे में रहने को बिबस है। उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग से मांग करते हुए कहा है कि 33 हजार तार को दुरुस्त किया जाए ताकि बार-बार बिजली बाधित न हो। वहीं लोगों ने लातेहार उपायुक्त से शीघ्र बिजली बहाल करने की मांग की है।

महुआडांड: ईद- उल- जोहा (बकरीद) को लेकर शांति समिति की बैठक हुई सम्पन्न

प्रतिबंधित पशु न करें कुबार्नी, कुबार्नी देने के बाद मांस का टुकड़ा खुले में न फेंके : बिपिन

शांति समिति के सदस्यों पर आगे से पर्व त्योहार पर 107 नही किया जायेगा, शांति समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

महुआडांड। ईद-उल-जोहा (बकरीद) पर्व को लेकर बुधवार को महुआडांड थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महुआडांड एसडीएम बिपिन कुमार दुबे ने किया।

वही बैठक का संचालन महुआडांड थाना प्रभारी मनोज कुमार ने किया बैठक में महुआडांड एसडीपीओ शिवपूजन बहेलिया, बीडीओ सह सीओ संतोष कुमार बैठा, सर्किल इंस्पेक्टर पीर मोहम्मद, थाना प्रभारी मनोज कुमार, जिप सदस्य इस्तेला नगेसिया, प्रखण्ड कांग्रेस अध्यक्ष सह उपप्रमुख अभय मिंज, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल, हिन्दू महासभा के संरक्षक

शांति समिति की बैठक करते एसडीएम एवं अन्य पदाधिकारी

बृजमोहन जायसवाल, मदीना मस्जिद के पूर्व सदर सह जेएमएम नेता परवेज आलम, जामा मस्जिद के सदर इमरान खान, सेक्रेटरी मजहर खान, मदीना मस्जिद के सेक्रेटरी जावेद अख्तर, मो. निजामुद्दीन गद्दी, जेएमएम नेता परवेज आलम, मनु सोनी, राम जायसवाल, बिहारी जायसवाल, अधिवक्ता जावेद सौकत (बबलु), मनुव्वर आलम, पूर्व जिप सदस्य मनीना कुजूर, चंपा पंचायत की मुखिया सुषमा कुजूर, महुआडांड पंचायत की मुखिया प्रमिला मिंज, उषा खलखो, रोशनी कुजूर, पंसस निर्मला टोप्पो, आदि समेत महुआडांड थाना के पुलिस पदाधिकारियों के अलावे काफी संख्या मे सभी समाज के प्रतिष्ठित व गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। बैठक में सर्वसम्मति से बकरीद पर्व को आपसी भाईचारे के साथ पुलिस एवं आमजनों के सहयोग से शांतिपूर्वक ढंग से मनाने का निर्णय लिया गया। वहीं शांति समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए महुआडांड एसडीएम बिपिन कुमार दुबे ने कहा कि सभी समुदाय के लोग एक दूसरे की भावना का ख्याल रखिए ताकि जन सहयोग से शांतिपूर्वक रहकर त्योहार मना सके।

एसडीएम ने आगे कहा कि बकरीद पर कोई भी प्रतिबंधित पशु की कुबार्नी न दे, कुबार्नी खुले मे न होकर चाहरदीवारी के अंदर हो, कुबार्नी देने के बाद मांस का टुकड़ा खुले मे न फेंके, उसे समेट कर नष्ट कर दें। कुबार्नी निश्चित दिन दी जाए, प्रतिबंधित पशु की ट्रांसपोर्टेशन न करें, यदि कोई करता है तो कानून हाथ मे न ले हमे सूचित करें हम कारवाई करेंगे। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि पर्व के दौरान अफवाहों से सावधान रहना हैं।

आपत्ति जनक टिप्पणियां नही करें जिससे अन्य धर्मों के लोगों को ठेस पहुंचें। अगर किसी को भी किसी भी तरह के सोशल मिडिया यथा इष्टाग्राम, फेसबुक या फिर व्हाट्सएप पर कुछ भी देखने या सुनने को मिलता है तो उसे आप शेयर ना करें इसके लिए आपलोग ह सर्वप्रथम प्रशासनिक पदाधिकारियों से इसकी सत्यता की जांच के लिए संपर्क करें। सत्यता की जांच के उपरान्त पुलिस प्रशासन इसपर कारवाई करेगी। ऐसे ही उस मैसेज का फारवर्ड न करें। महुआडांड थाना पुलिस जन सहयोग के लिए 24 घंटे सक्रिय मिलेगी।

चंदवा में बेमौसम बारिश व आंधी से भारी नुकसान, कई गरीबों का घर क्षतिग्रस्त

बारिश व आंधी के बाद 24 घंटे बिजली रही गुल

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। बुधवार की दोपहर बाद से चंदवा में अचानक मौसम का रुख बदलने के बाद बेमौसम भारी बारिश और लगभग आधे घंटे तलावआई तेज आंधी व तूफान के कारण चंदवास शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में भारी क्षति उठानी पड़ी है। बे मौसम बरसात व आंधी के कारण क्षेत्र में किसानों के सब्जी की खेती को काफी नुकसान पहुंचा है साथ ही शहर के चेतर मोहल्ला स्थित रमेश शर्मा का घर, गूंजराई निवासी बिगलू गंझू समेत कई अन्य गरीबों का आशियाना आंधी के कारण उजड़ गया। रमेश शर्मा को करीब 70 से 80 हजार रुपए वहीं बिगलू गंझू को करीब एक लाख रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है।

खेल स्टेडियम में दीवा रात्रि मैच का लाइव टावर गिरा : इधर हाई स्कूल खेल स्टेडियम में चल

क्षतिग्रस्त घर को दिखाते भुक्तभोगी रमेश शर्मा

रहे प्रभाकर मिश्रा मेमोरियल दवा रात्रि क्रिकेट टूनार्मेंट को लेकर लगाए गए लाइव का तीन टावर व मंच भारी बारिश व आंधी में धराशाई हो गया। लाइट टावर के गिरने से आयोजन समिति को काफी क्षति भी उठानी पड़ी, समिति के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए देर शाम तक लाइट टावर को दुरुस्त कर दिया।

बारिश व आंधी के बाद 24 घंटे बिजली रही गुल : इसके अलावा बारिश व आंधी के कारण चंदवा शहर एवं ग्रामीण इलाका लगभग 24 घंटे के लिए ब्लैक आउट रहा। 33 हजार केवीए एवं 11 हजार केवीए के तार में फाल्ट होने के कारण चंदवा की बिजली गुल रही। विभाग के कर्मचारियों के द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद फॉल्ट को ढूंढ कर दुरुस्त करने का काम किया जा रहा था। बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को घरों में पानी की किल्लत का भी सामना करना पड़ा। वहीं विद्युत संचालित सारे व्यवसाय एवं उपकरण भी ठप रहे।

हरित भारत अभियान को सशक्त बना रहा डीपीएस बोकारो

'गो ग्रीन इनिशिएटिव' के तहत पर्यावरण-संरक्षण को ले किए जा रहे कई उपाय

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। 21वीं सदी के इस दौर में तकनीकी और औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप आज विकास की परिभाषा एक नए क्षितिज पर पहुंच चुकी है। लेकिन विकास के इस भागम-भाग में एक सबसे महत्वपूर्ण चीज- जो पीछे छूटती चली जा रही है वह है हमारा पर्यावरण। कई वैश्विक संगठनों के अलावा सरकारी और गैरसरकारी स्तरों पर भी प्रकृति और इसकी हरीतिमा बचाए रखने को लेकर सतत प्रयास किए जा रहे हैं। डीपीएस बोकारो अपने यहां विगत लगभग ढाई दशक से हरित भारत अभियान को सशक्त बनाने में जुटा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अपने यहां 'गो ग्रीन इनिशिएटिव' के तहत पर्यावरण संरक्षण को लेकर ऐसी कई अनूठी पहल की है जो पर्यावरण बचाने के दृष्टिकोण से काफी कारगर साबित हो रही हैं। विद्यालय की मुख्य गतिविधियां निम्न हैं- महापुरुषों के नाम पर लगाते हैं पौधे, 11 वर्षों में 4000 पौधारोपण- इको क्लब- जीरो वेस्ट स्कूल बनाने की मुहिम-पेपर रीसाइक्लिंग यूनिट-रद्दी कागज को रीसाइकिल कर पूरी करते हैं जरूरत। वर्षों से सौर ऊर्जा का इस्तेमाल, सालाना चार लाख तक की बचत- चरक वाटिका- औषधीय पौधों का छोटा संसार-तुलसी, नीम, आंवला, लेमन ग्रास, ब्राह्मी, हल्दी, चिरायता, अडूसा, सदाबहार, सहजन, हड़जोरा, करीपत्ता, अड़हुल, घृतकुमारी, बहेड़ा, हरड़, दालचीनी, अशोक सहित कई औषधीय पौधे लगाए गए हैं। वर्मी कल्चर- केंचुआ खाद से कृषि-कार्य-जैव हरित वाटिका- जैविक कृषि-वानिकी की पहल- फुलवारी- पोषण प्रकृति का -रेन वाटर हार्वेस्टिंग- भू-गर्भ जलस्तर बढ़ाने का प्रयास - विद्यालय भवन के पिछले हिस्से में एक बड़े आकार का जल-सोख्ता बनाया गया है जिसमें छत पर गिरने वाला वर्षा का पानी गिरता है और भूमिगत हो जाता है। अतिथियों का ग्रीन वेलकम- एक अनूठा सत्कार- अभ्यागतों को देते हैं बीजयुक्त कार्ड। प्राचार्य डॉ एएस गंगवार का कहना है कि विद्यालय की ओर से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरण-संरक्षण और समाज हित में भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं। एक बच्चा जब जागरूक होगा तो उसका पूरा परिवार व समाज और अंततः पूरा राष्ट्र एवं विश्व समुदाय पेड़-पौधों की हिफाजत के प्रति जिम्मेदार बन सकेगा।

बीएसएल ने चलाया जागरूकता अभियान

अखिलेश कुमार सिंह

बोकारो। बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस-2025 के अंतर्गत झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-5 हटिया में विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अंतर्गत-बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन थीम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सीजीएम-पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी डीके सक्सेना व प्रीति झा जीएम उमेश कुमार डीजीएम नितेश रंजन एजीएम तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सौगत महतो के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के मनीष राज अजीत कुमार रूपेश कुमार मुनीष कुमार नरेंद्र कुमार अरविन्द कुमार आदि उपस्थित थे। बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन थीम के तहत जागरूकता अभियान में बोकारो शहर के उन नागरिकों को रोज बड्स वितरित किया गया जो खरीदारी के लिए घर से लाए बैग का उपयोग कर रहे थे। सेक्टर-5 हटिया में सामान खरीदने के लिए जो लोग बैग नहीं लाये थे उन्हें सिंगल यूज प्लास्टिक का निर्माण-आयात-भंडारण-वितरण-बिक्री और उपयोग पर रोक के संबंध में जागरूक किया गया। उन्हें निःशुल्क जूट बैग प्रदान किया गया। सब्जी विक्रेताओं को भी ग्राहक को सिंगल यूज प्लास्टिक नहीं देने के लिए जागरूक किया गया।

स्पीड न्यूज

प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी का मिला शव

गोड्डा। जिले के राजाभीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत अगैया गांव में बुधवार की सुबह एक व्यक्ति का पेड़ से लटका हुआ शव दिखाई दिया। वहीं इस घटना की सूचना पाकर राजभीठा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव की शिनाख्त की गई। वहीं मृतक युवक की पहचान ललमटिया थाना क्षेत्र के फुलवड़िया गांव का लालबाबू लोहार के रूप में हुई। मृतक के परिजन ने बताया कि मृतक का गांव के ही एक लड़की से प्रेम संबंध था और दोनो ने शादी भी कर ली थी, लेकिन गांववालों को दोनों के प्रेम संबंध से विरोध था। इधर कुछ दिन पहले युवक चेन्नई चला गया था, वहां वह मजदूरी का काम करता था। फिर कुछ दिन बाद वह वापस अपने घर आ गया। मिली जानकारी के अनुसार युवक और युवती का प्रेम प्रसंग जारी था, जिस कारण प्रेमिका ने प्रेमी को एक दिन अपने घर मिलने बुला लिया, जिसके बाद प्रेमी युवक की मौत हो गई। वहीं प्रेमी युवक के घर वालों का कहना है कि उसकी हत्या की गई है। वहीं इस संबंध में पुलिस के द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

दुर्घटना में एक की मौत, तीन घायल

बेरमो। अनुमडल स्थित पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत पेटरवार तेनुघाट मुख्य मार्ग में ओरदाना चौक के समीप बाइक एवं साइकिल के बीच टक्कर में एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार साइकिल सवार गणेश महतो तेनुघाट की ओर सब्जी बेचने के लिए जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। जिससे गणेश महतो की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि बाइक में सवार तीन युवक घायल हो गए। जिसमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे एवं घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डॉ कुंदन राज ने गणेश महतो को मृत घोषित कर दिया।

महगामा : गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

गोड्डा/महगामा। एसपी गोड्डा मनोज कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पीरपैंती से महगामा की तरफ बाइक से आते हुए हिरासत में लिया गया जांच करने पर उससे 3 किलो 300 ग्राम गांजा बरामद किया गया। अभियोगी बिहार के पीरपैंती का रहने वाला है पूर्व में भी उसका आपराधिक इतिहास रहा है। एसडीपीओ महगामा चंद्रशेखर आजाद ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी।

सुंदर पहाड़ी थाना क्षेत्र के घटियारी ग्राम से शराब बरामद

गोड्डा। सुंदर पहाड़ी थाना क्षेत्र के घटियारी ग्राम से पुलिस ने छापा मार कर बीयर की 15 केन और भी-7 की 17 बोतल जब्त कर दुकानदार विकास ठाकुर को अपने हिरासत में लिया। गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्रवाई की गई। अभियोगी विकास ठाकुर उम्र 45 वर्ष को जेल भेज दिया। छापेमारी दल में थाना प्रभारी सुंदर पहाड़ी आशीष यादव के साथ दल बल शामिल थे।

डीसी ने सदर अस्पताल गोड्डा का किया गया औचक निरीक्षण, दिए दिशा-निर्देश

रक्तदान महादान है, मानव जाति के कल्याण के लिए यह बेहतरीन उपहार है : अंजली यादव

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। डीसी गोड्डा अंजली यादव ने सदर अस्पताल, गोड्डा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सदर अस्पताल के जांच घर, मातृ शिशु अस्पताल, ऑपरेशन कक्ष, एसएनसीयू कक्ष, चाइल्ड वार्ड, आईसीयू, ओपीडी और अन्य संबंधित विभागों का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनसे फीडबैक प्राप्त किया। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने सदर अस्पताल उपाधीक्षक को मरीजों के परिजनों के बैठने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सदर अस्पताल के निरीक्षण के दौरान ढरयर ने लैबोरेट्री स्थल का अवलोकन किया लेबोरेट्री में मरीजों के लिए टीबी, मलेरिया, एड्स, पैथोलॉजी समेत कई बीमारियों की जांच की सुविधा

निरीक्षण के क्रम में किया स्वैच्छिक रक्तदान

उपलब्ध कराई जा रही है। डीसी ने शिशु सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिए। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत इलाज की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त किया। मौके पर अस्पताल के सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सुरक्षा गार्ड एवं चिकित्सकों की उपलब्धता की जानकारी ली। ओपीडी संचालन की भी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में विभागवार डॉक्टरों की संख्या एवं उपस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के बेहतर ठंग से इलाज करने के निर्देश दिए। डीसी ने सदर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अस्पताल परिसर की साफ सफाई, मेडिकल स्टाफ एवं चिकित्सकों की रोस्टर अनुसार ड्यूटी, पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सहित सभी जरूरी बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान ब्लड बैंक में डीसी के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। डीसी ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान के लिए सभी को बढ़-चढ़ कर आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले की जनसंख्या का एक प्रतिशत यूनिट ब्लड बैंक में हमेशा उपलब्ध होना चाहिए। जिससे जिलेवासियों की गंभीर बीमारी या आपात स्वास्थ्य स्थिति के समय ब्लड की कमी पूरी की जा सके। ब्लड की कमी वालों के लिए जरूरत की पूर्ति जीवनदान जैसी है। उन्होंने उपाधीक्षक को कहा कि रक्त का स्टोरेज ठीक से होना चाहिए। वहीं रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। मौके पर अस्पताल उपाधीक्षक अरविंद कुमार सहित चिकित्सक एवं कर्मी मौजूद रहे।

बोल्डर लदा हाइवा जब्त, खान निरीक्षक की कार्रवाई से पत्थरमंडी में हड़कंप

शिकारीपाड़ा। दुमका जिला के शिकारीपाड़ा के पत्थर मंडी से बुधवार को खान निरीक्षक दुमका की टीम ने शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में चल रहे पत्थर मंडी में पहुंचकर बॉल्डर लदे एक हाईवा को जप्त किया। हाईवा में क्षमता से अधिक बोल्डर लदा हुआ पाया गया। बताया जा रहा है कि उक्त बोल्डर लदा हाइवा में चलान भी नहीं है। जब्ती के बाद खनन टीम ने हाईवा को शिकारीपाड़ा थाना को सौंप दिया। हालांकि उक्त हाईवा को छुड़ाने के लिए कुछ लोग काफी संवेदनशील भी दिखे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खनन टीम ने एक नहीं बल्कि दो हाईवा को जप्त किया था। लेकिन दूसरा हाईवा क्षेत्र के एक कद्दावर नेता सह व्यवसायी का निकला। इसके बाद येन केन प्रकारेण उसे हाईवा को छोड़ दिया गया। हालांकि इस खबर की पुष्टि नहीं हो पाई। बहरहाल खबर लिखे जाने का जब्त हाईवा शिकारीपाड़ा थाने में खड़ी थी और अग्रतर करवाई की जा रही थी।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंच की पूजा

आरती करती केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी व अन्य।

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। केंद्रीय बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी बुधवार को बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर पहुंची। जहां उन्होंने विधि विधान से बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना के बाद वन विभाग के विश्राम गृह में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उनकी अन्य पारिवारिक सदस्य भी मौजूद रहे। मंत्री ने जनकल्याण के लिए महादेव पार्वती की मंगल आरती भी की। मंत्री के आगमन के दौरान मंदिर परिसर में स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। अन्नपूर्णा देवी ने बताया कि बाबा बासुकीनाथ की कृपा से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देशवासियों के लिए विकासात्मक योजनाएं लागू कर रही हैं। देश के विकास के लिए सरकार पूरी तरह से तत्पर है। मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार सभी विभागों में रोजगार एवं नियुक्ति उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। जिससे देश को निरंतर आगे बढ़ाया जा सके। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव कांत प्रसाद, महिला मोर्चा अध्यक्ष मनोरमा देवी के अलावा अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ऊपरघाट के पेंक में 8 पीढ़ियों का गवाह है बड़का बोर

1908 के सर्वे में स्पष्ट रूप से है अंकित

400 वर्ष पहले से यहां पर है बरगद का पेड़

साबिर/अंजाना

बेरमो/ऊपरघाट। नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट स्थित पेंक में आठ पीढ़ियों का गवाह है बड़का बोर। बड़का बोर के नाम से प्रसिद्ध यह बरगद का पेड़ का 1908 में हुए सर्वे में स्पष्ट रूप से अंकित है। ऊपरघाट के पेंक स्थित 400 वर्ष पहले से ही यहां पर बरगद का पेड़ है। घटवार (सिंह) परिवार के पूर्वजों ने इसे लगाया था। बरसात नहीं होने पर विधि पूर्वक बरगद पेड़ में पूजा-अर्चना कर मन्नत मांगते थे। पहली बैशाख माह में नमी महुआ का दारू बनाकर गांव की खुशहाली के लिए आज भी चढ़ाते हैं, जो अब भी घटवार समाज के लोग अपने पूर्वजों के पंरपरा को जीवित रखा है। ऐसी मान्यता भी है कि यहां पर मांगी गयी मुराद पूरी होती है। गांव के बुजूर्ग बताते हैं कि पेंक गांव के मालिक साधु सिंह हुआ करते थे, छडीदार पति सिंह थे। इनके पूर्वजों द्वारा पूजा सामग्री उपलब्ध करायी जाती थी। 70-80 के दशक तक गांव में कुछ भी धार्मिक, मांगलिक एवं वाद-विवाद होता था,तो मंगरा गोडाईत ढोल पीटकर बरगद पेड़ के पास इकठ्ठा होने की जानकारी दी जाती थी। वहां पर फैसले होते थे। सर्वे पूर्व पेंक में दो जाति पांडेय व घटवार ही रहते थे। सिंह कहते हैं कि हमारे पूर्वजों का कहना था कि मंगलू सिंह के पूर्वज यहां सबसे पुराना वशिंदा है। वें लोग बरगद पेड़ के पास बकरे की बलि देते थे। मंगलू सिंह के वंशज बोना सिंह, बोना सिंह के वंशज धनपत सिंह, धनपत सिंह के वंशज पोखो सिंह, पोगो सिंह के वंशज महरू सिंह आज भी पूजा करते आ रहें हैं। बुजुर्ग कहते हैं कि 1940 में जारंगडीह, होसिर व साडम से उठकर पेंक में बसने का सिलसिला शुरू हुआ है। बड़का बोर का मुख्य जड़ आज तक कोई पता नहीं लगाया जा सका है। पेड़ों पर शोध करने वाले हजारीबाग के देवदत्त ने भी इस बरगद पेड़ का शोध किया है, और अपने किताब में जिक्र किया है कि यह लगभग 400 साल पुराना बरगद का पेड़ है। 90 के दशक में सुर्खियां में आया बरगद का पेड़ः 90 के दशक में सामंतवाद को उखाड़ने के लिए ऊपरघाट में माओवादी ने दस्तक दी। इस दौरान माओवादियों ने पुलिस मुखबिरों को मौत के घाट उतारकर इसी पेड़ पर टांगने लगे। कुछ दिनों बाद पुलिस पहुंचती व शव को वहां से हटाती।

अनाथ बच्चों को दिलायें पहचान : डालसा

गोड्डा जिले में न्याय आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष पीडीजे रमेश कुमार एवं डालसा सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर न्याय आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को कानूनी व सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी कड़ी में पोड़ैयाहाट प्रखंड के डांड़ै गांव में डालसा की ओर से गठित टीम में शामिल अधिकार मित्र सह पीएलवी मो हसीब व शंकर चंद्र सेन आदि ने ग्रामीणों को विविध जानकारी दी। ग्रामीणों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलायी जा रही साथी अभियान की जानकारी दी। उन्होंने आसपास क्षेत्र में यदि अनाथ बच्चा है तो उसका आधार कार्ड बनवाने में सहयोग करने का आह्वान किया। कहा कि ऐसे बच्चों की खोज के लिए एक अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है ताकि इन बच्चों का भी पहचार उजागर हो सके। इसके माध्यम से इन बेसहारा बच्चों का पहचान पत्र बन जाएगा और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लााभ सुनिश्चित हो सकेगा। कहा कि बाल मजदूरी अभिशाप है और बच्चों से मजदूरी करवाना पाप है। सरकार हर हाथ में किताब देखना चाहती है, न कि फावड़ा व कुदाल। इस अधिनियम के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से कार्य लेना सामाजिक कुरीति ही नहीं कानूनन अपराध है। इसके लिए दोषी नियोजकों को दो वर्ष कारावास व 30 हजार रुपए जुमार्ना की सजा का प्रवधान है। बाल श्रम की रोकथाम को लेकर जन जागरुकता की जरुरत है। वहीं साइबर ठगी के बारे में भी जानकारी दी गई। अन्य प्रखंडों में भी अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरुकता का पाठ पढ़ाया गया।

पेटरवार में श्री श्री 108 शिव परिवार महायज्ञ, बाबूलाल भी हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। अनुमंडल के पेटरवार प्रखंड में आस्था और भक्ति का भव्य संगम देखने को मिला, जहां चल रहे श्री श्री 108 शिव परिवार महायज्ञ में बुधवार को पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के साथ पूर्व विधायक बिरंची नारायण और डॉ लम्बोदर महतो सहित जिप सदस्य प्रहलाद महतो ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह महायज्ञ पूरे क्षेत्र को धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रहा है। हजारों श्रद्धालु भगवान शिव और उनके परिवार की आराधना के लिए यहां पहुंचे हैं। बाबूलाल ने कहा कि यह आयोजन झारखंड की सांस्कृतिक शक्ति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है।

मैं आयोजकों और श्रद्धालुओं को बधाई देता हूं। मरांडी ने यज्ञ स्थल पर भगवान शिव का दर्शन किया, यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

एक नजर में

दुमका : वाहन के चपेट में आने से अधेड़ की मौत

दुमका। जिला के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मोहलपहाड़ी गांव के पास मंगलवार की देर शाम अज्ञात वाहन के चपेट में आने से 50 वर्षीय लुखीराम हेम्ब्रम नामक व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए पीजेएमसीएच में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोलाबाद गांव का लुखी राम हेम्ब्रम दोपहर को पैदल ही मोहलपहाड़ी बाजार गया था। देर शाम को वह पैदल ही शिकारीपाड़ा से अपने घर वापस लौट रहा था। इसी बीच एक अज्ञात वाहन धक्का मार दिया। सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

गोड्डा में धारदार हथियार से युवक की हत्या

गोड्डा। जिले के देवडांड थाना क्षेत्र के हथियापाथर गांव में मंगलवार की रात अज्ञात अपराधियों ने घर के बाहर चबूतरे पर सो रहे 25 वर्षीय बाबूराम मुर्मू के चेहरे पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। रात को ही युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। नगर थाना की पुलिस ने पिता का बयान लेकर शव का पोस्टमार्टम कराया। पिता चुन्नू मुर्मू ने अज्ञात लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। हत्या का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। पिता ने बताया कि बेटा बाबूराम शाम आठ बजे गांव की ओर निकल गया। काफी देर तक वापस नहीं आया तो खोजबीन की। इसी क्रम में रात 12 के करीब वह घर के बाहर चबूतरे घायल अवस्था में मिला। सर पर किसी तेज हथियार का निशान था और लगातार खून बह रहा था। सूचना मिलते ही नगर थाना के एसएसआई दीपक सोरेन मौके पर पहुंच घरवालों से घटना का कारण जानने का प्रयास किया। एसएसआई का कहना है कि पिता ने किसी पर हत्या का आरोप नहीं लगाया है। इसलिए अज्ञात पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। बयान को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाना भेज दिया गया है।

शिवगंगा में डूबने से भागलपुर के श्रद्धालु की मौत

दुमका। बासुकीनाथ स्थित शिवगंगा से बुधवार की सुबह पुलिस ने 31 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ। शव की पहचान बिहार के भागलपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के टहसुर निवासी अभिषेक कुमार पांडेय के रूप में हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार सुबह कुछ श्रद्धालु शिवगंगा में नहाने के लिए उतरे तो उन्हें टाटा धर्मशाला के निकट शिवगंगा एक शव तैरता दिखा। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कुछ देर तक घाट पर पहुंची। थाना प्रभारी श्यामानंद मंडल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को पानी से बाहर निकाला। जिस जगह से युवक का शव मिला, उसी की सीढ़ी पर मृतक के वस्त्र और कपड़े आदि रखे हुए थे। पुलिस का कहना है कि युवक शिवगंगा नहाने के लिए आया था। कपड़ा उतारने के बाद जैसे ही शिवगंगा में उतरा होगा। उसका पैर फिसल गया होगा और वह गहरे पानी में चला गया।

चेकडैम में डूबने से 12 वर्षीय बच्चा की मौत

दुमका। जिला के जामा थाना अंतर्गत कमार दुधानी के पास आमझर चैकडैम में नहाने के दौरान एक 12 वर्षीय बच्चा डूबने से मौत हो गई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्थानीय गोताखोर की मदद से बच्चे को बाहर निकाला जा सका। जिसकी पहचान कमार दुधानी गांव के होपना मरांडी के पुत्र सुरज मरांडी के रुप में हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बोकारो : एसबीआई कर्मचारी संघ के कॉ राघव कुमार सिंह का भव्य स्वागत

बोकारो। भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी संघ धनबाद अंचल के उप महासचिव कॉ राघव कुमार सिंह का बोकारो की धरती पर भव्य स्वागत किया गया। गौरतलब है की कॉ राघव कुमार सिंह का मनोनयन भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी संघ 8 सर्कल के उपाध्यक्ष के पद पर किया गया है। गोपालपुर (ओड़िशा) में विगत एक जून को केंद्रीय समिति की बैठक में उक्त निर्णय लिया गया। इस अवसर पर कॉ सिंह ने बताया कि यह उनके लिए यह गर्व की बात है। यह पहला अवसर है कि धनबाद अंचल से किसी कॉमरेड का चयन उपाध्यक्ष के तौर पर किया गया हो। निश्चित रूप से मुझे जो जिम्मेदारी प्रदान की गई है उसका निर्वाहन करने हेतु मैं अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दूंगा। स्वागत समारोह को सफल बनाने में सहायक महासचिव कॉ अवधेश प्रसाद कॉ रवि सिंह क्षेत्रीय सचिव कॉ शक्ति दास कॉ राज कुमार प्रसाद कॉ ज्ञान स्वरूप सिन्हा एवं सैकड़ों सदस्यों का अहम योगदान रहा।

बोकारो : बीएसएल के ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर का समापन

बोकारो। बीएसएल के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर-2025 के एमकेएम स्टेडियम में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सीजीएम-नगर प्रशासन कुंदन कुमार सीजीएम-हॉट स्ट्रिप मिल वीके सिंह जीएम-नगर सेवाएं एके अविनाश जीएम-एल एंड ए सीआरके सुधांशु सहायक एजीएम एस रजक समेत अन्य वरीय अधिकारी विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक बच्चे तथा अभिभावक उपस्थित थे। ज्ञातव्य हो कि 17 मई को प्रारम्भ हुए शिविर में 8 से 15 साल तक के 478 बच्चों ने नेशनल-इंटरनेशनल एवं एनआईएस प्रशिक्षकों के द्वारा एथलेटिक्स बैडमिन्टन बास्केटबाल क्रिकेट फुटबाल हैंडबाल कबड्डी खोखो वालीबाल शतरंज एवं तीरंदाजी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। मुख्य अतिथि ने समापन समारोह में प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

बोकारो : कबड्डी प्रतियोगिता के लिए झारखंड की टीम मछलीपट्टनम रवाना

बोकारो। 12वीं राष्ट्रीय बीच कबड्डी प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम मछलीपट्टनम (आंध्र प्रदेश) के लिए रवाना हुई। कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड की ओर से टीम को शुभकामनाएं दी गई। शुभकामना देने वालों में कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर चेयरमेन बिपिन कुमार सिंह महासचिव मुकेश कुमार सिंह अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक तेज नारायण प्रसाद माधव पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा नवनीत कुमार सोनू जगदीश कुमार आलोक कुमार मदन मोहन पांडेय धर्मेंद्र सिंह राजीव कुमार अनीता कुमारी आशा कुमारी हैदर हुसैन मुकेश कुमार राखी कुमारी उपेंद्र सुनीता कुमारी प्रद्युम्न पांडेय मदन राय आदि शामिल है।

बकरीद को लेकर गांधीनगर थाना में शांति समिति की बैठक

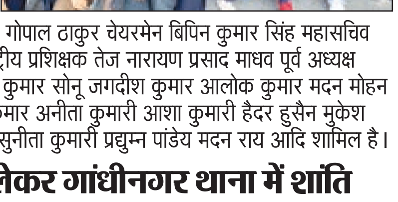

बेरमो। बकरीद पर्व को शांति व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर 3 जून की देर संध्या बोकारो जिला के गांधीनगर थाना मे बैठक का आयोजन किया गया। बेरमो प्रखंड के गांधीनगर थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक की अध्यक्षता बेरमो के बीडीओ मुकेश कुमार तथा संचालन थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह ने की। बैठक में 7 जून को बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर उपस्थित जनों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बीडीओ मुकेश कुमार ने कहा कि दुनियां का कोई भी धर्म हमें आपस में लड़ने की सलाह नहीं देता है। सभी धर्म आपसी सौहार्द और प्रेम का संदेश देता है। इसलिए आप सभी हंसी खुशी आपस में एकता बनाये रखते हुए बकरीद पर्व मनाएं, इसके लिए हमारी ओर से पुरे प्रखंड वासियों को अग्रिम शुभकामनायें है। थाना प्रभारी धनंजय ने कहा कि 7 मई को इस्लाम धर्म को मानने वालो का पावन त्यौहार बकरीद है। इसे लेकर आप सभी सजग रहे। किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देते हुए, सर्वप्रथम अपने नजदीकी थाना से इसकी अवश्य तस्दीक कर लें। अन्य वक्ताओं ने कहा कि शांतिपूर्वक वातावरण में बकरीद पर्व मनाया जायेगा। मौके पर अफजल अनीस, पम्मी सिंह, मुन्ना सिंह, शमशेर आलम, मिथिलेश प्रसाद, मो सरफुद्दीन, असलम मास्टर, गोपाल नारायण सिन्हा, एकरामूल अंसारी, बलाल अनीस, मनोज कुमार, नसीम खान, मृत्युंजय रवानी, शेर मोहम्मद, संजय होदा, शंकर पासवान, रिफत अली, सुखलाल मुंडा सहित दर्जनों गणमान्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की बैठक में कारो और करगली के कमिटी का पुनर्गठन

फुसरो। इंटक से सम्बन्ध राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के पदाधिकारी की बैठक करगली स्थित कल्याण मंडप में आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय अध्यक्ष सुबोध सिंह पवार ने किया। बैठक में संगठन कि मजबूती, ज्यादा से ज्यादा लोगों को यूनियन से जोड़ने तथा यूनियन को सशक्त बनाने पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही कारो व करगली कमेटी का सर्वसम्मति से पुनर्गठन किया गया। यूनियन के रीजनल अध्यक्ष श्यामल कुमार सरकार ने कहा कि किसी भी यूनियन की पहचान उनके मजदूरों से है। इसलिए मजदूरों के हर समस्याओं पर संगठन के पदाधिकारी मिलकर निदान करवाये। का सुबोध सिंह पवार ने कहा कि राकोमयू ही एक ऐसा संगठन है जो मजदूरों के साथ हर सुख दुख में खड़ा रहती है और समस्याओं के निदान करती है।

स्पीड न्यूज

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। मानसून सत्र में ऑपरेशन सिन्दूर और आपातकाल के 50 वर्ष पूरे पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। सत्र के दौरान न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव लाये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यदि प्रस्ताव लाने का निर्णय होता है, तो उसे इसी सत्र में लाया जाएगा। विपक्ष ने ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर संसद का विशेष सत्र लाने की सरकार से मांग की थी।

10 को अर्थव्यवस्था की समीक्षा करेंगी वित्त मंत्री

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद् (एफएसडीसी) की बैठक में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करेंगी। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित होने वाली उच्च-स्तरीय समिति की 29वीं बैठक में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं सेबी के चेयरपर्सन तुहिन कांत पांडेय और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के चेयरपर्सन के राजारमण भी हिस्सा लेंगे।

जासूसी के आरोप में यूट्यूबर गिरफ्तार

मोहाली । पंजाब के मोहाली में एसएसओसी ने रूपनगर के महलान निवासी यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार कर एक जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि जसबीर सिंह, जो जान महल नामक एक यूट्यूब चैनल संचालित करता है, को पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ जुड़ा पाया गया है, जो एक आतंकवाद-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है।

बिहार : रिश्वत मामले में दारोगा को सजा

पटना। बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने रिश्वत लेने के जुर्म में एक दारोगा को बुधवार को एक वर्ष के सश्रम कारावास के साथ ही 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। निगरानी के विशेष न्यायाधीश मोहम्मद रुस्तम ने सुनवाई के बाद भभुआ सदर थाना के तत्कालीन पुलिस अवर निरीक्षक परशुराम सिंह को भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की अलग-अलग धाराओं में दोषी करार देने के बाद सजा सुनाई।

जजों को स्वतंत्र रहना जरूरी

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जनता का विश्वास होता है कमजोर : सीजेआइ

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जनता के भरोसे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे पूरी व्यवस्था की शुचिता में विश्वास कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि जजों को स्वतंत्र रहना जरूरी है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में मेंटेनिंग जूडिशयल लेजिटिमेसी एंड पब्लिक कॉन्फिडेंस विषय पर आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में उन्होंने न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के बाद की जाने वाली नौकरियों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि अगर कोई न्यायाधीश सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सरकार में कोई अन्य नियुक्ति प्राप्त करता है, या चुनाव लड़ने के लिए पीठ से इस्तीफा देता है तो इससे गंभीर नैतिक चिंता पैदा होती है।

सीजेआइ चुनने में नेहरू-इंदिरा ने की थी मनमानी : बीआर गवई

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जब भी भ्रष्टाचार और कदाचार के ये मामले सामने आए हैं, उच्चतम न्यायालय ने लगातार कदाचार को दूर करने के लिए तत्काल और उचित उपाय किए हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, हर प्रणाली, चाहे वह कितनी भी मजबूत क्यों न हो, पेशेवर कदाचार के लिहाज से अतिसंवेदनशील होती है। दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। ऐसी घटनाओं से जनता के भरोसे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे पूरी प्रणाली की शुचिता में विश्वास खत्म हो सकता है। प्रधान न्यायाधीश की यह

टिप्पणी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोपों की पृष्ठभूमि में आई है। वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी। सीजेआइ गवई ने कार्यपालिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि जजों को स्वतंत्र रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक जजों की नियुक्ति में अंतिम निर्णय सरकार के पास था तब तक दो बार गलत तरीके से भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति हुई। उन्होंने कहा कि सबसे वरिष्ठ जजों को नजरअंदाज कर मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए थे। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि न्यायमूर्ति सैयद जफर इमाम को 1964 में खराब स्वास्थ्य के कारण मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और पंडित नेहरू की सरकार ने न्यायमूर्ति पीबी गजेंद्रगढ़कर को यह पद सौंपा।

जस्टिस खन्ना को 1977 में इंदिरा गांधी सरकार की नाराजगी का सामना करना पड़ा। एडीएम जबलपुर बनाम शिव कांत शुक्ला मामले में उनके फैसले से तत्कालीन सरकार सहमत नहीं थी। इसके कुछ महीनों बाद उन्हें मुख्य न्यायाधीश का पद खोना पड़ा। उन्होंने फैसला सुनाया था कि आपातकाल के दौरान भी मौलिक अधिकारों को निलंबित नहीं किया जा सकता है।

2027 में जातियों के साथ दो चरणों में होगी जनगणना

- अधिसूचना 16 को होगी जारी
- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों में अगले साल सितंबर में होने की संभावना
- बाकी प्रदेशों में यह काम फरवरी 2027 में शुरू होगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना-2027 में दो चरणों में कराने की घोषणा की है और इसके लिए अधिसूचना 16 जून को जारी की जायेगी। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों में जनगणना का काम अगले साल सितंबर में ही शुरू किया जा सकता है। बाकी प्रदेशों में यह काम फरवरी 2027 में शुरू किए जाने की संभावना है। सरकार के निर्णय के अनुसार इस बार की जनगणना में जातियों की गणना भी शामिल होगी।

पिछली जनगणना 2011 में की गयी थी और उस समय भी यह काम दो चरणों में पूरा किया गया था। गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि जनगणना - 2027 में एक मार्च, 2027 को 00:00 बजे की रखी जायेगी। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के प्रथम दिन 00:00 बजे रखी गयी है। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार, अधिसूचना 16 जून को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। सरकार 2021 की जनगणना कोविड के कारण नहीं करा सकी थी। जनगणना-2021 के पहले चरण की सभी तैयारियां पूरी हो गयी थी और पहली अप्रैल, 2020 से कुछ राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में फील्ड वर्क शुरू होने वाला था। महामारी से जनगणना का काम स्थगित करना पड़ा था।

मस्क के पिता एरोल मस्क ने रामलला और हनुमानगढ़ी में किये दर्शन

अयोध्या। दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क बुधवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला एवं सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में हनुमंत लला का दर्शन-पूजन कर मत्था टेका। रामलला और हनुमानजी के दर्शन करने के बाद वह बहुत ही अभिभूत दिखे।

भारत से वार्ता के लिए तैयार पाकिस्तान : डार

इस्लामाबाद। पिछले महीने भारत के साथ संघर्ष में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान की हेकड़ी निकल गई है। विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच फिर संघर्ष होने की आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि उनका देश भारत के साथ वार्ता के लिए तैयार है। डार का यह बयान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हालिया तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान की यात्रा के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में आया। डार ने कहा कहा कि संघर्ष विराम कायम है और दोनों पक्षों की तरफ से सैनिकों की वापसी के संबंध में कदम उठाए गए हैं। इसलिए मेरी राय में इसकी (संघर्ष) आशंका नहीं है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब सेना को बदनाम करना नहीं : कोर्ट

सेना पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में यूपी हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को लगायी फटकार

एजेंसी

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भारतीय सेना पर टिप्पणी करने पर आड़े हाथ लिया और जारी समन के खिलाफ उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी को भी सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने की आजादी नहीं देती। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने ने यह टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की चीनी सैनिक अरुणाचल में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं टिप्पणी के संबंध में की। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की फटकार का सामना करना पड़ा। हाईकोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में लखनऊ की एक अदालत से जारी समन के खिलाफ गांधी की दायर याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गांधी ने बहुत ही अपमानजनक तरीके से बार-बार कहा कि चीनी सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की पिटाई कर रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा।

गिरावट से उबरा शेयर बाजार

सेंसेक्स 261 और निफ्टी 78 अंक उछला

एजेंसी

मुंबई। अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति की उम्मीदों और इस सप्ताह के अंत में आरबीआइ के ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं के बीच बुधवार को स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत पिछले लगातार तीन दिन की गिरावट से उबरकर बुधवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 260.74 अंक की छलांग लगाकर 80,998.25 अंक और निफ्टी 77.70 अंक उछलकर 24616.15 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.76 प्रतिशत की तेजी लेकर 45,502.84 अंक और स्मॉलकैप 0.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,868.85 अंक हो गया। बीएसई में 4155

कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2071 में लिवाली जबकि 1933 में बिकवाली हुई वहीं 151 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2978 कंपनियों के शेयरों में से 1650 में तेजी जबकि 1236 में गिरावट रही, वहीं 92 में टिकाव रहा। बैंकिंग और रियल्टी की 0.77 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 19 समूहों में जबरदस्त लिवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.56, सीडी 0.36, ऊर्जा 0.69, एफएमसीजी 0.14, वित्तीय सेवाएं 0.17, हेल्थकेयर 0.27, इंडस्ट्रियल्स 0.54, आईटी 0.34, दूरसंचार 1.35, यूटिलिटीज 0.99, ऑटो 0.30, कैपिटल गुड्स 0.18, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.36, धातु 0.51, तेल एवं गैस 0.53, पावर 0.32, टेक 0.75, सर्विसेज 0.43 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.33 प्रतिशत उछल गए। मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में इटरनल 3.32, एयरटेल 1.82, इंडसइंड बैंक 1.79, टेक महिंद्रा 1.25, रिलायंस 1.23, टाटा मोटर्स 0.91, एचडीएफसी बैंक 0.81, टाटा स्टील 0.54, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.48, इंफोसिस 0.42, मारुति 0.40, एनटीपीसी 0.32, अडानी पोर्ट्स 0.28, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.18 और कोटक बैंक 0.04 प्रतिशत शामिल रही। बजाज फिनसर्व 1.66, एक्सिस बैंक 0.90, टीसीएस 0.72, और आईटीसी के शेयर 0.02 प्रतिशत नुकसान में रहे।

निवेशकों को दो लाख करोड़ रुपये का फायदा

शेयर बाजार में आई मजबूती से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 2 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 445.15 लाख करोड़ रुपये हो गया। मंगलवार को मार्केट 443.16 लाख करोड़ रुपये था।

विश्व पर्यावरण दिवस पर आज बरगद का पौधा लगायेंगे मोदी

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक विशेष वृक्षारोपण अभियान के तहत बरगद का पौधा लगायेंगे। प्रधानमंत्री भगवान महावीर वनस्थली पार्क में एक विशेष वृक्षारोपण पहल के तहत वृक्षारोपण करेंगे। मोदी एक पेड़ मां के नाम पहल के अंतर्गत बरगद का पौधा लगायेंगे। यह अरावली ग्रीन वॉल परियोजना का हिस्सा होगा, जिसका उद्देश्य 700 किमी अरावली श्रृंखला को फिर से वनों से परिपूर्ण करना है। यह परियोजना दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात सहित चार राज्यों के 29 जिलों में अरावली पर्वत श्रृंखला के आसपास पांच किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरियाली का विस्तार करने की एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर लड़ेगा ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इस बर्बर कृत्य के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया के प्रति अपना स्पष्ट समर्थन व्यक्त किया है तथा आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने का संकल्प जताया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। रक्षा मंत्री श्री सिंह ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा में जवाब देने के भारत

के अधिकार पर प्रकाश डाला और पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई को नपीतुली, गैर उकसावे वाली, आनुपातिक एवं जिम्मेदाराना बताया। दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों से निपटने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

कलाकारों ने पौधे लगाकर दिया हरियाली का संदेश

पर्यावरण दिवस आज

हजारीबाग। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शेमारू उमंग के शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन के कलाकारों ने पौधे लगाकर हरियाली का संदेश दिया। शेमारू उमंग पर प्रसारित दर्शकों के चहेते शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन के सेट पर एक खास नजारा देखने को मिला। शो के मुख्य कलाकार दीक्षा धामी (चैना), शील वर्मा (जयवीर), और इशिता गांगुली (चमकीली) ने शूटिंग से समय निकालकर वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। इन सितारों ने न सिर्फ पौधे लगाए, बल्कि पर्यावरण की रक्षा के लिए व्यक्तिगत संकल्प भी लिया। इशिता गांगुली के लिए यह दिल से जुड़ा हुआ अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पर्यावरण दिवस सिर्फ एक दिन फॉलो करने वाली चीज नहीं है, बल्कि ये हर दिन किए जाने वाले सही चुनाव को लेकर है। आज 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन सेट के आसपास पौधे लगाकर दिल को बहुत सुकून मिला। मुझे हमेशा से प्रकृति के बीच शांति मिलती है, जैसे पत्तों की सरसराहट, बारिश के बाद की मिट्टी की खुशबू या फिर आसमान के कई रंगों को देखना। बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन, हर सोमवार से शनिवार, रात 9 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर प्रसारित होता है।